दैनिक सांध्य प्रकाश

वर्ष 52/ अंक 174/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 31 जनवरी 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

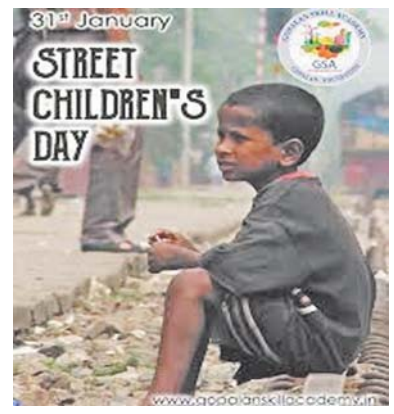

सांध्यप्रकाश विशेष

राहुल की मुहब्बत की दुकान?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कांग्रेस पार्टी के सर्वेसर्वा राहुल गांधी की भारत-जोड़ो यात्रा का आज समापन हो रहा है। केरल से कश्मीर तक की यह यात्रा शंकराचार्य के अलावा भारत में अब तक राहुल के सिवाय शायद किसी और ने कभी नहीं की। यह यात्रा इस अर्थ में एतिहासिक है। लेकिन भारत कहां से टूट रहा है, जिसे जोड़ने के लिए राहुल ने यह बीड़ा उठाया है? इस यात्रा का नाम यदि 'कांग्रेस जोड़ो' होता तो कहीं बेहतर होता। कांग्रेस टूट ही नहीं रही है, वह दिवंगत होती जा रही है। भारत का विपक्ष अपना अंकुश खोता जा रहा है। राहुल ने श्रीनगर में जाकर कहा कि इस यात्रा ने देश के सामने शासन का

वैकल्पिक नक्शा पेश किया है। यदि ऐसा होता तो चमत्कार हो जाता। वह तो बिना यात्रा किए हुए भी पेश किया जा सकता था। यात्रा के दौरान राहुल ने कई ऐसे बयान दे डाले, जो कांग्रेस की ही नीतियों के विरुद्ध थे। जैसे सावरकर की निंदा, जातीय जनगणना का समर्थन, कश्मीर की ज़मीन पर चीन का कब्जा आदि! इसमें मैं राहुल का कोई दोष नहीं मानता हूं। यह दोष है, राहुल के आस-पास घिरे हुए खुशामदियों का! वे लकड़ी के गुड्डे में जैसी और जितनी चाबी भर देते हैं, वह भोला भंडारी वैसा ही नाच दिखा देता है। राहुल को एक मूल मंत्र किसी ने पकड़ा दिया। वह है- 'नफरत के बाजार में, मैं मुहब्बत की दुकान खोलने आया हूं।' सारे देश में मुहब्बत की दुकान खोलने से बेहतर होता कि वह अपने लिए ही मुहब्बत की कोई दुकान खोल लेता। शादी कर लेता। राहुल अपनी बहन प्रियंका वाड्रा से ही कुछ सीख ले लेता। जो खुद के लिए अब तक मुहब्बत की दुकान नहीं खोल सका, वह देश के लिए मुहब्बत की दुकान कैसे खोलेगा? राहुल सुंदर है, स्वस्थ है, सदाचारी है। संपन्न और जाने-माने घर का युवक है। वह साधुओं और मौलानाओं का भेस बनाकर क्यों घूम रहा है? क्या वह मोदी की नकल कर रहा है? वह गांधी की नकल करता तो कहीं बेहतर होता! उसे फिरोजगांधी का वंशज नहीं, महात्मा गांधी का उत्तराधिकारी माना जाता! गांधी उपनाम को वह सार्थक कर देता। उसकी दादी इंदिराजी यदि अपने नाम के आगे गांधी उपनाम नहीं लगातीं तो भी उनका नाम काफी बड़ा हो गया था। इस भारत जोड़ो का लाभ कांग्रेस को कितना मिलेगा, इस पर कांग्रेसी नेताओं को ही बड़ा शक है लेकिन राहुल गांधी को इसका जबर्दस्त लाभ मिल रहा है। देश का हर नेता अपने प्रचार का मोहताज होता है। वे आत्म-प्रचार पर करोड़ों रु. खर्च कर डालते हैं लेकिन राहुल को एक कौड़ी भी खर्च नहीं करनी पड़ रही है। टीवी चैनलों और अखबारों में पिछले साढ़े चार महिने में राहुल और मोदी लगभग बराबर-बराबर दिखाई पड़ रहे हैं। राहुल का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि साढ़े चार महिने में उसका जनता से सीधा संपर्क हुआ है, जो 45 साल के राजमहलिया संपर्क से ज्यादा कीमती है।

आखिर कान्फ्रेंस के पहले क्यों आई कलेक्टर्स ट्रांसफर लिस्ट?

मध्य प्रदेश के प्रशासनिक गलियारों में इस बात को लेकर बड़ी चर्चा हो रही है कि 31 जनवरी को आयोजित कमिश्नर कलेक्टर कांफ्रेंस के एक दिन पहले देर रात में आखिर कलेक्टरों के तबादले क्यों करना पड़े? आखिर इस हड़बड़ी की आवश्यकता क्यों पड़ी?

सामान्यतः यह माना जा रहा था कि मुख्यमंत्री, कांफ्रेंस में कलेक्टरों का परफॉर्मेंस देखकर फिर तबादला सूची जारी करेंगे लेकिन इसका इंतजार न करते हुए पहले किए गए बदलाव की खास वजह

सामने आ रही है। सूत्र बताते हैं कि इस तबादला सूची के पहले इस सोच ने काम किया कि प्रशासनिक स्तर पर जिन कलेक्टरों से मुख्यमंत्री को बात करना है, यदि यह लिस्ट बाद में आती तो उनसे बात करने का कोई मतलब नहीं रह जाता। इसलिए बेहतर है कि ट्रांसफर लिस्ट पहले ही जारी कर दी जाए ताकि वे ज्वाइन कर ले और फिर उसी जिले के कलेक्टर की हैसियत से इस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लें। इसके बावजूद यह सवाल अपनी जगह है कि जो कलेक्टर नए जिले का कार्यभार ग्रहण कर लेंगे, उनसे मुख्यमंत्री क्या सवाल-जवाब करेंगे! क्योंकि, चार्ज लेने के अगले ही दिन उन्हें इस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेना है।कल रात की सूची में जिन जिलों में बदलाव किया गया, उसे सामान्य प्रशासनिक फेरबदल नहीं माना जा सकता। हर कलेक्टर की नए जिले में तैनाती और दूसरे को हटाए जाने के पीछे कोई न कोई छुपा कारण जरूर है। यह क्या है, इसको लेकर कुछ बातें तो सामने आ रही है लेकिन अभी भी कारण स्पष्ट नहीं हैं। पता चला है कि ग्वालियर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम को ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्वालियर से हटाना चाहते थे। यहां तक तो ठीक है और मुख्यमंत्री ने उनकी बात मान भी ली। लेकिन, कौशलेंद्र विक्रम को मुख्यमंत्री अपने सचिवालय में ले आए। इसका सीधा सा आशय हुआ कि सिंधिया को कौशलेंद्र विक्रम से नाराजगी थी, पर मुख्यमंत्री को नहीं है। ख़बरें बताती है कि उनकी जगह जिन अक्षय कुमार सिंह को कलेक्टर बनाया गया, उसके पीछे केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का नाम लिया जा रहा है। उज्जैन के कलेक्टर आशीष सिंह को लेकर बताया जा रहा है कि उनका ट्रांसफर तो होना तय था लेकिन 2010 बैच के इस अधिकारी को किसी और बड़े जिले की कमान सौंपने की चर्चा थी। महाकाल लोक के निर्माण से लगाकर उसके लोकार्पण तक उनकी मेहनत की तारीफ की गई। यहां तक कि प्रधानमंत्री ने भी उनकी तारीफ की। जो इक्का-दुक्का लोग प्रधानमंत्री से मिल पाए, उनमें आशीष सिंह भी थे। खरगोन कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम को अभी खरगोन में 1 साल ही हुआ था कि उन्हें उज्जैन कलेक्टर बना दिया गया है। खरगोन दंगे के दौरान उन्हें आनन-फानन में रतलाम से खरगोन भेजा गया था। शासन ने जिस मंशा से उन्हें खरगोन भेजा था उन्होंने उस कार्य को पूरी शिद्दत के साथ निपटाया। कुमार पुरुषोत्तम के तबादले की एक अलग कहानी सामने आ रही है। जब उनका तबादला रतलाम से खरगोन किया गया था, तब ये आश्वस्त किया गया था कि जल्दी ही उन्हें किसी बड़े जिले की कमान सौंपी जाएगी और वही हुआ भी! उनकी कार्यप्रणाली इस तरह की है कि उन्हें शासन और प्रशासन दोनों के चहेते अफसरों में गिना जाता है। वे लगातार चौथे जिले के कलेक्टर बने हैं। बड़वानी कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा को उनके बेहतर कार्य परिणामों को देखते हुए बड़वानी से बड़े खरगोन जिले में भेजा गया है। तबादला सूची में 2014 बैच के सीधी भर्ती के दो अधिकारियों को कलेक्टर बनाया गया है। यह देखने योग्य बात है कि 2013 और 2014 बैच के प्रमोटी आईएएस अधिकारियों को अभी कलेक्टर बनने का मौका नहीं मिला है। इसके पहले भी 2014 बैच के सीधी भर्ती के अधिकारियों को कलेक्टर बनाया गया है। अनूपपुर की कलेक्टर 2013 बैच की सोनिया मीणा को भी कुछ विवादों के चलते हटाया गया है। वे डेढ़ साल पहले ही कलेक्टर अनूपपुर बनाई गई थी। इस लिस्ट में अभी भी 2012 बैच के कुछ अधिकारी कलेक्टर बनने से वंचित रह गए हैं। इनमें केदार सिंह, राजेश उगारे और विवेक श्रोत्रिय जैसे अधिकारी भी शामिल है।

सीएम शिवराज मेरे जीजा, उनके चरण पखारूंगा, लेकिन मैं राहुल गांधी के साथ खड़ा हूं: संजय सिंह

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सगे साले और मध्यप्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संजय सिंह मसानी हमेशा चर्चा में रहते हैं. कभी अपने जीजा सीएम शिवराज का साथ छोड़कर कांग्रेस में जाने को लेकर तो कभी फिल्मों में अभिनय के लिए. इस बार चर्चा है कि वे सीएम शिवराज की पुरानी

संसदीय सीट विदिशा लोकसभा की सीट उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय हैं. यहां के प्रसिद्ध छींद धाम मंदिर के पास ही धार्मिक कार्यक्रम कर रहे हैं. छींद धाम मंदिर में उनसे चर्चा हुई।

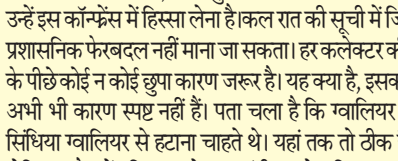

सीएम शिवराज के साले व प्रदेश कांग्रेस के नेता संजय सिंह मसानी का कहना है कि बहन साधना सिंह से उनका जीवनपर्यंत रिश्ता रहेगा. ये ईश्वर प्रदत्त रिश्ता है. मेरा विरोध विचारधारा को लेकर है. मैं राहुल गांधी की विचारधारा के साथ हूं. क्या अगर पार्टी कहेगी कि बुधनी से जाकर चुनाव लड़िए तो आप क्या करेंगे. इसके जवाब में संजय सिंह का कहना है कि पार्टी के आदेश का पालन करूंगा. लेकिन पार्टी की एक मर्यादा भी होती है।

शिवराज के नहीं, बीजेपी के खिलाफ हूं: जीजा यानी सीएम शिवराज पर मौखिक हमले करने पर बोले कि मैं अपने परिवार के खिलाफ नहीं हूं. भाजपा की विचारधारा के खिलाफ हूं. जब पूछा कि जीजा से बातचीत होती है तो बोले कि यह पारवारिक विषय है. जब मिलते हैं तो बात करता हूं. वे मेरे सम्मानीय है. बहनाई हैं मेरे. हमेशा चरण पखारे हैं और उनके चरणों में माथा रहेगा. जब पूछा कि चर्चा है कि जल्द सीएम हाउस में शहनाई बज सकती है और विवाह की चर्चा चल रही है तो बोले कि अभी फिलहाल जानकारी नहीं है. लेकिन शादी होगी तो मामा का फर्ज निभाऊंगा और मंडप में पेरावनी लेकर जाऊंगा।

- शेष पेज 8 पर

मध्य प्रदेश में कलेक्टर-कमिश्नर कान्फ्रेंस शुरू

मिलकर काम करेंगे तो आत्मनिर्भर प्रदेश का लक्ष्य पूरा होगा: चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में जो भी योजनाएं हमने लागू की हैं, उनमें से कई योजनाएं मील का पत्थर साबित हुई हैं। हर योजना की लगातार मानीटरिंग और समीक्षा आवश्यक है। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं, हम और आप मिलकर इस लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंत्री और विधायकों के बाद अब अधिकारियों से अलग-अलग चर्चा कर रहे हैं। कलेक्टर-कमिश्नर, आइजी-एसपी कान्फ्रेंस में आधा दिन अधिकारियों से चर्चा के लिए आरक्षित रखा गया है। बैठक में पांच फरवरी से प्रदेश में प्रारंभ हो रही विकास यात्रा की तैयारी, कानून- व्यवस्था सहित अन्य प्रमुख योजनाओं की समीक्षा की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा -

- कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में सीएम शिवराज ने की टीम मध्यप्रदेश की प्रशंसा
- हम वो लोग हैं, जिनके पास जनता की जिंदगी बदलने का सौभाग्य मिला है।
- आप शासन के प्रतिनिधि हैं, अच्छा कार्य देखकर मन में आनंद और प्रसन्नता होती है
- हम लोगों की जिंदगी बदलने के लिए काम कर रहे हैं।
- आप साधारण नहीं, मध्यप्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं।
- आप प्रदेश की 8.50 करोड़ नागरिकों में से चुनिंदा लोग हैं
- 52 कलेक्टर,10 कमिश्नर, वल्लभ भवन के सीनियर अफसर हैं।
- ये टीम मध्यप्रदेश है, जो प्रदेश की उन्नति के लिए हर क्षण संकल्पित है।
- हमें ओर अधिक जी-जान व साहस के साथ लोगो की सेवा में जुटना है
- हमारी अनेकों उपलब्धियां हैं। हमारी ग्रोथ रेट 19.76% है।

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाया: राष्ट्रपति

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र आज से शुरू हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पहली बार संसद के ज्वाइंट सेशन को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने अपने 1 घंटे 2 मिनट तक चले अभिभाषण में कहा कि भारत में मजबूत इच्छाशक्ति वाली सरकार है। यह सरकार बिना डरे काम कर रही है। इसके लिए उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, आतंकवाद पर सख्ती, आर्टिकल 370 और तीन तलाक का हवाला दिया।

मुर्मू ने सरकार को लगातार दो बार मौका देने के लिए लोगों का आभार जताया। उन्होंने कहा- हमें आत्मनिर्भर भारत बनाना है, जहां गरीबी न हो और मध्यम वर्ग वैभव से युक्त हो। उन्होंने गरीबों को मुफ्त अनाज की स्कीम जारी रखने की बात कही। मुर्मू ने रेहड़ी वालों की बात कही, तो 11 करोड़ छोटे किसानों की मदद के लिए सवा दो लाख करोड़ रुपए की सम्मान निधि का जिक्र भी किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अफगानिस्तान और यूक्रेन जैसे देशों में संकट में फंसे अपने नागरिकों को वापस लेकर आए हैं। भारत ने आतंकवाद को लेकर जो कड़क रुख अपनाया है, उसे भी आज दुनिया समझ रही है। इसलिए आतंक के विरोध में भारत की आवाज को हर मंच से गंभीरता से सुना जा रहा है। यूएन में भी भारत ने आतंकवाद पर अपनी भूमिका को स्पष्ट किया है। साइबर सुरक्षा की चिंताओं को भी सरकार पूरी दुनिया के सामने रख रही है।

भारत के बजट पर पूरी दुनिया की नजर: मोदी - बजट सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आज बजट सत्र शुरू हो रहा है। अर्थ जगत में जिनकी मान्यता है उनकी आवाज आशा की किरण ला रही है। मोदी ने कहा- सदन में तकरार तो होगी ही, तकरीर भी होनी चाहिए। मोदी ने कहा- विपक्ष पूरी तैयारी के साथ आया है। हम बहुत अच्छी तरह मंथन करके देश के लिए अमृत निकालेंगे। हमारे देश के बजट पर विश्व की नजर है। इस बजट से लोगों को काफी उम्मीदें होंगी। हमारे देश की ओर दुनिया आशा से देख रही है। हमार लक्ष्य देश पहले- देशवासी पहले होना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत की वर्तमान राष्ट्रपति संयुक्त सदन को पहली बार संबोधित करने जा रही हैं। उनका संबोधन भारत के संविधान, संसदीय प्रणाली का गौरव है और आज नारी सम्मान का भी अवसर है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी वित्त मंत्री भी एक महिला हैं। वह कल देश के सामने एक और बजट पेश करेंगी।

सीतारमण ने आर्थिक सर्वे पेश किया, बजट कल- राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद दोपहर करीब एक बजे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। कल यानी 1 फरवरी को बजट पेश होगा। यह लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार का अंतिम पूर्ण बजट है। मोदी सरकार साल 2014 से अब तक कुल 9 बजट पेश कर चुकी है और यह उसका 10वां बजट है।

केजरीवाल और केसीआर की पार्टी ने बहिष्कार किया- सूत्रों के मुताबिक, अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप, केसीआर की पार्टी समेत कई विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार किया। इधर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जिन खड़गे ने कहा कि श्रीनगर में भारी बर्फबारी के चलते कई नेता फंसे हुए हैं। फ्लाइट में देरी की वजह से राहुल गांधी समेत कई सांसद राष्ट्रपति के भाषण में नहीं पहुंच पाएंगे।

शांति तभी संभव है, जब आप राजनीतिक और सैन्य रूप से सक्षम होंगे

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि शांति तभी संभव है, जब आप राजनीतिक और सैन्य रूप से सक्षम होंगे, इसलिए भारत अपनी सैन्य शक्ति को भी आधुनिक करने पर जोर दे रहा है। पूरी दुनिया इस वक्त भारत की ओर उम्मीद से देख रही है। भारत का लोकतंत्र हमेशा से समृद्ध था। एक राष्ट के रूप में भारत की पहचान अमर थी, अमर है और आगे भी अमर रहेगी। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम मुश्किल लक्ष्य रखें और उन्हें हासिल कर के दिखाएं। जो पूरी दुनिया के देश करने की सोच रहे हैं, उसे हम भारतवासी पहले कर के दिखाएं। आइए अपने लोकतंत्र को समृद्ध करते हुए हम अपने संकल्पों पूरा करें।

कर्नाटक में चुनाव नहीं लड़ेंगे येदियुरप्पा

80 साल का हूं, इलेक्शन नहीं लड़ सकता, लेकिन 2024 में मोदी सरकार को वापस लाऊंगा

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने सोमवार को चुनावी राजनीति से हटने का ऐलान किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि वे आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे और न ही भविष्य में उनकी कोई चुनाव लड़ने की इच्छा है। येदियुरप्पा ने कहा- मैं अभी 80 साल का हूं। मैं चुनाव नहीं लड़ सकता। हालांकि, बाद में उन्होंने साफ किया कि वह सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे।

बता दें कि राज्य नें मई तक चुनाव होना है। जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहे हैं, पार्टी में येदियुरप्पा की अहमियत बढ़ रही है। वे पार्टी के केंद्रीय संसदीय समिति के सदस्य भी हैं। लिंगायत समुदाय का सपोर्ट उनके साथ है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा लक्ष्य 2024 में मोदी सरकार को सत्ता में वापस लाना है।

बेटे को राजनीति में उतारना चाहते हैं येदियुरप्पा- माना जा रहा है कि येदियुरप्पा अपने बेटे बीवाई विजयेंद्र को कर्नाटक की राजनीति में उतारना चाहते हैं। उन्होंने पहले घोषणा की थी कि विजयेंद्र शिकारीपुरा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे,

जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। बाद में उन्होंने कहा कि पार्टी इस पर अंतिम फैसला लेगी।

पिछले चुनाव में ञ्छ्वक्कसबसे बड़ी पार्टी बनी, फिर भी सरकार नहीं बना सकी- 224 विधानसभा सीटों वाले कर्नाटक में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 113 है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को कुल 104 सीटें मिली थीं। जबकि कांग्रेस ने 32 और छ्ष्ठस्र ने 31 सीटों पर जीत हासिल की थी। 100 से ज्यादा सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा सरकार बनाने से चूक गई थी, क्योंकि छ्ष्ठस्र ने कांग्रेस को बिना शर्त समर्थन दे दिया था। कांगेस के समर्थन से छ्ष्ठस्र नेता एचडी कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बनाया गया था।

अडाणी टॉप टेन अमीरों की लिस्ट से बाहर, नेटवर्थ, 84.4 बिलियन डॉलर पर आई

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप के चेयरपर्सन गौतम अडाणी दुनिया के टॉप टेन अमीरों की लिस्ट से बाहर हो गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, एक दिन में अडाणी को 8 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। 29 जनवरी को उनकी नेटवर्थ 92.7 बिलियन डॉलर थी, जो सोमवार को घटकर 84.4 बिलियन डॉलर पर आ गई। इससे अडाणी इंडेक्स में 11वें स्थान पर आ गए।

एक हफ्ते में अडाणी की नेटवर्थ में 35.6 बिलियन डॉलर की कमी आई है। 20 नवंबर 2022 को अडाणी की नेटवर्थ 150 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई थी। वहां से अडाणी की नेटवर्थ अभी 65.6 बिलियन डॉलर नीचे है। गौतम अडाणी का ग्रुप भारत में सबसे बड़ा पोर्ट ऑपरेटर है। ये ग्रुप भारत का सबसे बड़ा थर्मल कोल प्रोड्यूसर और सबसे बड़ा कोल ट्रेडर भी है।

आंध्र प्रदेश की नई राजधानी विशाखापट्टनम होगी, जगन रेड्डी का ऐलान

नई दिल्ली। विशाखापट्टनम आंध्र प्रदेश की नई राजधानी होगी। मुख्यमंत्री जगन रेड्डी ने कहा- मैं आपको विशाखापट्टनम में आमंत्रित करना चाहता हूं, जो आने वाले दिनों में हमारी राजधानी होगी। मैं भी आने वाले महीनों में विशाखापट्टनम में शिफ्ट हो जाऊंगा।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर कार और बस में टक्कर, 4 लोगों की मौत

महाराष्ट के पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर कार और बस की टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। कार गुजरात से मुंबई जा रही थी। पालघर पुलिस ने बताया कि चालक के नियंत्रण खो देने के बाद कार बस से टकरा गई। ये चारों लोग एनआरआई थे। गुजरात के बारडोली से मुंबई एयरपोर्ट जा रहे थे। सभी को लंदन जाना था।

आंध्र प्रदेश: स्कूल में खाना खाने के बाद 100 से ज्यादा छात्र बीमार

आंध्र प्रदेश में पालनाडु के एक स्कूल में फूड प्वाइजनिंग से 100 से ज्यादा छात्र बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। एक छात्र के मुताबिक, उन्होंने नाश्ते में चावल और मूंगफली की चटनी और लंच में चिकन करी और सांबर खाया, इसके बाद उन्हें उल्टी होने लगी। एक अधिकारी ने बताया कि फूड प्वाइजनिंग के कारण छात्र बीमार हो सकते हैं।

वित्त मंत्री ने पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण, अगले वर्ष विकास दर 6.5% रहने का अनुमान

नई दिल्ली। दुनियाभर में मंदी की आहट के बावजूद भारत की आर्थिक विकास दर अगले वित्त वर्ष यानी 2023-24 में 6.5 प्रतिशत बनी रहेगी। हालांकि, यह मौजूदा वित्त वर्ष के 7 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष यानी 2021-22 के 8.7 प्रतिशत के आंकड़े से कम है। दुनियाभर में मंदी की आहट के बावजूद भारत की आर्थिक विकास दर अगले वित्त वर्ष यानी 2023-24 में 6.5 प्रतिशत बनी रहेगी। हालांकि, यह मौजूदा वित्त वर्ष के 7 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष यानी 2021-22 के 8.7 प्रतिशत के आंकड़े से कम है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को लोकसभा में पेश आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 में ये आंकड़े सामने आए हैं। इसमें विकास दर कम रहने का अनुमान जताया गया है

दुनिया में क्रय क्षमता यानी परचेसिंग पावर पैरिटी के मामले में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी और विनिमय दर के मामले में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत के पास पर्यात विदेशी मुद्रा भंडार है जिससे कि चालू खाते के घाटे तो वित्त पोषित किया जा सकता है। रुपये के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के उद्देश्य से भी यह पर्याप्त है।

आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि कोरोना से निपटने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था विकास के पथ पर आगे बढ़ चुकी है। वित्तीय वर्ष 2022 में अन्य कई देशों की तुलना में भारत ने पहले ही कोरोना पूर्व की स्थिति हासिल कर ली है। हालांकि सर्वेक्षण में महंगाई पर चिंता जताते हुए कहा गया है कि महंगाई पर लगाम लगाने की चुनौती अब भी बरकरार है। यूरोप में जारी संघर्ष के कारण यह स्थिति बनी है। सर्वेक्षण के अनुसार आरबीआई की ओर से उठाए गए कदमों के बाद नवंबर महीने में खुदरा महंगाई दर आरबीआई के टॉलरेंस बैंड के नीचे आ गई है। दुनिया की अधिकांश मुद्राओं की तुलना में भारतीय करेंसी डॉलर के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

नवनिध और मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूलों के विद्यार्थियों एवं गुरुजनों ने वनवासियों के लिए किया दाल और चावल दान

संत हिरदाराम नगर। परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद और उनके उत्तराधिकारी श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के मार्गदर्शन में संचालित शहीद हेमू कलानी एजूकेशनल सोसायटी का उद्देश्य सदैव से असहाय ज़रतमंद लोगों की सहायता करना रहा है एवं श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी विविध गतिविधियों के माध्यम से इन्हीं संस्कारों को छात्र-छात्राओं में रोपित करते रहते रहते हैं।

इन्हीं संस्कारों से प्रेरित प्रति वर्ष की भांति शहीद हेमु कालानी एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल एवं मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के गुरुजनों व विद्यार्थियों द्वारा वनवासी कल्याण परिषद मध्य भारत प्रांत को खिचड़ी (कच्चे दाल व चावल) का दान मकर संक्रांति के अवसर पर किया गया। वनवासी कल्याण परिषद के प्रांत नगरीय प्रमुख कमल प्रेमचंदानी की प्रेरणा से किये गये इस पुनीत कार्य अंतर्गत एकत्रित किये गए लगभग 5 किंवटल कच्चे दाल व चावल बोरियों में भरकर कमल प्रेमचंदानी की उपस्थिति में वनवासी कल्याण परिषद, भोपाल के श्री सुमित पंवार को स्कूल के विद्यार्थियों एवं गुरूजनों द्वारा सौंपे गये। इस दान-कार्य में शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी ने भी सहयोग किया।

उल्लेखनीय है कि वनवासी कल्याण परिषद मध्य भारत प्रांत विगत कई वर्षों से वनवासी क्षेत्र में छात्रावास, स्वाबलंबन शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अनेक आयामों के माध्यम से जनजातीय बंधुओं के बीच में कार्य करता आ रहा है । उनके छात्रावासों में आवासीय छात्र-छात्राओं हेतु नि:शुल्क भोजन, शिक्षा व अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ परिषद द्वारा की जाती है। प्रति वर्ष कई स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकगणों द्वारा अपने घर से दाल-चावल लाकर परिषद को दान किया जाता है। इससे परिषद द्वारा संचालित छात्रावासों में वर्ष भर हेतु नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था होती है।

अपने सम्प्रेषित संदेशों में संस्था के अध्यक्ष श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी, उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, सचिव ए.सी. साधवानी ,सह सचिव के.एल. रामनानी, महेश भोजवानी, नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य अमृता मोटवानी, मिठी गोविंद राम पब्लिक स्कूल की प्राचार्या आशा चंगलानी, संस्था के अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी, प्रशासनिक अधिकारी भगवान बाबाणी व सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्र-छात्राओं को दान का महत्व समझाते हुए इस पावन कार्य में सहभागी बनने हेतु प्रेरित किया ताकि छात्र-छात्राओं के मन में जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के भाव जागृत हों एवं वे दान के महत्व को समझें।

उत्कल सांस्कृतिक परिषद भेल ने आयोजित किया नववर्ष मिलन समारोह

भोपाल। उत्कल सांस्कृतिक परिषद बेल द्वारा राजधानी के धन्वंतरी पार्क पर मिलन समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया उत्कल सांस्कृतिक परिषद भेल भोपाल के सचिव शांति प्रसाद पंडा ने बताया कि उत्कल सांस्कृतिक परिषद साल भर समाज के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर भेल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उत्कल सांस्कृतिक परिषद की प्रस्तुति को प्रथम पुरस्कार मिला। मिलन समारोह कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें पुरस्कार वितरण किया गया इस कार्यक्रम में 250 से अधिक परिवारों ने भाग लिया।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में नेवल एनसीसी बोट सिमुलेटर का शुभारंभ

भोपाल। एलएनसीटी विश्वविद्यालय में आयोजित एक भव्य आयोजन में नेवल गोट सिम्युलेटर का शुभारंभ मेजर जनरल अजय कुमार महाजन द्वारा किया गया । इस सिमुलेटर की खासियत यह है कि इसमें सुरक्षित रूप से किसी भी मौसम में कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया जा सकता है । रक्षा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित इस सिमुलेटर की स्थापना के लिए मध्य भारत से एकमात्र एलएनसीटी विश्वविद्यालय को चुना गया । इस आयोजन के दौरान विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने एनसीसी के अतिरिक्त महानिदेशक को गार्ड ऑफ ऑनर दिया । इस अवसर पर भोपाल एनसीसी ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर संजोय घोष, नेवल विंग के कमांडिंग ऑफिसर ओम प्रकाश शर्मा, कर्नल एच शुकूर, एलएनसीटी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री जय नारायण चौकसे, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ नरेंद्र कुमार थापक, कुलसचिव डॉ अजीत कुमार सोनी, एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट पीयूष नेमा, केयरटेकर अधिकारी डॉक्टर स्वर्णा सावरकर, प्राचार्य एवं छात्र समेत अन्य स्कूल एवं कॉलेज के एनसीसी अधिकारी, एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई

संत हिरदाराम नगर। संत नगर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई गई। सर्वप्रथम खीमनदास मार्केट स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता त्रिलोक दीपानी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश के महान नेता थे। उनके द्वारा चलाए गए आंदोलनो से देश को आजादी मिली और आज हम स्वतंत्र भारत के नागरिक है। ब्लाक काग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व पार्षद अशोक मारण ने कहा कि देश की आजादी में कई नेताओं व शहीदो का योगदान रहा। उनमें मुख्य महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए आंदोलन, अंहिसा आंदोलन, अंग्रेज भारत छोडो आंदोलन के कारण हमें आजादी मिली है। हमे ऐसे महान नेता पर गर्व है। इस अवसर पर कांग्रेस नेता माधू चांदवानी ने कहा कि महात्मा गांधी ने देश में धर्म व जात पात का भेद भुलाकर आजादी के आंदोलन में सभी को एक जुट किया

साधु वासवानी स्कूल में शहीदों को याद किया

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में श्रद्धा के साथ महात्मा गांधी की पुण्यतिथि एवं शहीदी दिवस मनाया गया। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं द्वारा शहीदों को दो मिनिट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दिन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। महात्मा गांधी महान व्यक्तित्व ही नहीं बल्कि एक आंदोलनकारी थे उन्होंने सभी से शांतिपूर्वक तरीके से जीने का अनुरोध किया वह सत्य व अहिंसा के पुजारी, गरीबों व हरिजनों के मसीहा, दया व प्रेम की मूरत थे, वे भारत के लोकप्रिय नेता थे महात्मा गांधी ही एकमात्र व्यक्ति थे उन्होंने हमें अहिंसा के बल पर आजादी दिलाई। ऐसे महान व्यक्ति को 30 जनवरी 1948 को 11 बजे प्रार्थना सभा से निकलते वक्त नाथुराम गोडसे ने गोली मारकर शहीद कर दिया और अंतिम समय भी उनके मुख से हे राम निकला। इसलिए इस दिन को शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नारियों को सम्मान पाना है तो सीता बनकर रहना होगा: रामभद्राचार्य

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नारी किसी धर्म में बेटी है, तो किसी में बीबी, पर हिन्दू धर्म एक ऐसा धर्म है, जिसमें महिला को देवी माना गया है। हम नारी का कितना सम्मान करते हैं, पहले सीता कहते हैं फिर राम कहते हैं। पहले राधा कहते हैं फिर कृष्ण कहते हैं। जहां नारी का पूजन होता है, वहां देवता रम जाते हैं। यह बात राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर चल रही श्रीराम कथा में जगदगुरु रामभद्राचार्य महाराज ने कही। उन्होंने भारत की नारियों का आह्वान करते हुए कहा कि भारत में सम्मान पाना है, तो सीता बनकर रहना होगा, सुपर्णखा बनकर नहीं। इस मौके पर महाराज ने कहा कि जिस घर में बेटे से अधिक बेटियों का सम्मान होता है, वहां सदैव सुख-समृद्धि बनी रहती है। बेटियों का आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें लव जेहाद से बचना चाहिए। महाराज ने कहा कि महिलाओं को शिक्षा देनी चाहिए, वे पढ़ेंगी तो देश संवर जाएगा। शिक्षा महिला का मौलिक अधिकार है।

आगे की कथा में रामभद्राचार्य महाराज ने बताया कि रामजी ने अपने हाथों से आभूषण बनाया और सीता जी को सादर पूर्वक पहनाया। भगवान राम पत्नी को भोग का साधन नहीं मानते, बल्कि योग का साधन मानते हैं। आगे की कथा में बताया कि जयंत भगवान की परीक्षा लेने के लिए कौवा बनकर जाता है और चोंच मारकर सीता जी को घायल कर देता है। इस पर भगवान राम सीक की धनुष पर ब्रह्मास्त्र का संधान करते हैं और जयंत को मारने के लिए छोड़ देते हैं। जयंत अपनी जान बचाने के लिए वहां से भागता है और पूरे ब्रह्मांड में चक्कर लगाता है, पर उसे कोई शरण नहीं देता। अंत में नारद जी के कहने पर भगवान रामचंद्र की शरण में जाता है, जहां उसे जीवन दान मिलता है।

मंगलवार को कथा दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक की जाएगी। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कथा में मुख्य यजमान शुभावती-हीरा प्रसाद यादव हैं। सोमवार को कथा सुनने सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर, पूर्व महापौर आलोक शर्मा, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, जबलपुर विधायक अशोक रोहाणी, पार्षद जीत राजपूत, पार्षद नीरज सिंह, श्रेत्रीय सह प्रचार प्रमुख अशोक पोरवाल, श्रीकृष्ण मंदिर अध्यक्ष राजेंद्र सिंह यादव, मेला समिति अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, के साथ ही मेला मेला समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कर्तव्य बोध दिवस मनाया

भोपाल। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक स्टेशन एरिया भोपाल में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला भोपाल द्वारा कर्तव्य बोध दिवस मनाया गया , यह कार्यक्रम प्रांतीय महामंत्री क्षत्रवीर सिंह राठौर के मुख्य आतिथ्य में तथा जिला अध्यक्ष डॉक्टर सीमा गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुआ । कार्यक्रम का संचालन संभागीय संगठन मंत्री देवी दयाल भारती द्वारा किया गया, इस कार्यक्रम में प्रांतीय सचिव राजीव शर्मा प्रांतीय प्रकोष्ठ प्रभारी एवं शाला के प्राचार्य सुरेश खांडेकर, संभागीय सचिव गोविंद प्रसाद गुप्ता , महानगर अध्यक्ष विकास सिंह चौहान विकासखंड अध्यक्ष अवधनारायण , बैरसिया तहसील अध्यक्ष श्री वीर सिंह, शिक्षक संघ जिला इकाई के पदाधिकारी गण अन्य इकाइयों के कार्यकारिणी सदस्य एवं शिक्षक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के पूजन अर्चन, दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से किया गया। मुख्य अतिथि का शॉल श्रीफल से शाला के प्राचार्य द्वारा सम्मान किया गया । सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन डॉक्टर सीमा गुप्ता द्वारा दिया गया उन्होंने कर्तव्य बोध के उद्देश्य को समझाया । श्री राजीव शर्मा एवं श्री गोविंद प्रसाद गुप्ता द्वारा स्वामी विवेकानंद एवं सुभाष चंद्र बोस के जीवन के विश्वमृत क्षणों को शिक्षकों के सामने रखा एवं कर्तव्य का पालन इन महापुरुषों के द्वारा किस तरह किया गया उसके बारे में बताया। मुख्य अतिथि श्री क्षत्रवीर सिंह राठौर द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में कर्तव्य बोध के बारे में रामायण का उदाहरण देते हुए सूक्ष्मता के साथ प्रकाश डाला जिसका सभी शिक्षकों ने जोरदार तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम के समापन पर श्री सुरेश खांडेकर द्वारा सभी का आभार प्रदर्शन किया गया।

महाराज छत्रसाल के जीवन पर आधारित नाटक का प्रभावी मंचन

संत हिरदाराम नगर। रामकृष्ण रिपरटायर कल्चर एवं सोशल सोसायटी के द्वारा बुंदेलखंड केसरी कहे जाने वाले महाराज छत्रसाल के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन किया गया राग बंद थिएटर रंग श्री लिटिल बैले ट्रप परिसर श्यामला हिल्स में मंचित इस नाटक के लेखक सतीश दवे निर्देशक राजकुमार रायकवार तथा संगीतकार रवि राव है संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की सांस्कृतिक समारोह एवं प्रस्तुति अनुदान योजना के अंतर्गत प्रस्तुत इस नाटक में बुंदेलखंड के यशस्वी राजा महाराज छत्रसाल के जीवन को पूरी गरिमा और सम्मान के साथ प्रस्तुत किया गया जिससे उनकी पूर्ण छवि मंच पर उभरकर दर्शकों के सामने प्रस्तुत हुई। छत्रसाल भारत के मध्ययुग के एक प्रतापी योद्धा थे जिन्होने मुगल शासक औरंगजेब से युद्ध करके बुन्देलखण्ड में अपना राज्य स्थापित किया और 'महाराजा' की पदवी प्राप्त की।बुंदेलखंड के शिवाजी के नाम से प्रख्यात छत्रसाल का जन्म सन 1649 को हुआ था। उनके पिता का नाम चंपत राय था और उनकी माता का नाम लालकुंवरि था। चंपत राय बहुत ही वीर बहादुर योद्धा थे। युद्ध क्षेत्र में लालकुंवरि भी चंपत राय के साथ में ही रहती थी और अपने पति को उत्साहवर्धन करती थी। छत्रसाल का बचपन तलवारों की खनक के बीच व्यतीत हुआ। बड़े होने पर उन्होंने बुंदेलखंड राज्य का विस्तार किया। वे आक्रमणकारी मुगलों से आमरण युद्धरत रहे और बुंदेलखंड के सम्मान और स्वतंत्रता का शंखनाद करते रहे। छत्रपति महाराज शिवाजी से भी उनकी भेंट हुई थी। आवश्यकता पड़ने पर बाजीराव पेशवा स्वयं उनकी मदद के लिए बुंदेलखंड आए थे। महाराज छत्रसाल का स्मरण आज भी गौरव के साथ किया जाता है। ऐसे व्यक्तित्व को मंच पर प्रस्तुत करना चुनौती भरा कार्य होता है। नाटक के कलाकारों ने चुनौती को न केवल स्वीकार किया बल्कि बखूबी प्रस्तुत भी किया और दर्शकों से खूब प्रशंसा बटोरी। मंच की सजा एवं वेशभूषा तत्कालीन परिवेश के अनुरूप बड़ी मेहनत से तैयार की गई थी मंच सज्जा ने तत्कालीन समय को साक्षात अनुभव कराने में बड़ा योगदान दिया। वही, पार्श्वसंगीत ने युद्ध, भावना और संवेदना के भावों को महत्वपूर्ण आधार प्रदान किया। इसमें छत्रसाल की भूमिका में मुकेश सूर्यवंशी थे।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक्सिस बिजनेस साइकिल फंड लॉन्च किया

भोपाल। भारत के सबसे तेजी से बढ़ रहे फंड हाउसों में से एक, एक्सिस म्युचुअल फंड ने अपना नया फंड ऑफर-एक्सिस बिजनेस साइकिल फंड लॉन्च किया। यह बिजनेस साइकिल आधारित निवेश थीम का अनुसरण करने वाली ओपन एंडेड इक्विटी स्कीम है। एनएफओ 2 फरवरी 2023 को खुलेगा और 16 फरवरी 2023 को बंद होगा। इस स्कीम का प्रबंधन आशीष नाइक करेंगे। यह नया फंड निफ्टी 500 टीआरआई को ट्रैक करेगा और न्यूनतम निवेश राशि 5000 रुपये और उसके बाद 1 रुपये रुपये के गुणकों में होगी। मांग और आपूर्ति की क्रिया साइकिल होती है। बुनियादी व्यावसायिक अर्थशास्त्र हमें सिखाता है, जब भी आपूर्ति अधिक होगी, कीमतें नीचे जाएंगी और जब मांग अधिक होगी, तो कीमतें बढ़ेंगी। इस तरह की गतिविधि एक साइकिल अर्थात चक्र का निर्माण करती है, और यह छोटे-से-छोटे व्यवसायों से लेकर बड़े-से-बड़े व्यवसायों तक में पाया जा सकता है। हमारा मानना है कि बिजनेस साइकिल के चार प्राथमिक चरण हैं - विस्तार, तेजी, मंदी और उतार। हर अर्थव्यवस्था, और इस प्रकार से, व्यवसाय इन चरणों से गुजरता है। एक चरण कितने समय तक चलेगा, या यह अगले चरण में कब पहुँचेगा, यह अनिश्चित है इसलिए, यदि कोई इस चक्र की सही पहचान कर सकता है, तो उसमें निवेश का अवसर निहित है। व्यवसाय चक्र की पहचान करना काफी हद तक बहुत सारे संकेतकों की पहचान करने और फिर एक सुसंगत निवेश राय तैयार करने की कला है। इसके लिए काफी डेटा बिंदु और संकेतक मौजूद होते हैं। हमारा काम बहुलता से प्रभावित न होते हुए केवल उन संकेतकों का उपयोग करना है द्ध

आईआईएसईआर के शोधकर्ताओं ने पहली बार भारतीय गायों की चार नस्लों का ड्राफ्ट जीनोम सीक्वेंस तैयार किया

भोपाल। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल के शोधकर्ताओं ने भारत की देशी गायों की चार नस्लों - कासरगोड ड्वार्फ, कासरगोड कपिला, वेचूर और ओंगोल की आनुवंशिक संरचना को सफलतापूर्वक सामने रखा है। पहली बार इन भारतीय गायों की जीनोम सीक्वेंसिंग की गई है। जीनोम सीक्वेंसिंग शोध के विवरण प्रीप्रिंट सर्वर बायोआरएक्सआईवी में प्रकाशित किए गए हैं। यह शोध-पत्र डॉ. विनीत के. शर्मा और उनके शोध विद्वान श्री अभिषेक चक्रवर्ती, श्री मनोहर एस. बिष्ट, डॉ. रितुजा सक्सेना, सुश्री श्रुति महाजन और डॉ. जॉबी पुलिक्कन ने मिल कर लिखा है।

जीनोम किसी जीव जैसे कि पौधे या जानवर की संरचना और संचालन के निर्देशों के एक समूह का ब्लूप्रिंट है। यह जीन नामक छोटी इकाइयों से बना होता है, जिसमें उस जीव के बढ़ने, विकसित होने और सुचारु कार्य करने के लिए जरूरी जानकारियां होती हैं। जैसे किसी इमारत के ब्लूप्रिंट में उसके निर्माण की जानकारी होती है उसी तरह जीनोम में वह सभी जानकारी होती है जो एक जीव के जीवन यापन और जीवित रहने के लिए चाहिए। जीनोम की जानकारी हो तो वैज्ञानिक उस जीव के बारे में जरूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जैसे कि कुछ बीमारियों या लक्षणों से इसका कैसे संबंध हो सकता है।

भारत की देशी गायों में कुछ विशिष्ट क्षमताएं होती हैं जैसे कम गुणवत्ता की खाद्य सामग्रियां खाने और बीमारियों से लड़ने की क्षमता जो उन्हें भारत की कठिन परिस्थितियों में जीवित रखती हैं। पिछले अध्ययनों में भारतीय गायों के कुछ लक्षणों जैसे कि उनका गर्म मौसम में खुद को संभालना, उनके आकार और दूध के प्रकार पर ध्यान दिया गया है। लेकिन भारतीय गायों की विशिष्ट नस्लों का पूरा जीनोम ज्ञात नहीं था इसलिए यह समझना कठिन था कि उनमें कुछ खास विशेषताएं क्यों होती हैं।

आईआईएसईआर भोपाल के शोधकर्ताओं ने हाई-थ्रुपुट सीक्वेंसिंग तकनीक से भारत की देशी गायों की चार

नस्लों के जीनोम को पढ़ने और समझने का प्रयास किया है। इस शोध का मूल उद्देश्य यह जानना है कि कैसे यह भारतीय मूल की गायें भारतीय वातावरण के अनुसार अनुकूलित हुई हैं।

आईआईएसईआर भोपाल में जीव विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनीत के. शर्मा ने इस शोध के बारे में कहा, हम ने देशी भारतीय गाय की इन नस्लों में जीनों के एक विशिष्ट समूह की पहचान की है जो पशुओं की पश्चिमी प्रजातियों की तुलना में इनके जीन सीक्वेंस और संरचना में भिन्नता दर्शाता है। इस जानकारी से यह बेहतर समझा जा सकता है कि भारतीय गायों की नस्लें कैसे उष्णकटिबंधीय परिस्थितियों के अनुकूल हो जाती हैं। इसके लिए कासरगोड ड्वार्फ कंजर्वेशन सोसाइटी ने केरल के कपिला गौशाला से सैम्पल लेने में मदद की। जीनोम संरचना की मदद से इन गायों के प्रजनन में सुधार और बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। इसके परिणामस्वरूप भारतीय पशुपालन उद्योग की उत्पादन क्षमता और स्थायित्व में वृद्धि होगी। भारत की देशी गायों की नस्लों के जीनोम सीक्वेंस तैयार करने से यह समझना भी आसान होगा कि उन नस्लों और अन्य नस्लों में क्या आनुवंशिक अंतर हैं। यह जानकारी भावी शोध और आनुवंशिक सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

डॉ. विनीत शर्मा ने यह भी बताया, जीनोम सीक्वेंस तैयार करने से इन देशी नस्लों की आनुवंशिक विविधता के संरक्षण में भी मदद मिल सकती है जो एक स्वस्थ और सहनशील पशु समूह को बचा कर रखने के लिए जरूरी है।

दुनिया में गाय की सबसे छोटी नस्ल वेचूर की ड्राफ्ट जीनोम असेंबली इस शोध की एक अन्य बड़ी उपलब्धि रही है। शोधकर्ताओं उन जीनों की पहचान करने में सफल रहे हैं जो ड्वार्फ और नॉन-ड्वार्फ बॉस इंडिकस पशु नस्लों के सीक्वेंस में भिन्नता दर्शाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत का हो रहा उदय: शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री और केन्द्रीय खेल मंत्री ठाकुर ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स का शुभारंभ किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी देकर अद्भुत कार्य किया है। उनके नेतृत्व में एक नए भारत का उदय हो रहा है। मुख्यमंत्री चौहान तात्या टोपे स्टेडियम में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री चौहान कहा कि कल ही भारत की महिला टीम ने टी-20 अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप जीता है। खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने के लिए मध्यप्रदेश में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश में 18 खेलों के लिये 11 खेल अकादमी स्थापित की गई हैं। ये खेल नए खिलाड़ी गढ़ने का काम करेंगे। देश के खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी नाम रोशन करेंगे। मध्यप्रदेश के खिलाड़ी जो पदक जीत कर आयेंगे उनको अगले खेलों के लिए 5 लाख रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा। जोर लगा दो जान लगा दो हिन्दुस्तान का दिल धड़का दो। मुख्यमंत्री चौहान ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आरंभ की घोषणा की। उन्होंने सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री चौहान ने खेल मशाल अमरकंटक को स्थापित किया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि खेलो इंडिया गेम्स में शामिल होने आये सभी खिलाड़ियों को हम जान से ज्यादा संभाल कर रखेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सही कहते हैं कि जब कोई खिलाड़ी ओलिम्पिक में पदक जीतता है, तो 130 करोड़ देखवासी गौरवान्वित होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिये हर स्तर पर प्रयास किये गये हैं। पहले मध्यप्रदेश की खेलों में गिनती नहीं होती थी। पिछले खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 38 पदक जीत कर प्रदेश का नाम रौशन किया था। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में पहले खेलों का बजट 5 करोड़ रूपये हुआ करता था, जो अब बढ़ कर 347 करोड़ रूपये हो गया है। प्रदेश के खिलाड़ियों और खेलों को आगे बढ़ाने के लिये कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी और न ही फंड की कमी आने देंगे।केन्द्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश में खेलों को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स जब पिछली बार हरियाणा में हुआ था तो कई रिकार्ड टूटे, जिसमें लड़कियों की भूमिका उल्लेखनीय रही। मध्यप्रदेश में भी ऐसे ही कई रिकार्ड तोड़ने के लिए उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने का कार्य निरंतर कर रहे हैं। भारत के युवा खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। परम्परागत खेलों को राष्ट्रीय स्तर पर शामिल किया गया है। केन्द्रीय मंत्री ठाकुर ने मध्यप्रदेश में देश के कोने-कोने से आए सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन किया।

प्रदेश की खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स से मध्यप्रदेश में खेलों का नया अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने मध्यप्रदेश को खेलो इंडिया की मेजबानी देने के लिए केन्द्र सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि खेलों की वजह से पूरे देश के खिलाड़ियों को आज यहाँ एकत्रित होने का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश में कई खेल सुविधाओं का विस्तार किया है। श्रीमती सिंधिया ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिये शुभकामनाएँ दी। समारोह का शुभारंभ राष्ट्रगान से हुआ। शिवभक्ति केन्द्रित नृत्य प्रस्तुति हुई। टीटी नगर स्टेडियम के मुख्य ग्राउंड में लगभग 100 मीटर लम्बे स्टेज पर मध्यप्रदेश की संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहर को दर्शाया गया। इसमें नर्मदा घाट, खजुराहो मंदिर, भीमबेटका, महाकाल महालोक, साँची स्तूप, ओरछा के मंदिर, भेड़ाघाट और ग्वालियर फोर्ट की प्रतिकृति बनाई गई। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 के शुभारंभ समारोह में लेजर-शो के साथ आकर्षक आतिशबाजी की गई।

समारोह में सिने जगत के सुप्रसिद्ध प्लेबेक सिंगर शान और सुनीति मोहन ने गीत-संगीत की प्रस्तुतियों से मौजूद खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों का मन मोह लिया। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध ड्रमर शिवामणि और ग्रुप द्वारा एक भारत-श्रेष्ठ भारत की 100 लोक कलाकारों के साथ प्रस्तुति दी गई। इसके अतिरिक्त अभिलिप्सा पांडा द्वारा हर हर शंभु और नटराज डांस ग्रुप की प्रस्तुति, प्रिंस डांस ग्रुप द्वारा जी-20 की वसुधैव कुटुम्बकम पर शानदार डांस प्रस्तुति दी। समारोह में प्रख्यात टीवी स्टार जय भानुशाली ने एंकरिंग की। केन्द्रीय खेल राज्य मंत्री निसिथ प्रामाणिक, अरूणाचल प्रदेश के खेल मंत्री मामा नटुंग, गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा, सांसद वी.डी. शर्मा, महापौर मालती राय के साथ मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी साधना सिंह भी मौजूद थी।

विकास यात्रा को लेकर जिलों में पहुंचे प्रभारी मंत्री, सीएम को देंगे रिपोर्ट

कल भोपाल में रहेंगे सभी कलेक्टर,एसपी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश में निकाली जाने वाली विकास यात्राओं की प्लानिंग रिपोर्ट मंत्रियों से मांगे जाने के बाद अब आधा दर्जन से अधिक मंत्री सोमवार को प्रभार के जिलों में पहुंचे हैं। दो या अधिक जिलों का प्रभार होने के कारण कई मंत्री एक जिले में दो दिन रुककर प्लानिंग करने के बाद दूसरे जिलों में पहुंचने वाले हैं। मंत्रियों को 31 जनवरी और एक फरवरी को चूंकि कलेक्टर भोपाल में होने वाले कलेक्टर, कमिश्नर कांफ्रेंस के चलते उपलब्ध नहीं हो सकेंगे, इसलिए अधिकांश मंत्रियों ने सोमवार और फिर गुरुवार के बाद प्लानिंग पर फोकस किया है। उधर मुख्यमंत्री भी कलेक्टर कमिश्नर कांफ्रेंस को लेकर मांगी गई रिपोर्ट की सोमवार को समीक्षा करने वाले हैं।

विकास पताका और विकास रथ चलेगा: 5 फरवरी को रविदास जयंती के दिन से 25 फरवरी तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विकास यात्रा चलेगी। इस दौरान प्रभारी मंत्री और कलेक्टर जिलों में विकास यात्रा के साथ विकास पताकायें एवं विकास रथ चलाने की प्लानिंग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि विकास यात्रा के पूर्व कलेक्टर, प्रभारी मंत्री से चर्चा कर यात्रा के रूट का निर्धारण कर लें। यात्रा के दौरान एक-एक ग्राम को दो-दो घंटे का वक्त देना है और हर व्यक्ति से संवाद करें। विधायक, सांसद, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य, सरपंच, उप सरपंच, पंच जनता से सीधे संवाद करना है। इसलिए अधिकारी और मंत्री इस व्यवस्था में जुटे हैं।

वार्ड क्रमांक 31अध्यक्ष जोन क्रमांक 7 में आज सफाई कर्मचारियों के लिए स्वस्थ शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ब्रजुला सचान पार्षद, वार्ड 32 से पार्षद आरती अनेजा लिलेंद्र मारण मनोज जाट सोनू पालीवाल उपस्थित रहे।

कक्षा हो या खेल हर क्षेत्र में सुरखी के युवा दिखा रहे अपना जौहर: गोविंद सिंह राजपूत

सुरखी विधानसभा क्षेत्र में मंत्री ट्रॉफी क्रिकेट महाकुंभ में 529 टीमों ने लिया भाग

भोपाल। सुरखी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चल रहे मंत्री ट्राफी क्रिकेट महाकुंभ में जैसीनगर स्टेडियम पहुंचकर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि शिक्षा हो या खेल हर क्षेत्र में सुरखी विधानसभा क्षेत्र के युवा अपना जोहर दिखा रहे हैं। क्रिकेट महाकुंभ के माध्यम से कई युवा खेल की दुनिया में और आगे जाकर अपने क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। सोमवार को पांचों मंडलो में 40 टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें चारों मंडलो में 10-10 ओवर के मैच खेले गये। सुरखी, सीहोरा, राहतगढ़ में 4-4 मैच, जैसीनगर में 5 मैच एवं बिलहरा में 3 मैच हुये। सोमवार तक मंत्री ट्राफी क्रिकेट महाकुंभ में 529 टीमें शामिल हो चुकीं है।

सोमवार को सुरखी के पहले मैच में टीम सुपर किंग सुरखी ने टीम टाईगर क्लब पठा को हराया प्लेयर ऑफ द मैच मोनू रहे। दूसरे मैच में टीम किंग्स11 सुरखी ने टीम जयमहाकाल चतुर्भटा को हराया प्लेयर ऑफ द मैच 5 विकेट लेकर अवध राजौरिया रहे। तीसरे मैच में टीम अग्निपथ बेरसला ने टीम बिहारीखेड़ा को हराया प्लेयर ऑफ द मैच कंछेदी 34 रन 3 विकेट लेकर रहे। चौथे मैच में टीम बंसिया ने टीम मोकलपुर को हराया प्लेयर ऑफ द मैच सुरेन्द्र गौड़ रहे। बिलहरा के पहले मैच में टीम खुरईथावरी11 ने टीम केवलारी11 को हराया प्लेयर ऑफ द मैच प्रदीप 4 विकेट लेकर रहे। दूसरे मैच में टीम सहजपुरीखुर्द ने टीम बिलहरा स्टार11 को हराया जयदीप 71 रन 1 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। तीसरे मैच में टीम एकता महुआखेड़ा ने टीम वीरपुरा11 को हराया प्लेयर ऑफ द मैच रमाकांत रहे। जैसीनगर के पहले मैच में टीम यंग स्टार पड़रई विजेता रही। दूसरे मैच में टीम सेमाढ़ाना 1 विजय रही। तीसरे मैच में टीम सेमाढ़ाना 2 ने टीम बजरंग सूखा को हरा दिया 2 विकेट लेकर एवं 32 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच सौरभ रहे। चौथे मैच में टीम छुपारूस्तम ने टीम गेंहूरासबुजुर्ग को हराया प्लेयर ऑफ द मैच भारद्वाज रहे। पांचवे मैच में टीम श्री राम मंदिर ने टीम तेंदूडाबर चैंपियन क्लब को हराया प्लेयर ऑफ द मैच देवेन्द्र राजपूत रहे।

राहतगढ़ के पहले मैच में टीम हम्माल यूनियन ने टीम राजश्री11 को हराया प्लेयर ऑफ द मैच इस्त्राइल रहे। दूसरे मैच में टीम काटीघाटी बी ने टीम सेमरामेढ़ा1 को हराया प्लेयर ऑफ द मैच सौरभ रहे। तीसरे मैच में टीम झिला वाले ने टीम किशनपुर वाले को हराया प्लेयर ऑफ द मैच सतेन्द्र रहे। चौथे मैच में टीम यादव क्रिकेट क्लब शिकारपुर2 ने टीम स्टार11 नयाखेड़ा क्रिकेट क्लब को हराया प्लेयर ऑफ द मैच अंकित यादव रहे।

सीहोरा मंडल के पहले मैच में टीम सुपर स्टार11 सीहोरा ने टीम मैनवारा11 को हराया प्लेयर ऑफ द मैच देवराज रहे। दूसरे मैच में टीम बजरंगी क्रिकेट क्लब पीपरा ने टीम जय सियाराम सीसी सीहोरा को हराया सूर्यभान प्लेयर ऑफ द मैच रहे। तीसरे मैच में टीम मसुरहाई क्रिकेट क्लब ने टीम रामराजा क्लब ढ़गरानियां को हराया सत्यम प्लेयर ऑफ द मैच रहे। चौथे मैच में टीम राहुल क्रिकेट क्लब मोहारा ने टीम एकता रमपुरा क्रिकेट क्लब को हराया सेवक राम प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

दर्शकों से भरे स्टेडियम में खिलाड़ियों का खूब उत्साह वर्धन हुआ। खिलाड़ियों के चोके छक्कों का स्वागत क्षेत्रवासियों ने तालियां बजाकर किया। इस अवसर पर अनिल पीपरा, शैलेन्द्र साहू, नरेश तिवारी, बसंत यादव, गोलू पन्नामी, रवि मंगोलिया, उदम सिंह लोधी, संदीप आठिया, आकाश लोधी, मोहन सींग ठाकुर, नर्मदा सिंह गौंड़, मेघराज भार्गव, अनुराग सिंह ठाकुर, राकेश तिवारी, मनीष गुरू, दुष्यंत मिश्रा, राजपाल सिंह, अमित शर्मा, हेमंत पटैल, इंद्रपाल सिंह ठाकुर, रिंकू जैन, सत्यम चोबे, अंकित चोबे, अनंत सिंह राजपूत, राजकुमार सेन, सनिल सिंह सेमाढ़ाना, निरंजन राजपूत आदि मौजूद रहे।

शराब परिवारों के साथ लोकतंत्र को भी कर रही नष्ट : रघु ठाकुर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि के अवसर पर गांधी भवन भोपाल में एक दिवसीय उपवास का आयोजन समता न्यास व गांधी भवन न्यास के तत्वावधान में हुआ। उपवास के प्रारम्भ में तापस उपाध्याय ने गांधीजी को समर्पित भजन गाये ।

उपवास सभा को सम्बोधित करते हुए गांधी भवन न्यास के सचिव श्री दयाराम नामदेव ने कहा कि गांधीजी मद्यनिषेध के पक्ष में थे और यह आज और भी आवश्यक है । रघु ठाकुर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज शराब परिवारों को नष्ट कर रही है। युवा पीढ़ी को अपराधी बना रही है। राजनीति को भ्रष्ट कर रही है। महिलाओं और बच्चों को दुखी कर रही है। भारतीय लोकतंत्र को शराब प्रभावित कर रही है। हालत यह है कि शराब सरकारें बनाती है और मिटाती है । व्यवस्था गाँवों को बिजली और पानी भले न दे पाई हो परंतु दूरदराज गांवो में शराब पहुँच रही है। शराब केवल नशा नहीं है बल्कि मानव मस्तिष्क की चेतना को नष्ट करने का हथियार भी है । हम सम्पूर्ण शराबबंदी और सम्पूर्ण नशाबंदी चाहते हैं। बापू की पुण्यतिथि पर हम यह संकल्प लेते हैं कि अपनी शक्ति भर नशाबंदी के लिए काम करेंगे। समता ट्रस्ट के अध्यक्ष मदन जैन ने कहा कि जिस पैसे से गरीब के घर में रोटी जानी चाहिए, शिक्षा का दीप जलना चाहिए, वह शराब पर खर्च हो रहा है। पत्रकार जयंत सिंह तोमर ने कहा कि नशाबंदी के लिए जनमत तैयार करने में पत्रकारों की महती भूमिका है । नशे से होने वाली दुर्घटनाओं के समाचार हम छापते हैं लेकिन बतौर सूचना हम छापते हैं। हमें एक नागरिक के बतौर इस अभियान में शामिल होना होगा। उपवास सभा का संचालन डा. शिवा श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने कहा कि जब तक महिलाएं इस आन्दोलन में हिस्सेदार नहीं बनेंगी आन्दोलन सफल नहीं होगा।

भाजपा नेता मनोज विश्वकर्मा की माताजी का निधन

भोपाल। मनोज विश्वकर्मा भाजपा जिला महामंत्री ओबीसी मोर्चा की माताजी एवं ममता विश्वकर्मा पार्षद वार्ड क्रमांक 67 की सासू मां श्रीमती सुशीला विश्वकर्मा का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज मंगलवार को दोपहर 2 बजे उनके निज निवास 32 लक्ष्मी नगर से सुभाष नगर विश्राम घाट के लिए प्रस्थान करेगी। उनके निधन पर पार्टी पदाधिकारियों सहित कई लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

मधुमेह की जांच एक लाख होने पर लायन्स क्लब ने आयोजित किया सम्मान समारोह

भोपाल। भोपाल लायन्स क्लब इंटरनेशनल द्वारा मधुमेह की जांच के लिये दिये गये लक्ष्य में 1,00,000 जाँच पूरा होने पर एक आयोजन किया गया एवं सभी क्लबों को सम्मानित किया गया। लायन्स क्लब भोपाल मेन को भी सम्मानित किया गया एवं लायन्स क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट चेयर पर्सन लॉयन संजय गुप्ता द्वारा उपरोक्त सम्मान प्राप्त किया गया एवं लॉयन एम.के.जैन एवं लॉयन अजय गुप्ता लॉयन डॉ. आर.के.चौरसिया द्वारा उपरोक्त सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में लॉयन मालवीय, महेश साहू, एम.एस.खा, लॉयन रवि सेठी, लॉयन जयपाल सचेदवा, महेश डी.के.सक्सेना, डॉ. अंशु सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

जनहित के18 मुद्दों पर सरकार का रुख स्पष्ट नहीं: सक्सेना

भोपाल। मप्र राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रांतीय संयोजक एमके सक्सेना एवं प्रांताध्यक्ष डॉ. रामेश्वर मिश्रा का कहना है कि मध्यप्रदेश के कर्मचारियों,पेंशनर्स, व्याख्याताओं,जनता की नाराजगी दूर करने, उनके बकाया डीए-एरियर्स भुगतान,बकाया 27माह के वेतन-एरियर्स भुगतान,जनहित प्रमुख 18मुद्दों के क्रियांवयन आदि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चोहान को कड़े निर्देश हैं,अमल होंगे या नहीं,सवालिया प्रश्न लगा है? वर्ष 2018 में कर्मचारियों, पेंशनर्स, व्याख्याताओं एवं जनता को,उनके बकाया डीए-एरियर्स भुगतान, बकाया 27माह के वेतन-एरियर्स भुगतान, द्वितीय समयमान वेतनमान के पे-फिक्सेशन से,पूर्व से मिल रहे वेतन से,कम वेतन मिलने की गड़बड़ी,दूर नहीं किए जाने,जनहित प्रमुख 18मुद्दों का क्रियान्वयन नहीं किए जाने,आदि की नाराजगी से शिवराज-सरकार सत्ता से बाहर हुई थी।

प्रधानमंत्री के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चोहान को कड़े निर्देश हैं कि वे मप्र बजट-23 में कटोती कर, विकास, नई-नई योजनाओं के कार्यक्रमों के नाम पर, बार-बार लिए जाने वाले,हजारों करोड़ के कर्ज से चुनाव पूर्व, किसी भी स्थिति में मप्र के कर्मचारियों, पेंशनर्स को, केंद्रीय तिथि से,केंद्र एवं यूपी के समान, उन्हें पिछले डीए किश्तों के,डीए-एरियर्स में किए गए कटोत्रे का एवं पेंशनर्स के बकाया 27 माह के वेतन-एरियर्स का जल्द पूरा भुगतान करें, केंद्र भी अपने बजट-23 में कटोत्रा कर जनता को उनके जनहित मुद्दों के किरियांवन पर राहत देने वाला है।

एम्स में फैक्चर उपचार के बुनियादी सिद्धांतों पर कार्यशाला का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल के आर्थोपेडिक्स विभाग और भोपाल ऑर्थोपेडिक सर्जन सोसाइटी ने 29 जनवरी 2023 को आर्थोपेडिक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु छात्रों के लिए फ्रैक्चर उपचार के बुनियादी सिद्धांतों पर सॉ बोन कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । एम्स, गांधी, एलएनसीटी, पीपुल्स और चिरायु मेडिकल कॉलेजों के छात्रों ने वैज्ञानिक सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें एक्सटर्नल फिक्सेशन एवं लैग स्क्रू फिक्सेशन तथा प्लेटिंग पर व्याख्यान और कार्यशाला शामिल थे।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ प्रोफेसर डॉ. अजय सिंह ने कार्यशाला का उद्घाटन किया, छात्रों के साथ बातचीत की, और उन्हें उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर ऑर्थोपेडिक उपचार की बारीकियों को सीखने के लिए प्रेरित किया । उन्होंने सभी मेडिकल कॉलेजों की सक्रिय भागीदारी तथा ऐसी कार्यशालाओं के महत्व पर जोर दिया ताकि छात्र आर्थोपेडिक सर्जरी के अपने सीखे हुए कौशलों को अपने पेशेवर जीवन में ले जा सकें । विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के संकाय ने फ्रैक्चर उपचार के विभिन्न तौर-तरीकों पर व्याख्यान दिए। संकाय ने छात्रों को फ्रैक्चर फिक्सेशन के तकनीकों से अवगत कराया। छात्रों ने कौशल प्रयोगशाला में जाकर सॉ बोन कृत्रिम हड्डी मॉडल पर उन तकनीकों का यथोचित उपयोग करना सीखा । वन-टू-वन चर्चा में उनके संदेह दूर किये गए।

कुष्ठ रोग रोकथाम, उपचार, विकलांगता सीमा और पुनर्वास पर सीएमई का आयोजन किया

भोपाल। सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग, एम्स, भोपाल द्वारा कुष्ठ रोग रोकथाम, उपचार, विकलांगता सीमा और पुनर्वास पर सीएमई का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर राजेश मलिक डीन अकादमिक प्रो डॉ अरुण एम कोकने विभागाध्यक्ष सीएफएम, डॉ सूर्या बाली अपर प्राध्यापक और प्रभारी तृतीय यूनिट सीएफएम, डॉ निधि शर्मा उप निदेशक और राज्य कुष्ठ अधिकारी, मध्य प्रदेश शासन, डॉ देविंदर तोमर डब्ल्यूएचओ कुष्ठ सलाहकार म.प्र., डॉ. मंजीत सिंह चौधरी डब्ल्यूएचओ सलाहकार एनटीडी तथा सीएफएम और त्वचाविज्ञान विभाग के संकाय सदस्य और सीनियर रेजिडेंट, कर्मचारी और छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और गणमान्य व्यक्तियों के स्वागत से हुई। इसके बाद अज्ञात कुष्ठ रोगियों के एक वीडियो का प्रदर्शन किया गया । सीएफएम, त्वचाविज्ञान और राज्य प्रशासन के विशेषज्ञों के बीच एक पैनल चर्चा हुई, जिसे डॉ. संजीव कुमार सह प्राध्यापक, सीएफएम द्वारा संचालित किया गया। डॉ. निधि शर्मा ने मध्य प्रदेश में कुष्ठ रोग का वर्तमान प्रबंधन पर प्रशिक्षण व्याख्यान दिया गया, जिसमें कार्यक्रम में अद्यतन जानकारी दी गई । इसके बाद डॉ. देविंदर तोमर और डॉ. मंजीत सिंह चौधरी ने स्वास्थ्य सेटिंग्स में कुष्ठ रोग का प्रबंधन कैसे करेंगे और मध्य प्रदेश की एनएलईपी गतिविधियों की निगरानी और इसकी प्रक्रिया पर बातचीत की।

स म्पा द की य

गौमाता को तो बख्श दो..!

गोशाला के शेड से करीब एक किलोमीटर दूर सड़क किनारे लगभग 300 मीटर के दायरे में गाय, बैल, बछड़े और बछियों के शव पड़े हैं। कुछ गायों के शव पूरी तरह से गल चुके हैं, जबकि कुछ गायों के शव फूले हुए हैं। इन्हीं बिखरे हुए शवों के बीच में एक पॉलीथिन से कवर करके, गायों के शवों से उतारी गई खाल को रखा गया है। इसी तरह गाय के सड़े-गले शवों की हड्डियां भी जगह-जगह बिखरी हुई हैं।

यह दृश्य एक खबर के माध्यम से दिखाया गया, जो हमारे प्रदेश और खासकर राजधानी के एकदम पास का है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से 25 किमी दूर जीवदया गोशाला की यह तस्वीर सामने आई है, जो भोपाल की सबसे बड़ी गोशाला बताई जा रही है। परंतु हकीकत में इसे कंकालों की गोशाला या बूचड़खाना भी कह सकते हैं। इन शवों को कुत्ते नोच रहे हैं। कंकाल इतने कि इनको गिनना मुश्किल है। दूर-दूर तक सिर्फ कंकाल और शव ही नजर आ रहे हैं। गोशाला में जो गायें या बछड़े जिंदा हैं, उनमें से कई तड़प रहे हैं। किसी के शरीर से खून निकल रहा है तो कोई अधमरे हैं। उनकी ऐसी स्थिति देख किसी का भी दिल पसीज जाए।

गोशाला का नाम भले जीवदया रखा गया है, लेकिन यहां गाय के प्रति कोई दया का भाव दिखाई नहीं देता। रिपोर्टर देखता है- एक बड़े खुले बाड़े में 500 से ज्यादा गाय और बैलों झुंड में खड़े हैं। वहीं, गायों के लिए बना शेड खाली है। इधर उधर गोबर फैला हुआ है। किसी शेड में बछड़ा बेहोश पड़ा है। उसीसे महज 20 कदम की दूरी पर एक अन्य बछड़ा भी जमीन पर पड़ा है, जो जमीन पर गिरी जंगली घास को खाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसमें इतनी ताकत नहीं कि बैठकर जमीन पर रखी घास को खा सके। गायों के इसी शेड के बाहर करीब 40 फीट लंबी दो पानी की टंकियां हैं। जिनमें काई की परत जमी है। वहीं गोशाला के अंदर बांयी ओर करीब 10 हजार वर्गफीट का एक शेडनुमा गोदाम बना है। इसे गायों के लिए भूसा स्टोर करने के लिए बनाया गया है, जो पूरी तरह से खाली था।

असल में अखिल भारतीय सर्वदलीय गोरक्षा महाभियान समिति के गौरव मिश्रा ने पशुपालन विभाग से आरटीआई के तहत जानकारी जुटाई। इसमें पता चला कि इस गोशाला में एक साल में 2131 गायें गायब हो गईं। रिकॉर्ड अनुसार गोशाला में जनवरी 2022 में 1961 गाय थीं। इसकी पुष्टि खुद पशुपालन विभाग ने की है, जबकि नगर निगम ने सालभर में यहां 2236 गाय भेजीं। इनमें से 116 गायों की मौत हो गई। मौजूद रिकॉर्ड के हिसाब से फिर भी गोशाला में 4081 होनी चाहिए थी, लेकिन यहां अभी 1950 गाय होना दर्ज है। फिर बाकी 2131 गाय कहां गायब हो गईं? जबकि गोशाला गायों की संख्या की जानकारी हर महीने पशुपालन विभाग को देती है।

इससे ज्यादा गंभीर बात और क्या होगी कि जहां हम गोपालन के लिए अलग से बजट दे रहे हैं, अनुदान भी दिया जाता है, वहां इस जीवदया गोशाला का संचालन 5-6 साल से गायों के शव बेचकर किया जा रहा है। खुद गोशाला प्रबंधक कहता है गोशाला के लिए जो अनुदान मिलता है उससे संचालन नहीं हो पाता है, इसीलिए गोशाला में मरने वाली गायों के शव उठाकर हम मैदान में फेंक देते हैं। फिर इनकी चमड़ी-हड्डी निकलवाकर बेच देते हैं। इसके लिए गोशाला ने शहर के ही एक चमड़ा कारोबारी से गठजोड़ किया है। जीवदया गोशाला समिति के अध्यक्ष अशोक जैन हैं और यहां 25 से ज्यादा कर्मचारी हैं, जिनमें चरवाहे भी शामिल हैं।

अब ये हाल तो राजधानी के ही पास का है। नीलबड़ के पास यह गांव है और नीलबड़ शहर की सीमा में शामिल हो चुका है। इसके बहुत आगे तक शहर बस चुका है, लेकिन राजधानी में बैठी अफसरशाही की नजर इस गोशाला पर नहीं पड़ पाई। पशुपालन विभाग में एक संचालक हैं। मजाल है कि किसी से आसानी से मिलें। घंटों इंतजार के बाद भी कई बार नहीं मिलते। और तो और मीडिया वालों से भी नहीं मिलते। कहते हैं, कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यही नहीं, पशुपालन विभाग की अनुदान योजनाओं में भी उनकी बड़ी हिस्सेदारी रहती है। एक और सहायक उपक्रम है कुक्कुट विकास निगम। यहां एक मंत्री के कथित रिश्तेदार मुखिया बने बैठे हैं। पशुपालन की योजनाओं का अनुदान किस तरह से खाया जा रहा है, यहां पता चलता है। अनुदान योजना के अंतर्गत पशु लेने के लिए कुछ एजेंसियां तय कर दी गई हैं, इन्हीं से आपका गाय या भैंस लेनी होती है। और ये एजेंसियां पशुओं की कीमत दोगुनी करके हितग्राही को थमा देती हैं। गोशालाओं की हालत तो भोपाल और इससे पहले बैरसिया में ही देखी जा चुकी है। बैरसिया में भी दर्जनों गायें मरी हुई मिलीं थीं। काश, गोमाता के प्रति हमारा प्रेम दिखावटी और राजनीतिक न होता! काश, हमारे अंदर कहीं संवेदनाओं के लिए कोई जगह होती! काश, हम गोमाता को भ्रष्टाचार और राजनीतिक दृष्टि से हट कर देख पाते!

सामाजिक व वैचारिक विविधता ही भारत की ताकत है

मोहिनी माथुर

पिछले किसी निर्णायक चुनाव के नतीजे आने के बाद राजेन्द्र माथुर की टिप्पणी थी, ' भारत की हवा पर मूलत: वह अखिल भारतीय वर्ग हावी है जिसके दिल में दो बातें सर्वोपरि हैं । एक है भारत की एकता और अखंडता और दूसरी है गरीबों को भी प्रवेश का अवसर देने वाला खुला उदार प्रजातंत्र । आप एक मुल्य को चुन लें और दूसरे को रौंद डालें, यह कतई संभव नहीं है । लेकिन जब आप कहते हैं कि देश के स्थायित्व के लिए ये जरूरी है, तो यह ऐसा है कि ब्राम्हण को माँस खिलाने वाला ये कहे कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए हमें समर्थन दो ।'

निसन्देह भारत के आम आदमी की उस सूझ बूझ ने न केवल भारत बल्कि दुनिया को आश्चर्य में डाला है। यहाँ के गरीब आम आदमी को प्रजातंत्र या शासक वर्ग की ऊँची ऊँची बातें समझ में नहीं आती । उनके अंत:कारण से जो आवाज आती है वही उनके लिए अंतिम सत्य है । गाँव का आदमी, लगभग निरक्षर और आज भी गरीब, आसमान देखकर मौसम के बारे में बता देगा, ज़मीन पर लकड़ी ठोक कर बता देगा कि पानी कहाँ मिलेगा। उसे अपने काम और परिवार के हाल चाल से सरोकार है, लेकिन उसे ये भी आभास है कि समाज व आसपास में कौन खोखला है और कौन दिल से ईमानदार। ये आदमी दिल से समावेशी है, सबको समेटने वाला काटने वाला नहीं । हजारों सालों से भारत की ताकत का स्त्रोत भी यही आदमी है।

पिछले कुछ वर्षों से भारत की एकता को खतरे का हवाला देकर बहुत कुछ कहा जा रहा है और प्राचीन सांस्कृतिक वैश्व की याद दिलाकर जो कुछ आधुनिक है उसे भारत विरोधी बता कर नेपथ्य में करने की कोशिश हो रही है ।

लेकिन यदि व्यापक दृष्टिकोण व विचारों की गहराई के संदर्भ में देखें तो उस प्राचीन भारत का आदमी संकुचित विचारों से मीलों दूर था। दुख की बात है कि उस वैभव के नाम पर हमें संकुचिता की ओर ढकेला जा रहा है ।

जिन वेदों और उपनिषदों का हवाला देकर आजकल भारत को एंकागी बनाने की कोशिश है उन वेदों में, खास कर ऋग्वेद मे तो केवल प्रकृति की प्रशंसा व जीवनदायनी तत्वों जैसे क्षितिज, जल, पावक, गगन, समीरा, सूर्य, चन्द्रमा व तारों के गुणगान के श्लोक हैं आश्चर्य व आनन्द से भरे हुए श्लोक! कोई आश्चर्य नहीं कि उस तरह के वातावरण से कोई भी बाहर से आने वाला आकर्षित हो जाता था।

रविन्द्रनाथ टैगोर ने भी इन वैदिक श्लोकों का वर्णन सभ्यता के आरम्भ में मनुष्य द्वारा प्रकृति की सुदंरता, ब्रम्हाण्ड के रहस्यों व उसके नित नये रूपों को संगीतमय श्रद्धांजंलि के रूप में किया है सभ्यता का ये आदिकाल था मनुष्य पर ज्ञान का कोई बोझ नहीं था । ब्रम्हाण्ड के नित नये अजूबे देख कर लोगों के मुँह से अनायास ही आनन्द भरे उद्गार निकल जाते थे। टैगोर के अनुसार वैदिक श्लोकों में समाहित प्रकृति के रहस्यों का गुणगान ही उनको और कालजयी बनाता है ।

उस वैश्वशाली अतीत में न किसी मूर्ति का जिक्र था न किसी मंदिर का ङ्क सारे श्लोक बस विश्व के रहस्यों, उसकी सुदंरता के लिए किसी अदृश्य शक्ति को धन्यवाद के लिए निकले उद्गार हैं (जवाहरलाल नेहरू) धन्यावाद देने के लिए किसी देवी देवता का नाम नहीं लिया गया । धर्म का उस समय किसी के मन में कोई संकल्पना नहीं थी ।

इतना ही नहीं 'हिंदू' शब्द भी प्राचीन ग्रंथों में नहीं मिलता आठवीं शताब्दि के किसी अनाम ग्रंथ में पहली बार 'हिंदू' शब्द प्रयोग किया गया। वो भी यहाँ के लोगों के लिए न कि किसी धर्म के अनुयाइयों के लिए।

'हिंदू' होना जीवन जीने का एक तरीका था यहाँ की सब चीजें सब के लिए, किसी एक समुदाय के लिए नहीं। लोग विभिन्न विचारों में विश्वास रखते थे, अलग अलग रीति रिवाज़ थे किसी तरह की बन्दिशें नहीं थी । जीवन की इस सहजता ने ही सैकडों साल से बाहर से आने वाले उन हजारों लोगों को आकर्षित किया जो यही के होकर रह गयें। भारत में आज भी कई देशों के लोग आराम से रहते हुए मिल जायेंगे। उन्हें भारतीय कहलाने मे कोई एतराज़ नहीं है । यहाँ बसने वाले ईसाइयों या मुसलमानों ने आसानी से यहाँ उस समय प्रचलित रीतिरिवाजों और संस्कृति को स्वीकार कर लिया। न केवल ये बल्कि उनके समाज में होने वाले कई मंगल कार्यों में भारतीय मांगलिक रीति रिवाजों की झलक मिलती है । इसके बावजूद वो अपने धर्म का पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं व अपने रीति रिवाजों का कट्टरता से पालन करते हैं।

प्राचीन काल में भारत के वभश्व की कहानियों ने दूर दूर के देशों को इतना आकर्षित किया कि देश को सैकड़ों आक्रमण झेलने पड़े। हर आक्रमण एक नई चुनौती लेकर आया । हर बार समाज को नया धक्का सहना पड़ा। लेकिन हर आक्रमणकारी का एक ऐसे सामाजिक वातावरण से सामना हुआ जो हर चीज़ को अपने में समेट लेता था और धीरे धीरे भारतीयता के रंग में रंग देता था। नतीज़ा ये हुआ कि भारतीय संस्कृति का रूप हर सौ, दो सौ साल में बदल जाता था। हमारी संस्कृति कभी मृतप्राय: नहीं हुई हमेशा जीवंत बनी रही।

इस प्रक्रिया के चलते इन हज़ारों वर्षों में भारत ने अपने अदंर इतनी विविधताओं को समेटा है कि अब यही विविधता यहाँ की ऐसी पहचान वन गई है जिस पर न केवल हमें गर्व है बल्कि पूरा संसार आश्चर्य चकित है । दर्जनों भाषाएं, त्योहार, रीतिरिवाज़, खानपान, धार्मिक आस्थाएं, नृत्य, संगीत, साहित्य- हर बात अलग, लेकिन दिल से भारतीय । और ये भारतीयता उस समय ज़्यादा उभर कर सामने आती है जब देश के अस्तित्व पर संकट आता है । नहीं तो समुदायों के आपस में विरोधी विचार होते हुए भी जीवन सामान्य रूप से चलता रहता है । भारतीय मानस के अंर्तमन में सर्तकता का एक सत्त भाव रहता है जिसके चलते इस देश के विविधता से भरे तानेबाने को कोई नष्ट नहीं कर सकता । भारत के साधारण गरीब और ज़मीन से जुड़े आदमी ने सैकड़ों वर्षों से इस ढांचे को सुरक्षित रखा है। इतिहास गवाह है कि जिन संस्कृतियों ने दिल खोलकर विविधता का स्वागत किया है वही जिंदा रही हैं । बाकी काल के गर्त में समा गई हैं।

हमारे मुसलमान भी हिंदू ही हैं

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने इतिहास का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पृष्ठ पलटकर सारे देश को दिखा दिया है। उन्होंने 'केरल हिंदू ऑफ नार्थ अमेरिका' नामक संस्था को संबोधित करते हुए कहा कि प्रसिद्ध मुस्लिम नेता और बड़े चिंतक सर सय्यद अहमद खान ने अब से लगभग डेढ़ सौ साल पहले आर्यसमाज की एक सभा में यह बात दो-टूक शैली में कही थी कि उन्हें अपने आप को हिंदू कहने में जरा भी संकोच नहीं है। उन्होंने सभी श्रोताओं से कहा कि आप चाहें तो मुझे हिंदू ही कहें, क्योंकि जो आदमी भारत में पैदा हुआ है, जो व्यक्ति यहां का अन्न खाता है और यहां की नदियों का पानी पीता है, वह हिंदू नहीं है तो कौन है? उन्होंने कहा कि हिंदू शब्द का धार्मिक अर्थ निकालना गलत है। हिंदू शब्द तो शुद्ध भौगोलिक है। हिंदू शब्द की व्याख्या करते हुए यही बात मैंने अपने ग्रंथ ''भाजपा, हिंदुत्व और मुसलमान'' में विस्तार से प्रतिपादित की है। सच्चाई तो यह है कि हिंदू या हिंदुत्व शब्द भारत के किसी भी धर्मग्रंथ में नहीं है। मैंने वेद, उपनिषद्, दर्शन ग्रंथ और पुराण ग्रंथ भी पढ़े हैं। इन सभी ग्रंथों में यहां तक की रामायण और महाभारत में भी हिंदू शब्द कहीं नहीं आया है।

भारत के निवासियों के लिए प्राय: आर्य शब्द का ही प्रयोग होता रहा है। वास्तव में हिंदू शब्द का प्रयोग अरब और फारस के मुसलमानों ने पहली बार किया है। वास्तव में हिंदू शब्द के इस्तेमाल की उत्पत्ति हम खोजने लगें तो हमें यह मानना पड़ेगा कि यह इस्लामी शब्द है लेकिन इसका इस्लाम से कुछ लेना देना नहीं है। यह मजहबी नहीं, भौगोलिक शब्द है। हिंदू शब्द सिंधु से बना है। फारसी भाषा में 'स' का उच्चारण 'ह' होता है। सिंधु को फारसी भाषा में 'हिंदू' कहते हैं। सिंधु नदी के इस पार जो लोग रहते हैं, उन्हें हिंदू कहा जाता है। यह हिंदू शब्द चीन में 'इंदु' बोला जाता है। मैं चीन के गांवों में जाता था तो चीनी लोग चीनी भाषा में कहते थे कि 'मैं इंदू हूं', क्योंकि मैं 'इंद' से आया हूं। एक बार मेरे साथ शांघाई में कुछ मुंबई के मुसलमान मित्र भी बाजार में घूम रहे थे। उन्हें भी चीनी लोग 'इंदु रैन' याने हिंदू आदमी ही बोल रहे थे। दूसरे शब्दों में हर भारतीय हिंदू ही है। उसे विदेशों में अलग-अलग उच्चारणों से जाना जाता है। उसे 'हिंदी', 'हिंदवी', 'हून्दू', 'हन्दू', 'इंदू', 'इंडीज़', या 'इंडियन' भी कह दिया जाता है। मेरी इस हिंदू शब्द की व्याख्या को आरिफ भाई ने सर सय्यद की मोहर लगाकर और अधिक प्रामाणिक बना दिया है। स्वयं आरिफ भाई बड़े विद्वान नेता हैं। मुझे खुशी है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत ने पिछले दिनों कई बार इस कथन को दोहराया है कि हिंदू और मुसलमानों का डीएनए एक ही है। इसीलिए हमारी मुसलमान मोहम्मदी हिंदू हैं और हमारे ईसाई मसीही हिंदू हैं। यही भाव भारत की एकता को सबल बना सकता है। हमारे मुसलमानों और ईसाइयों को मैं इसीलिए दुनिया का सर्वश्रेष्ठ मुसलमान और सर्वश्रेष्ठ ईसाई कहता हूं, क्योंकि उनकी रग-रग में हजारों वर्षों का भारतीय संस्कार जिंदा बहता है।

टिकट के दावेदारों को अनावश्यक दबाव से बचाओ प्रभु

कौशल किशोर चतुर्वेदी

मध्यप्रदेश में चुनावी साल में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के उद्घाटन समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बात बहुत ही सुंदर कही है। खिलाड़ियों से जीत के लिए सारे प्रयास करने के लिए कहा। कहा कि पसीना बहाओ, ताकत लगाओ, लेकिन सुंदरतम सीख दी है कि अनावश्यक दबाव से बचकर रहना। खेल में जीत-हार तो होती रहती है। तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समय देश में हुए बदलाव पर कहा कि अब भारत के लोग आंख झुका के नहीं, बल्कि आंखों में आंखें डालकर बात करते हैं।

तो खेलों की इसी भावना का अनुसरण राजनीति में होना चाहिए। पसीना बहाना चाहिए, ताकत लगाना चाहिए, दिन-रात मेहनत करना चाहिए और जीत का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहिए लेकिन इसके बाद भी अनावश्यक दबाव से तो बचना ही चाहिए। और शायद खिलाड़ियों के लिए शिवराज की सीख सौ फीसदी जरूरी हो, क्योंकि खिलाड़ियों का अनुभव भी कम होता है और उनकी उम्र कम होने से वह लक्ष्य केंद्रित रहकर जीत से कुछ कम मंजूर करने की सोच नहीं रख पाते। पर राजनेता तो ज्यादा परिपक्व होते हैं और जीतें या हारें पर तनाव और अनावश्यक दबाव लेने की जगह देने का ही काम करते हैं। और शायद इसीलिए नेताओं को इस तरह की सीख देने की जरूरत मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष या किसी अन्य को भी नहीं पड़ती।

उन्हें यह भी पता रहता कि जीत की हरसंभव कोशिश करना है, पर परिणाम कुछ भी होज्इसकी चिंता कतई नहीं करना। और गीता के अध्याय? दो का 47 वां श्लोक तो राजनेताओं के दिलों पर राज करता है। श्लोक है कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भुर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि। अर्थात तेरा कर्म करने में अधिकार है इनके फलों में नहीं। तू कर्म के फल के प्रति असक्त न हो या कर्म न करने के प्रति प्रेरित न हो। सो गीता के सार से ओतप्रोत राजनेता दिन-रात मेहनत भी करते हैं और पसीना भी बहाते हैं और परिणाम जीत का ही आए, समय रहते इसकी हरसंभव कोशिश भी करते हैं। पर परिणाम जीत का न

© BCCL 2021. ALL RIGHTS RESERVED.

भी आए, तब भी खेलभावना से हार को गले लगाने में देर भी नहीं करते हैं।

पर राजनेताओं का यह सिर्फ एक पक्ष है। दूसरे पक्ष की बात सामने रखे बिना विषय अधूरा रहेगा और नेताओं की अधूरी तस्वीर ही लोगों तक पहुंच पाएगी। राजनेताओं को भी तनाव और मानसिक दबाव के लंबे दौर से गुजरना पड़ता है। यह आवश्यक या अनावश्यक दबाव मिलता है पार्टी के निर्णायक नेतृत्व से ही। उसी नेतृत्व से जो चुनावी साल में टिकट के दावेदारों की किस्मत का फैसला करते हैं। इसमें उनकी योग्यता, मेहनत, पसीना बहाना और ताकत लगाना सब गौण हो जाते हैं। और यह बात टिकट के सभी दावेदार राजनेताओं पर लागू होती है, चाहे वह भाजपा के हों, कांग्रेस के हों या अन्य किसी दल के। चुनावी साल की शुरुआत यानि पहले महीने से ही यह अनावश्यक दबाव खाए जाता है। खिलाड़ियों को तो जीतने पर सरकारें इनाम में लाखों देती हैं और इसके उलट योग्य, तपी और त्यागी नेता करोड़ों बहाने की कुर्बानी देने को तैयार रहकर बस एक ही तमन्ना रखते हैं कि बस टिकट मिल जाए। पर जब मायूसी हाथ लगती है तो हजार टुकड़ों में टूटकर दिल विधानसभा की गली-गली में बिखर जाता है। और फिर अनावश्यक दबाव इतना प्रभावी हो जाता है कि कभी-कभी तो पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ ही मैदान में खुलकर नहीं तो दबे-छुपे ही पूरी दम लगानी पड़ती है।

तो चुनावी साल में हर दल को टिकट वितरण को लेकर अब कुछ ऐसा फार्मूला जरूर सेट करना चाहिए, ताकि टिकट के सभी दावेदार संतुष्ट हो सकें और अनावश्यक दबाव में न आएं। अब नेता भी तो खिलाड़ी हैं, आखिर इनका ख्याल कौन रखेगा। खेल में तो गोल्ड, सिल्वर और ब्रांज तीन पदक विजेता तो हो ही जाते हैं, पर टिकट? के दावेदार नेताओं को तो पता रहता है कि यहां गोल्ड, सिल्वर, ब्रांज जैसा कोई चांस नहीं हैज्यहां तो एक ही टिकट है, सो जो जीता? वही सिकंदर। बाकी का जीवन फिर पांच साल के लिए वनवास बनकर रह जाता हैज्। फिर न तो इनका तनाव देखने वाला कोई रहता है और न इनकी बदकिस्मती पर तरस खाने वाला। जीत-हार से परे इन नेताओं के टिकट की फिक्र हो जाए, बस चुनावी साल की यही चाह है ताकि दावेदारों को तनाव से मुक्ति मिल जाए। टिकट के दावेदारों को अनावश्यक दबाव से बचाओ प्रभु।

दोनों दलों के लिए लक्ष्य से बड़ी हैं सियासी चुनौतियां

अरुण पटेल

2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए सत्ताधारी दल भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के बीच एक-एक वोट के लिए चुनावी जंग छिड़ने वाली है क्योंकि दोनों ही ने विधानसभा चुनाव में अपनी-अपनी जीत के लिए हिमालयीन लक्ष्य तय कर लिए हैं। जहां तक लक्ष्य तय करने का सवाल है उसमें किसी प्रकार की कोताही क्यों बरती जाए, यह हर राजनीतिक दल का फलसफा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर से 200 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है तो वहीं कांग्रेस ने आरामदायक बहुमत के साथ पुन: सरकार बनाने के लिए 130 से अधिक सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। आम आदमी पार्टी सत्ता की चाबी अपने हाथ में रखना चाहती है जबकि अभी तक उसकी कोई विशेष पकड़ मैदान में नजर नहीं आ रही है, लेकिन उसकी उम्मीद टिकट से वंचित और चुनाव लड़ने के इच्छुक उत्साही लालों के भरोसे टिकी है तो वहीं टिकट कटने वाले नेताओं की उम्मीद भी आप पर आकर टिकी है और वह भी अपने तार अंदर ही अंदर जोड़ने में मशगूल हैं। इसके साथ ही जहां भाजपा अपने नेताओं व कार्यकर्ताओं को चुस्त-दुरुस्त रहने की नसीहतें दे रही है तो वहीं कांग्रेस घर वापसी का अभियान चलाने जा रही है ताकि जो लोग घर में बैठ गए हैं उन्हें सक्रिय किया जा सके। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भाजपा और कांग्रेस के लिए लक्ष्य से बड़ी है सियासी चुनौतियां ।

पांच फरवरी से भाजपा बूथ सशक्तीकरण अभियान का आगाज करने जा रही है और हर बूथ का परीक्षण कर नये मतदाताओं सहित युवाओं को भाजपा से जोड़ने की कोशिश की जाएगी। इस अभियान के माध्यम से भाजपा यह प्रयास कर रही है कि हर बूथ पर कम से कम दस नये युवाओं को पार्टी से जोड़ा जाए। बूथ डिजिटलाइजेशन के तहत भी नये लक्ष्य तय किए गए हैं। कार्यकर्ताओं को संगठन एप पर लाया जायेगा ताकि ऑन लाइन मानीटरिंग की जा सके। भाजपा जो अभियान छेड़ने जा रही है उसके तहत हारी हुई सीटों के बूथों पर प्राथमिकता के आधार पर ध्यान दिया जायेगा और इसके लिए कमजोर और मजबूत बूथ छांटे गए हैं। कमजोर बूथों पर सबसे पहले पार्टी को मजबूत करने का काम किया जाएगा। इस अभियान के तहत पार्टी के दिग्गज नेताओं को भी निचले स्तर तक जिम्मेदारियां दी जायेंगी। पहले बड़े नेता कुछ ही बूथों पर गए थे लेकिन संपर्क अभियान के तहत अब इन बूथों पर ज्यादा दौरे किए जायेंगे और हारी हुई सीटों के प्रभारियों से हर महीने रिपोर्ट ली जायेगी। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को मध्यप्रदेश में मिले भारी जन-समर्थन से गदगद है और उसने 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान की शुरुआत कर दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने भोपाल के हुजूर विधानसभा क्षेत्र के मुगालिया छाप से अभियान की शुरुआत की और गांव के बुजुर्गों का सम्मान किया। हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत कांग्रेस घर-घर पैठ बनायेगी और उसका लक्ष्य हर घर को पार्टी से जोड़ने का है। इस अभियान के तहत हर जिला मुख्यालय पर एक कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होगा। हर पोलिंग बूथ गांव और ब्लाक स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित होंगे। रोड-शो होंगे और घर-घर जाकर लोगों से संपर्क भी किया जाएगा।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव ने हारी हुई सीटों के प्रभारियों, जिला अध्यक्ष, महामंत्री व आईटी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को मैदानी मोर्चा संभालने की हिदायत देते हुए कहा है कि जो जिलाध्यक्ष अपने क्षेत्र में प्रवास नहीं करेंगे उन्हें पदमुक्त किया जायेगा। उन्होंने यहां तक कहा कि प्रवास नहीं करने की स्थिति में आप इस बात के लिए तैयार रहें कि अगले दिन के अखबार में खबर छपेगी कि आप जिलाध्यक्ष नहीं रहे। इस प्रकार की हिदायतें इसलिए भी गंभीर मानी जा रही हैं क्योंकि राव ने भाजपा के राष्ट्रीय संगठन सह-महामंत्री शिव प्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल की मौजूदगी में हारी हुई सीटों के संदर्भ में जिलाध्यक्षों, प्रभारियों तथा डाटा प्रबंधन समितियों की बैठक में ये दीं।

एक-दूसरे की ओर आशा भरी निगाहों से निहारते दिग्गज

भाजपा और कांग्रेस ने अपने कई विधायकों के टिकट कटने के संकेत दे दिये हैं तो इससे एक ओर जहां आम आदमी पार्टी की उम्मीदों को पर लग गए हैं वहीं अपने राजनीतिक भविष्य की तलाश में कई दिग्गज आम आदमी पार्टी के संपर्क में हैं। बागियों का नया ठिकाना आम आदमी पार्टी ही है क्योंकि उसमें नये लोगों की बहुत अधिक गुंजाइश है, जबकि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी में पहले से ही अपने-अपने इलाके में क्षेत्रीय नेता मौजूद हैं। शहरी निकाय चुनाव के नतीजों के बाद से ऐसे नेताओं की बांछें खिल गई हैं और उन्हें एक प्रकार से एक नया ठिकाना नजर आने लगा है और 'आप' को भी नये-नये लोगों को अपने साथ जोड़ने से कभी परहेज नहीं रहा है। पिछले कुछ चुनावों से प्रदेश में तीसरी राजनीतिक शक्ति बनने का सपना देख रही बसपा और सपा की जमीन धीरे-धीरे दरकती जा रही है। आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष पंकज सिंह का दावा है कि कुछ लोग पार्टी ज्वाइन कर चुके हैं जबकि कुछ अभी मौके की तलाश में हैं। हालांकि वह ऐसा करने वाले विधायकों और पूर्व विधायकों का नाम सार्वजनिक करने से परहेज कर रहे हैं लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि विंध्य अंचल से भाजपा सांसद और विधायक रहे गोविन्द मिश्र के पुत्र राजन मिश्र ने इसी उम्मीद में आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। विधानसभा चुनाव को लेकर जहां एक ओर भाजपा और कांग्रेस चाक-चैबंद होकर तैयारियों में जुट गई हैं वहीं दोनों ही दलों के कुछ निराश टिकटार्थी अपनी नई राजनीतिक जमावट के लिए आशियाना तलाशने लगे हैं और उनकी नजर आम आदमी पार्टी पर आकर टिकी है। दोनों ही पार्टियों के एक-एक दर्जन से कुछ अधिक वर्तमान विधायकों सहित कुछ बड़े नेताओं को उम्मीद है कि इस बार शायद पार्टी उन्हें चुनाव लड़ने का मौका न दे इसलिए वे अभी से अपना नया आशियाना खोजने लगे हैं।

और यह भी: पांच फरवरी से 21 दिन की विकास यात्रा पर इसकी अगुवाई करने वालों को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने मंत्र देते हुए चेताया है कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि आप यात्रा पर जायें, भाषण दें और वहां से आगे बढ़ जायें, आपको कम से कम एक स्थान पर दो घंटे तो रुकना ही चाहिए और लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करना चाहिए। विकास और जनता की सेवा करना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता के सुख में ही हमारा सुख है। पांच फरवरी से निकलने वाली विकास यात्रा को लेकर हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने वर्चुअली मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, महापौरों, नगरपालिका अध्यक्षों, पार्षदों, जिला जनपद पंचायत के अध्यक्षों, पार्षदों एवं सदस्यों तथा जनपद पंचायत के अध्यक्षों, सरपंचों, उप सरपंचों एवं प्रषासनिक अधिकारियों से संवाद के दौरान ये बातें कहीं। उनका यह भी कहना था कि विकास और जन-कल्याण के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना विकास यात्रा का उद्देश्य है।

यात्रायें गांव-गांव और शहरों के वार्डों में निकाली जायेंगी। विभिन्न योजनायें एवं उपलब्धियां जनता के बीच पहुंच सकें इसकी भी सुनिश्चित तैयारी कर ली जाए। गांवों व कस्बों सहित विभिन्न शहरों में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। 56 हजार करोड़ की सिंचाई परियोजनाओं और 50 हजार करोड़ रुपये से सड़कों के काम चल रहे हैं, यह सब जनता को बताया जाए। कुल 230 विकास यात्रायें निकाली जाना हैं। इन यात्राओं में विकास पताका और विकास रथ भी रहेगा तथा प्रभारी मंत्री यात्रा का मार्ग तय करेंगे। विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया जायेगा। यात्रा के दौरान यह भी देखें कि कोई भी हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे तथा यह यात्रा संजीवनी और वरदान बन जाये इसका भी ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि स्कूलों में बच्चों से संवाद किया जाए। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि विकास यात्रा का असली मकसद 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए एक मजबूत वोट बैंक भाजपा के लिए तैयार करने का है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नैनपुर नर्मदा जयंती पर मुख्य मार्ग में विश्राम ग्रह के सामने युवाओं ने महा आरती के बाद भंडारा का आयोजन किया वही चकोर तट पर मां नर्मदा की महा आरती की गई विशेष आयोजन बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने मां नर्मदा का पूजन पाठ किया अवसर पर पर बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने भंडारा ग्रहण किया

मंत्री एवं कलेक्टर ने गणतंत्र दिवस पर तहसीलदार निकिता तिवारी को किया सम्मानित

बरेली। रायसेन जिले में गणतंत्र दिवस का पर्व बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया गया साथ ही जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को मुख्य अतिथि मंत्री प्रभुराम चौधरी और कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा सम्मानित किया गया तहसीलदार निकिता तिवारी को इस बार दो सम्मान मिले हैं जिले में निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण निरीक्षण 2022-23 मैं उत्कृष्ट कार्य कार्य कर जिले में सर्वाधिक मतदाता जोड़कर उदयपुर विधानसभा को जिले में प्रथम स्थान दिलाने पर तहसीलदार निकिता तिवारी को रायसेन कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा प्रशस्ति पत्र सौपकर सम्मानित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की 7 वही 26 जनवरी पर रायसेन जिले में आयोजित कार्यक्रम में विभाग की कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने पर तहसीलदार निकिता तिवारी को कैबिनेट मंत्री प्रभुराम चौधरी एवं कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा प्रशंसक पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया आपको बता दे तहसीलदार निकिता तिवारी तेजतर्रार अधिकारी के रूप में जानी जाती हैं पूर्व में बरेली को आईएसओ अवार्ड भी तहसीलदार निकिता तिवारी ने दिलवाया था तहसीलदार निकिता तिवारी बोली इस सम्मान का श्रेय तहसील के के समस्त कार्यरत अधिकारी कर्मचारियों को जाता है सभी लोगों की ताकत के कारण ही हम निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण का कार्य कर पाए ।

संत रविदास जयंती से निकलेगी विकास यात्राएं

रतलाम । शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी संत रविदास जयंती से शहर में विकास यात्राएं निकालेगी। यात्रा की तैयारियों के संबंध में विधायक चेतन्य काश्यप ने सोमवार को भाजपा के सभी मंडल पदाधिकारियों की बैठक ली। शहर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोहर पोरवाल को यात्रा का संयोजक बनाया गया है। विधायक श्री काश्यप द्वारा ली गई बैठक में यात्रा संयोजक श्री पोरवाल के साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष निलेश गांधी, मयूर पुरोहित, आदित्य डागा, कृष्णकुमार सोनी, मंडल प्रभारी विनोद यादव, महामंत्री राकेश परमार, हेमंत राहोरी, आईटी सेल प्रदेश सह संयोजक सोमेश पालीवाल, जिला आईटी सेल संयोजक निलेश राव उपस्थित रहे। शहर में विकास यात्रा को लेकर रूट चार्ट पर भी चर्चा की गई। विकास यात्रा में सभी जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। शहर में प्रतिदिन अलग-अलग वार्डों में समूह के रूप में यात्रा निकाली जाएगी। शासन द्वारा जनहित में किए गए कार्यों को बताया जाएगा।

विस वार एसडीएम की अध्यक्षता में विकास यात्रा के लिए समन्वय समिति बना लें: कलेक्टर

धार। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत सीईओ केएल मीणा, एडीएम श्रृंगार श्रीवास्तव सहित जिला अधिकारी तथा समस्त एसडीएम वर्चुअली जुड़े थे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि विधानसभा वार एसडीएम की अध्यक्षता में विकास यात्रा के लिए समन्वय समिति बना लें। साथ ही यात्रा का मार्ग शाम तक तय कर लें और मार्ग अनुरूप विभागीय कार्यक्रमों की योजना बना लें। विकास यात्रा में पूर्व के कामों का प्रचार,भविष्य की योजना के लिए सुझाव केंद्र में रखें और यात्रा में नये हितग्राहियों के चयन के साथ लाभान्वितों की सफलता से लोगों को अवगत कराएँ। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वच्छता श्रमदान पर भी यात्रा केंद्रित रहे।जनप्रतिनिधियों को आवश्यक रूप से शामिल करें, विभिन्न समितियों के सदस्यों को भी जोड़ें। शिलान्यास लोकार्पण की जानकारी का बोर्ड पर प्रदर्शन करें। उन्होंने आरईएस विभाग के ई को सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने निर्देश दिए। साथ ही एनएसी रजिस्ट्रेशन में ज़िला पाँचवे स्थान पर आने पर स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को बधाई दी।

नाम परिवर्तन

मैं कपिल (KAPIL) पुत्र रमण सिंह (RAMAN SINGH)आयु-21 वर्ष, निवासी मुकाम पोस्ट-उमरिया जिला-बैतूल म.प्र.460551 सर्वसाधारण को सूचित करता हु की मेरी स्कूल एवं कॉलेज की मार्कशीट में मेरा नाम कपिल (KAPIL) पुत्र रमण सिंह (RAMAN SINGH) है, त्रुटिवश मेरे कुछ दस्तावेजों जैसे- आधार कार्ड एवं पैनकार्ड में कपिल सिंह कुशवाह (KAPIL SINGH KUSHWAH) पूत्र रमण सिंह कुशवाह (RAMAN SINGH KUSHWAH) हो गया है जिसे में बदलवाना चाहता हूं,जिसके लिए में अपनी 10 वी एवं 12 वी की मार्कशिट एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूं अतः अब से मुझे मेरे सही नाम कपिल (KAPIL) पुत्र रमण सिंह (RAMAN SINGH) के नाम से जाना व पहचाना जाए, आमजन एवं सर्वजन सूचित हो.

जिला सहकारी बैंक प्रदेश स्तर पर पुरस्कृत

जिले की अर्थ व्यवस्था को गति प्रदान करने में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

खरगोन। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित खरगोन को प्रदेश स्तर पर नाबार्ड द्वारा अल्पावधि कृषि ऋण वितरण, वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यो के लिए पुरूस्कृत किया गया है। नाबार्ड ने 24 जनवरी को होटल लेकफ्रंट भोपाल में राज्य ऋण संगोष्ठी वर्ष 2023-24 के आयोजित कार्यक्रम में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित खरगोन को अल्पावधि कृषि ऋण वितरण, वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यो के लिए पुरूस्कृत किया गया। बैंक के एमडी श्री राजेन्द्र आचार्य ने दोनों उत्कृष्ट पुरूस्कार मप्र शासन के वित्त मंत्री श्री जगदीश देवडा एवं श्री तरसेम सिंह जीरा संयोजक, एसएलबीसी के करकमलों से प्राप्त किया। कार्यक्रम में श्री विनोद कुमार मिश्रा मुख्य महाप्रबंधक, एसबीआई, नीरज निगम क्षेत्रिय निदेशक भारतीय रिजर्व बैंक, श्री अशोक बर्णवाल अपर मुख्य सचिव कृषि म.प्र.शासन, श्री जेएन कंसोटिया अपर मुख्य सचिव बागवानी एवं श्री अजीत केसरी अपर मुख्य सचिव वित्त विभाग मप्र शासन विशेष रूप से उपस्थित थे। उल्लेखनीय हैं कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित खरगोन द्वारा खरगोन एवं बडवानी जिले में 182प्राथमिक कृषि संस्थाओं के माध्यम से वर्ष 2021-22 में 1 लाख 82 हजार कृषकों को अल्पावधि कृषि ऋण2564.61 रू. करोड़ का वितरण किया गया था। वर्ष 2022-23 के दौरान अब तक 2238.88 रू.करोड़ का ऋण वितरण किया गया हैं। जो कि प्रदेश की अन्य सहकारी बैंको की तुलना में सर्वाधिक हैं। 3 वर्षो से जिला बैंक खरगोन को नाबार्ड द्वारा निरंतर इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यो के लिए पुरूस्कृत किया गया हैं। बैंक ने अपना गौरव बरकरार रखा हैं।

इस उपलब्धि के साथ ही नाबार्ड की वित्तीय समावेशन योजना के तहत खरगोन एवं बडवानी जिले में वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में वर्ष के दौरान विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन कर डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में कृषकों एवं नागरिकों सहित विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। कार्यक्रमों के दौरान एटीएम संचालन तथा मोबाईल बैंकिंग के संचालन के दौरान बरती जाने वाली महत्वपूर्ण सावधानियों से अवगत किया गया था। खरगोन एवं बडवानी जिले में इतनी बडी संख्या में योजन करने वाला प्रदेश का पहला सहकारी बैंक होने का गौरव प्राप्त किया हैं। बैंक का यही प्रयास हैं कि जिले में दुरूस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले प्रत्येक किसान को बैंक से जोडा जाकर फसल ऋण उपलब्ध कराना हैं, ताकि वे राज्य सरकार की महत्ती योजना के तहत शून्य प्रतिशत ब्याजदर पर ऋण प्राप्त कर सकें और बैंक की अन्य योजनाओं का लाभ भी ले सके। जिला सहकारी बैंक नाबार्ड के सहयोग से जिले की अर्थ व्यवस्था को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा हैं। जिला बैंक खरगोन को भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम में पुरूस्कार प्राप्त होने पर बैंक ग्राहकों, अमानतदारों द्वारा निरंतर बधाई दी जा रही हैं। इस अवसर पर श्री राजेन्द्र आचार्य एमडी को बैंक प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता इन्दौर संभाग बीएल मकवाना, श्री अंबरिष वैद्य उप आयुक्त सहकारिता जिला खरगोन एवं श्री विजेन्द्र पाटील डीडीएम नाबार्ड सहित जनप्रतिनिधियों ने बधाई दी हैं।

नगर पालिका द्वारा बैरसिया नगर गौरव दिवस का आयोजन

सास्कृतिक कार्यक्रम एवं नगर की महान विभूतियों का किया सम्मान

बैरसिया।। श्री श्री 1008 गुरु ठड़ेश्वरी महाराज की पावन नगरी बैरसिया में नगर पालिका परिषद बैरसिया द्वारा सोमवार को स्थानीय अम्बेडकर पार्क में गौरव दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों सेना में शहीद हुए सेनिको की पत्नियों भूत पूर्व सैनिकों मीसा बंदियों मेधावी छात्र छात्राओं एवं नगर की महान विभूति महंत हरसिध्दि मंदिर महंत हनुमान टेकरी व शहर काजी एव जिला पंचायत के प्रथम अध्यक्ष शेर सिंह ठाकुर एडवोकेट का शाल श्रीफल व प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मान किया।

नगर पालिका परिषद बैरसिया की अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने कन्याओं की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया इसके बाद मुख्य नगर पालिका अधिकारी जाहिद अली स्वच्छता निरीक्षक संजीव गुप्ता सहित नगर पालिका स्टाफ ने अतिथियों का पुष्प मालाए पहनाकर स्वागत किया।वही स्कूल की छात्राओं द्वारा रंगा रंग सास्कृतिक कार्यक्रमो की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का संचालन समाज सेवी विवेक उपाध्याय कर रहे थे। मुख्य नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता शेर सिंह ठाकुर वेयर हाउस कॉर्पोरेशन के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता बटन लाल साहू पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजमल गुप्ता एवं माखन लाल सर्राफ वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश शर्मा नगर के वरिष्ठ समाज सेवी दीपक दुबे भाजपा जिला ग्रामीण महामंत्री लक्ष्मीनारायण शिल्पी नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष व सभी पार्षद गण स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित शाहिद सैनिकों की पत्नियां भूत पूर्व सैनिक मीसा बन्दी स्कूल की छात्राए नगर के गणमान्य नागरिक नगर पालिका परिषद बैरसिया का स्टाफ मौजूद था।

हाथ से हाथ जोड़ो अभियान संभागीय प्रभारी ने ली कांग्रेस की बैठक

छतरपुर। आज जिला काँग्रेस कार्यालय राजीव भवन में हाथ से हाथ जोडो अभियान के संभागीय प्रभारी चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी ने जिला काँग्रेस कार्यालय राजीव भवन में जिला काँग्रेस कमेटी एवं ब्लॉक अध्यक्षों, समस्त मोर्चा संगठनों की बैठक ली बैठक की अध्यक्षता जिला काँग्रेस अध्यक्ष लखन लाल पटेल ने की इस आशय की जानकारी जिला काँग्रेस प्रवक्ता संतोष तिवारी ने देते हुए बताया कि हाथ से हाथ से अभियान दिनाँक 26 जनवरी से प्रारंभ होकर लगातार दो महीने तक चलेगा इसके अंतर्गत समूचे जिला में कांग्रेस पार्टी घर घर पहुँच कर कांग्रेस राष्ट्रीय नेता पूर्व अध्यक्ष राहुल गाँधी जी का संदेश पहुँचाने का कार्य करेंगे कांग्रेस पूरे देश में लगभग छ- लाख घरों तक पहुँचने की कोशिश करेगी इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री सूर्य प्रताप सिंह बुन्देला, आखिर सिद्दीकी, बल्देव पटैरिया, सरमन लाल मिश्रा, डीलमणि सिंह राजेश सिंह पायक, पूर्व अध्यक्ष मनोज त्रिवेदी, अनीस खान,लखन दुबे, क्षआदित्य सिंह, गायत्री कुशवाहा, पूर्व प्रत्याशी हर प्रसाद अनुरागी, चौबे चौधरी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष लोकेन्द्र वर्मा, सेवा दल अध्यक्ष राजेश शर्मा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवानी चौरसिया, विशाल शर्मा, नाजिम चौधरी, मो. हनीफ, डा. रामबाबू राजपूत, संजय चौरसिया, अजय प्रताप सिंह, दिलीप सिंह क्षत्रिय, विनोद सोनी, हर नारायण यादव, वरूण पटना, अरविन्द, बुन्देला, राघवेंद्र सिंह बुन्देला, हर्षेन्द सिंह, सत्य प्रकाश चौरसिया, आकाश चौरसिया, जयेन्द श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र अहिरवार, लाला भाई अहिरवार, एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का समारोह पूर्वक समापन

छतरपुर आज राष्ट्र पिता महात्मा गॉधी जी की पुण्यतिथि पर जिला काँग्रेस कार्यालय राजीव भवन पर गाँधी जी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर भारत जोडो यात्रा का समापन समारोह पूर्वक सम्पन्न हुआ आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं हाथ से हाथ जोडो यात्रा के संभागीय प्रभारी श्री चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी जी के मुख्य आतिथ्य में जिला काँग्रेस अध्यक्ष लखन लाल पटेल की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यालय से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तिरंगा झंडा लेकर भारत जोडो यात्रा निकाली जोकि छत्रसाल चौराहे से होता हुई पुनः कांग्रेस कार्यालय पर समाप्त हुई इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने छत्रसाल चौराहे पर जमकर आतिशबाजी की इस आशय की जानकारी जिला काँग्रेस प्रवक्ता संतोष तिवारी ने देते हुए बताया कि यात्रा के समापन पर जिला काँग्रेस कार्यालय पर राष्ट्र ध्वज फहराया गया एवं ध्वज को सलामी के साथ राष्ट्रगान गाया गया कार्यक्रम को जिला काँग्रेस अध्यक्ष ने अपने स्वागत उदबोधन 7 सितम्बर से 29 जनवरी तक चली भारत जोडो यात्रा को एतिहासिक करार देते हुए छतरपुर जिला में भारत जोडो यात्रा को सफल बनाने के लिए अपने ब्लॉक कर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चंद्रिका द्विवेदी जी ने यात्रा के वारे में विस्तार से बताते बताया कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. राहुल गांधी जी की भारत जोडो यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक 135 दिन, 12 राज्यों के 75 जिलों से गुजरी जिसमें भारत यात्रियों के साथ करोड़ों भारत वासियों ने यात्रा को सफल बनाने में दिल खोलकर अपना प्यार एवं समर्थन किया राहुल गाँधी जी ने श्री नगर के लाल चौक पर पंडित जवाहरलाल नेहरू जिन्होंने 1948 को तिरंगा फहराया था उसके कल राहुल गाँधी जी ने लाल चौक पर तिरंगा फहराकर यात्रा का समापन किया इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री सूर्य प्रताप सिंह ने ने सभी का आभार प्रकट किया कार्यक्रम में कार्यालय प्रभारी सरमन लाल मिश्रा, भारत जोडो यात्रा के जिला प्रभारी आविद सिद्दीकी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष परमानन्द विश्वकर्मा,शहर कांग्रेस अध्यक्ष अरविन्द गोस्वामी, कोषाध्यक्ष चौबे चौधरी, सेवादल अध्यक्ष राजेश शर्मा, महिला सेवादल अध्यक्ष गायत्री कुशवाहा, महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष धीरज मिश्रा, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष लोकेन्द्र वर्मा, चंदला विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी हर प्रसाद अनुरागी, ब्लॉक अध्यक्ष हर नारायण यादव, पार्षद शिवसिंह यादव, महासचिव डा रामबाबू राजपूत, हनीफ खान,यूथ सेवादल विंग के अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, लाला भाई अहिरवार, रविशंकर अहिरवार, राजेन्द्र सिंह चौका, अल्पसंख्यक कांग्रेस अध्यक्ष नाजिम चौधरी, महेश गोस्वामी,विशाल शर्मा, एन एस यू आई महासचिव विवेक गोपाल अग्रवाल, आईटी सेल से मनीष तिवारी मातगुवाँ, गोरेलाल राजपूत, स्वराज खान , संदीप पटेल, दुलीचंद पटेल,डैनी, अर्जुन, लोकेन्द्र चंदेल, अतुल वर्मा मुन्ना महोबिया, अनुज द्विवेदी, मनोज बंसल एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे

पहली बार नपा के तत्वावधान में सुकन्या अभियान का शुभारंभ

नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने 11 कन्याओं को स्वयं की राशि से खाते खुलवाकर पासबुक प्रदान

सीहोर। भारतीय डाक विभाग द्वारा दिनांक 9 एवं 10 फरवरी को 7.5 लाख सुकन्या समृद्धि खाता खोलने का संकल्प लिया है जिसमें से 2500 खाते सीहोर डाक संभाग में खोले जाएंगे। इसी तारतम्य में सीहोर नगर पालिका को संपूर्ण सुकन्या नगरपालिका बनाने हेतु डाक विभाग तथा नगर पालिका सीहोर द्वारा अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान का शुभारंभ कार्यक्रम सोमवार को बृजेश कुमार पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर परीक्षेत्र की अध्यक्षता एवं नगर पालिका के अध्यक्ष प्रिंस राठौर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में विपिन सस्ता विशिष्ट अतिथि एवं विभिन्न वार्ड पार्षद विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में उपस्थित हुए। इस मौके पर पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर ने कहा कि संपूर्ण मध्यप्रदेश में बार पहली सुकन्या अभियान का शुभारंभ नगर पालिका के तत्वाधान में आयोजित किया गया है। इससे पहले सांसद, विधायक आदि ने इस अभियान की शुरूआत की थी, लेकिन सीहोर नगर पालिका मध्यप्रदेश में पहली नगर पालिका है, जिसने इस अभियान को गति दी है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर द्वारा अपनी ओर से 11 सुकन्याओं के खाते कार्यक्रम स्थल पर ही खुलवा कर सभी खाताधारकों को पासबुक का वितरण पोस्ट मास्टर जनरल महोदय के साथ संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम के आयोजक अधीक्षक डाकघर सीहोर एसके नेमा द्वारा योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की तथा सुनील सोलंकी सहायक अधीक्षक डाकघर सीहोर द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। इस दौरान विभिन्न वार्ड पार्षदों द्वारा भी अपने वार्ड की सुकन्याओं के खाते खुलवाए गए। डाक विभाग की ओर से पोस्ट मास्टर जनरल द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष एवं सभी पार्षदों को उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सुकन्या खातों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु शाखा डाकपाल दिवडिया राम सिंह कुंभकार, शाखा डाकपाल कुलासकला रोहित प्रजापति तथा शाखा डाकपाल जानपुर बावा?या श्रीमती कविता

बरमानकलां घाट पर हुआ निर्झरणी महोत्सव का आयोजन

नरसिंहपुर। नर्मदा जयंती पर शनिवार को नर्मदा तट के समीप बरमानकलां घाट पर सांस्कृतिक संध्या निर्झरणी महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व राज्यमंत्री व नरसिंहपुर विधायक जालम सिंह पटैल एवं कलेक्टर सुश्री ऋचु बाफना ने दीप प्रज्जवलित कर किया। विधायक श्री पटैल ने नर्मदा जयंती की शुभकामनायें दी।

पवित्र माँ नर्मदा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए निर्झरणी महोत्सव का आयोजन मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया। निर्झरणी महोत्सव के दौरान नर्मदा केन्द्रित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति जबलपुर की सुश्री शालिनी खरे एवं साथियों ने दी। उन्होंने कत्थक शैली में नृत्य की मनोरम प्रस्तुति दी। उन्होंने मां नर्मदा की पवित्र प्रवाह यात्रा और पश्चिममुखी होने की कथा को शास्त्रीय शैली में कत्थक के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसमें सुर-ताल का अच्छा तालमेल रहा।नर्मदा केन्द्रित लोक गायन उमरिया के श्री डीएल दाहिया एवं साथियों ने प्रस्तुत किया। उन्होंने बघेली/ मैथिली बोली में मां नर्मदा पर आधारित गीतों की प्रस्तुति और गणेश वंदना की। उन्होंने मैया नरबदा की पावन जयंती, बरमान घाट में छा गई बसंती बड़ा प्यारा सजा है दरबार, नरबदा मैया प्यारा सजा÷ और अन्य नर्मदा गीत प्रस्तुत किये।

इसी श्रृंखला में ग्वालियर की सुश्री यखिलेश- अनुज प्रताप एवं उनके सथियों ने ध्रुपद गायन की मनोरम प्रस्तुति दी। उन्होंने गणपति श्री गणेश, गिरजासुत गणेश, लम्बोदर गजानन.. गीत के माध्यम से गणेश वंदना की। उन्होंने राग भूपाली में हर- हर नर्मदे मां, जगकल्याणी मां, तूझको प्रणाम... अच्छी जुगलबंदी से ध्रुपद गायन प्रस्तुत किया। इसके बाद उन्होंने राग बागेश्री में ÷माता रेवा- रेवा- माता रेवा, रेवा- ऋषि मुनि ध्यावत, तू कल्याणी मां, हर-हर नर्मदे मां... के माध्यम से भक्ति गायन की अनुपम प्रस्तुति दी। श्रोताओं ने इसे बहुत सराहा।विधायक श्री पटैल, कलेक्टर सुश्री ऋचु बाफना ने निर्झरणी महोत्सव में आये कलाकारों को मां नर्मदा की फोटो देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता ठाकुर, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतिज्ञा परिहार, सीईओ जिला पंचायत डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, एसडीएम श्रीमती सृष्टि जयंत देशमुख व श्री मणिन्द्र कुमार सिंह, श्री रामनारायण सोनी, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी श्रद्धालु मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन श्री अंशुल दुबे ने किया।

रेलवे ने रोकी हैवी वाहनों की आवाजाही, यात्री परेशान

बैतूल। रेलवे ने गंज के अंडर ब्रिज से हैवी वाहनों के साथ बसों की आवाजाही रोक दी है। अंडर ब्रिज के दोनों ओर लोहे के हाइट गेज और प्रतिबंध का बोर्ड लगा दिया है। इस कारण बसें भारी वाहन यहां से गुजर नहीं सके। अब यहां से बसों की आवाजाही रुकने के कारण लगभग 80 बस गंज स्टैंड की ओर जा रही हैं। ऐसे में यात्रियों को कोठी बाजार बस स्टैंड, कारगिल चौक या गेंदा चौक पर उतरकर वहां से ऑटो करके अपने घरों तक जाना पड़ रहा है। इधर बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने इस तरह रास्ता बंद करने को गलत बताया और बसों की आवाजाही पहले की तरह शुरू रखने की मांग की। गंज बस स्टैंड पर चिचोली, हरदा, भीमपुर, दामजीपुरा, भैंसदेही और परतवाड़ा की ओर से आने वाली 80 बसें गंज अंडर ब्रिज होते हुए आती हैं।

बीजेपी कार्यालय के समीप के गंज अंडर ब्रिज के रास्ते पर हाइट गेज 12 से 13 फीट की ऊंचाई पर कर दिया है। वहीं अंडर ब्रिज के दूसरी ओर हिस्से में गंज मोक्षधाम के समीप लोहे के दो खंभे लगाकर रास्ता बंद करने की तैयारी है। यहां पर यह रास्ता हैवी वाहनों के लिए नहीं है। केवल छोटे वाहन ही यहां से गुजरें के बोर्ड लगा दिए हैं।

नवंबर में मेंटेनेंस वर्क हुआ, जनवरी में दोबारा रिपेयरिंग गंज के अंडर ब्रिज और सड़क का मेंटेनेंस वर्क नवंबर 2022 में किया था। जनवरी में अब दोबारा रिपेयरिंग हो रही है। ठेकेदार के काम पर सवाल उठ रहे हैं। बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास आर्य ने बताया कि बसों की आवाजाही बंद करके इस अंडर ब्रिज के कमजोर मरम्मत वर्क को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। क्योंकि यहां बसों की आवाजाही यदि चालू रही तो सड़क की स्थिति दोबारा उजागर हो जाएगी।

इनका कहना है

लोगों को परेशानी नहीं हो ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी इस बारे में बैतूल के रेलवे के अधिकारियों से बातचीत की जाएगी। यह रास्ता बसों के लिए क्यों बंद किया है इस बारे में जानकारी ली जाएगी। लोगों को परेशानी नहीं हो ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी।

अमोल गहूंकर, पीआरओ, नागपुर रेल मंडल

पुराने रूट पर बस चलें ऐसे प्रयास करेंगे इस संबंध में रेलवे के अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। यात्रियों की परेशानी दूर करने का प्रयास करते हुए पत्र व्यवहार भी किया जाएगा। पुराने रूट पर ही बसें चलें इसके लिए प्रयास किया जाएगा।

अनुराग शुक्ला, जिला परिवहन अधिकारी

हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में सर्वाधिक बिक्री मात्रा में 40 प्रतिशत से अधिक की उपस्थिति दर्ज की

नई दिल्ली, एजेंसी। हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड जो भारत की अग्रणी इस्पात प्रसंस्करण कंपनियों में से एक है, ने 31 दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए अपने वित्तीय परिणामों की सूचना दी, जिसमें वित्तीय वर्ष 23 की तीसरी तिमाही का राजस्व 29 प्रतिशत से बढ़कर वित्तीय वर्ष 22 के 440.02 करोड़ रुपये की तुलना में वित्तीय वर्ष 23 तक 569.29 करोड़ रुपये हो गया। ठीक उसी तरह वित्तीय वर्ष 22 की तृतीय तिमाही में कुल बिक्री मात्रा 40 प्रतिशत बढ़कर 65,088 टन की तुलना में 91,232 टन हो गई; इसी प्रकार कर पश्चात लाभ 28 प्रतिशत बढ़कर वित्तीय वर्ष 22 की तीसरी तिमाही में 10.17 करोड़ रुपये की तुलना में 13.02 करोड़ रुपये हो गया। इस बीच, इसने सिकंदराबाद, यूपी में 50,000 एमटीपीए की स्थापित क्षमता के साथ कलर कोटिंग लाइन का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया, जो मौजूदा कोल्ड रोलिंग और सतत गैल्वनाइजिंग लाइन सुविधा के लिए एक फॉरवर्ड इंटीग्रेशन है। कंपनी मौजूदा सुविधाओं के समग्र क्षमता उपयोग में वृद्धि की साक्षी रही है। कंपनी ने हाल ही में ग्रुप कैप्टिव यूज़र के तौर पर सोलर पावर परचेज एग्रीमेंट के तहत ऐमप्लस आरजे सोलर प्राइवेट लिमिटेड से 5 एमडब्ल्यूपी (मेगावॉट पीक) की बिजली खरीदना शुरू किया है। सिकंदराबाद, यूपी के लिए कंपनी की अधिकतम बिजली की आवश्यक सुविधा अब सौर ऊर्जा से पूरी हो गई है। इससे बिजली की लागत बचाने में काफी मदद मिलेगी, जो कंपनी की निर्माण प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण लागत तत्व साबित होगी। इसके अलावा, वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करके कार्बन फुटप्रिंट में कमी आएगी। यह कंपनी के लिए ऊर्जा का नवीकरणीय और वैकल्पिक स्रोत होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, श्री अजय कुमार बंसल, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने कहा कि, इस तिमाही के दौरान कंपनी ने राजस्व, उच्चतम बिक्री मात्रा और लाभप्रदता के मामले में अच्छी संख्या दर्ज की है, यह मुख्य रूप से बेहतर क्षमता उपयोग, बेहतर बिक्री प्राप्तियों और मूल्य वर्धित उत्पादों के हिस्से में वृद्धि के कारण हुआ है। हमारी नई कलर कोटिंग लाइन का व्यावसायिक उत्पादन इस महीने में शुरू हुआ है, हमें खुशी है कि यह उच्च मार्जिन मूल्य वर्धित उत्पाद माध्यम से दीर्घावधि में मिश्रित स्तर पर कंपनी के मार्जिन को मज़बूत करने में मदद करेगा। पर्यावरण और निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अब हमारे सिकंदराबाद, उ.प्र. संयंत्र में बिजली की अधिकतम आवश्यकता को अब नवीकरणीय संसाधनों द्वारा पूरा किया जाएगा। हम कंपनी के रूप में हमेशा समाज के साथ-साथ प्रकृति की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। न केवल पर्यावरण के मोर्चे पर बल्कि यह विकास हमारी निर्माण प्रक्रिया में लागत तत्व को काफी कम करने में भी मदद करेगा।

सैमसंग 1 फरवरी को नई एस सीरीज़ का लॉन्च करेगा, बेहतरीन ऑफर्स के लिए अभी प्रि-रिज़र्व करें

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग गैलेक्सी इनोवेशन के नए युग की शुरुआत करते हुए 1 फरवरी को नई गैलेक्सी एस सीरीज़ लॉन्च करेगा। अनपैक्ड से पहले सैमसंग में एमएक्स बिज़नेस के प्रेसिडेंट एवं हेड, टीएम रोह ने कहा कि नई गैलेक्सी एस सीरीज़ अल्टीमेट प्रीमियम अनुभव को परिभाषित करेगी। उन्होंने बताया कि सैमसंग अपेक्षाओं को बढ़ाकर सर्वश्रेष्ठ के नए मानक स्थापित कर रहा है। टीएम रोह ने कहा, ''इस साल गैलेक्सी एस सीरीज़ ने हमारे मूलभूत सिद्धांतों को दोगुना कर हमारी इनोवेशन की विरासत का विस्तार किया है। इसी कारण हमारा प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम और ज्यादा स्मार्ट हो गया है, और हमारे गैलेक्सी स्मार्टफोंस में हर तरह की रोशनी में सर्वश्रेष्ठ फोटो और वीडियो प्रदान करता है। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के ऑप्टिमाईज़ेशन के साथ हमारी नई चिपसेट सैमसंग की ओपन पार्टनरशिप की फिलॉसफी के अंतर्गत बनाई गई हैं, जो ज्यादा तेज और सबसे शक्तिशाली गैलेक्सी परफॉर्मेंस प्रदान करती हैं। हमारी ईकोसिस्टम कनेक्टिविटी भी पहले से ज्यादा आसान और सुगम हो रही है।''गैलेक्सी एस सीरीज़ में सबसे ऊपर हमारा गैलेक्सी एस अल्ट्रा है, जो पहले से बेहतर प्रदर्शन और क्वालिटी के साथ आपको सर्वश्रेष्ठ अनुभव प्रदान करेगा।हमने सबसे लोकप्रिय गैलेक्सी नोट के अनुभव को अल्ट्रा में डाल दिया है, यह स्मार्टफोन दो गैलेक्सी इनोवेशंस को एक में डालकर पॉवर, परफॉर्मेंस और क्रिएटिव क्षमताओं का बेहतरीन मिश्रण है। गैलेक्सी एस अल्ट्रा सैमसंग द्वारा सर्वोच्च स्तर का मोबाईल इनोवेशन है, यह सबसे खास और सबसे अलग है। जल्द ही आपको देखने को मिलेगा कि अल्ट्रा अलग-अलग डिवाईस श्रेणियों में क्या कर सकता है।

आईडीबीआई बैंक ने क्यू 3 एफवाय23 में 927 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया

मुंबई , एजेंसी। आईडीबीआई बैंक ने 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तीसरी तिमाही के लिए 60 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 927 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। बैंक ने पिछले वर्ष की तिमाही में 578 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। आईडीबीआई बैंक का परिचालन लाभ 2,051 करोड़ रहा, 16 प्रतिशत वाओवाय की वृद्धि। एनआइआइ 2,925 करोड़ पर रहा, 23 प्रतिशत वाओवायऔर 7 प्रतिशत क्यूओ क्यू की वृद्धि हुई। कुल जमा अनुपात में कासा 54.44 प्रतिशत रहा।

आईटीआइ म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया आईटीआई फ्लेक्सीकैप फंड

मुंबई, एजेंसी। आईटीआई म्यूचुअल फंड ने अप्रैल 2019 में अपना परिचालन शुरू किया था और तब से अब तक निवेशकों के लिए बाजार में 16 मुख्यधारा के म्यूचुअल फंड उत्पाद लॉन्च किए हैं। यह एएमसी यानी एसेट मैनेजमेंट कंपनी एक बड़े रूढ़िवादी कैश-रिच व्यापार समूह द्वारा समर्थित है। इतने कम समय में, समूह ने यह सुनिश्चित किया है कि निवेशकों के लिए एक आसान दीर्घकालिक निवेश अनुभव बनाने के लिए एएमसी के भीतर प्रशासन, लोग, प्रक्रियाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर यानी बुनियादी ढांचा अच्छी तरह से स्थापित हों। आईटीआई म्यूचुअल फंड ने एक एनएफओ आईटीआई फ्लेक्सी कैप फंड के लॉन्च की घोषणा की है। यह एनएफओ आज 27 जनवरी को खुल रहा है और 10 फरवरी, 2023 को सब्सक्रिप्शन के लिए बंद हो जाएगा। न्यूनतम आवेदन राशि 5000 रुपये और उसके बाद 1 रुपये के गुणक में है। फंड का प्रबंधन श्री धीमंत शाह और श्री रोहन कोर्डे द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। आईटीआई फ्लेक्सी कैप फंड को निफ्टी 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स के खिलाफ बेंचमार्क किया जाएगा। यह फंड मुख्य रूप से लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी से संबंधित उपकरणों में निवेश करेगा। यह एनएफओ उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प है जो लंबी अवधि के लिए बाजार में निवेश करना चाहते हैं। एनएफओ के लॉन्च की घोषणा करते हुए आईटीआई म्यूचुअल फंड के मुख्य निवेश अधिकारी श्री राजेश भाटिया ने कहा कि आईटीआई फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्च के पीछे उद्देश्य निवेशकों को अलग अलग मार्केट कैप और डाइवर्स सेक्टर में अपना निवेश बनाए रखने का लाभ देना है। कैपेक्स साइकिल के और बढ़ने की उम्मीद के साथ, निवेशकों को कई उद्योगों में ग्रोथ वर्क यानी विकास वक्र का अनुभव करने का अवसर मिल सकता है। मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड और निवेश के एक बेहतर विकल्प के साथ, आईटीआई म्यूचुअल फंड विभिन्न तरह के जोखिम उठाने की क्षमता वाले सभी निवेशकों को निवेश समाधान प्रदान करने पर केंद्रित है।

सालों से घाटे में चल रही एयर इंडिया के बदलेंगे दिन ! पहली बार मुनाफे में आएगी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कई सालों से घाटे में चल रहे 'महाराजा' के दिन अब बदलने वाले हैं क्योंकि पहली बार एयर इंडिया को अच्छा मुनाफा होने जा रहा है। एयर इंडिया अपनी कम लागत वाली सहायक कंपनी, एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ इस वित्तीय वर्ष में अच्छा लाभ हासिल करने की संभावना है। अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर बेहतर आय और लागत के बेहतर प्रबंधन ने एयर इंडिया और सहायक एयर इंडिया एक्सप्रेस में वित्तीय प्रदर्शन को बढ़ावा दिया है क्योंकि वे 31 मार्च को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए कई वर्षों में ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले पहली सकारात्मक कमाई करने के लिए तैयार हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस को छोड़कर, जो मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के लिए कम लागत वाली उड़ानें संचालित करती है, जहां पैदावार अधिक होती है, एयर इंडिया को स्टैंडअलोन आधार पर लगभग 2,450 करोड़ रुपए का परिचालन घाटा होने का अनुमान है, जो 7,000 रुपए का लगभग एक तिहाई है। ग्राउंडेड विमानों को सेवा में वापस लाने की लागत पर निरंतर नुकसान का आरोप लगाते हुए लोगों ने कहा कम्पनी को वित्त वर्ष 2022 में करोड़ों का नुकसान हुआ। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि कंसोलिडेटेड ऑपरेटिंग बेसिस पर यह कितना कमा सकती है।

राजस्व में सुधार के लिए उठाए कई कदम- इस मामले में एयर इंडिया ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। पिछले साल जनवरी में एयर इंडिया का अधिग्रहण करने के बाद से नमक से स्टील बनाने वाले टाटा समूह ने अपने राजस्व उत्पादन में सुधार और लागत कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। लोगों ने कहा कि उन पहलुओं के अब परिणाम दिखने लगे हैं। दिसंबर महीन में, एयर इंडिया ने 3,100 करोड़ रुपए का स्टैंडअलोन यात्री राजस्व दर्ज किया, जो एयरलाइन के लिए अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है। एयरलाइन के लिए राजस्व प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है जबकि निजीकरण से पहले एयर इंडिया प्रति दिन 70 करोड़ रुपए कमा रही थी, अब यह कम क्षमता के साथ भी प्रति दिन 100 करोड़ रुपए कमाती है।

टाटा समूह के तहत एयरलाइन ने कई उपायों को लागू किया है, जैसे ट्रैवल एजेंटों के लिए प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहन और राजस्व प्रबंधन के लिए नए सॉफ्टवेयर पेश करना। इनसे मूल्य निर्धारण के साथ-साथ बिजनेस क्लास लोड फैक्टर में सुधार करने में मदद मिली है, जिससे उपज में वृद्धि हुई है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मार्गों पर आपूर्ति में भारी वृद्धि हुई है, क्योंकि आपूर्ति श्रृंखला की कमी के कारण उद्योग में नए विमानों को शामिल करने की गति धीमी बनी हुई है।

यूएस और यूरोपीय एयरलाइनों के लिए रूसी हवाई क्षेत्र के बंद होने से एयर इंडिया को भी लाभ हुआ, जिससे भारत में उनका पारगमन समय लंबा हो गया और कुछ मामलों में कई उड़ानें अव्यवहार्य हो गईं। एयरलाइन ने प्रतिद्वंद्वियों से प्रतिभा का शिकार किया है और प्रथाओं में सुधार के लिए सलाहकार नियुक्त किए हैं। कंसल्टेंसी फर्म ऑक्टस एडवाइजर्स इसकी कमर्शियल टीम के साथ जुड़ी हुई है, जबकि बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप ट्रेनिंग और हायरिंग में मदद कर रहा है। हालांकि, एयरलाइन की इकाई लागत या प्रति उपलब्ध सीट मील की लागत उच्च बनी हुई है क्योंकि यह ग्राउंडेड विमानों को सेवा में वापस लाने और अपने विमानों के अंदरूनी हिस्सों को नवीनीकृत करने पर खर्च कर रही है।

दुनिया के अमीरों में दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने का क्रेज

दुबई में भारतीयों ने 7 साल में खरीदी 1.86 लाख करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर के अमीरों में दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। भारतीय भी पीछे नहीं हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दुबई में अप्रैल 2015 से मार्च 2022 के बीच 1.86 लाख करोड़ रुपए की अचल संपत्ति सिर्फ भारतीय नागरिकों ने खरीदी है। रिकॉर्ड में यह बात भी सामने आई है कि दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने का शौक भारतीयों में 2004 के बाद तेजी से बढ़ा है।

यहां प्रॉपर्टी खरीदने वाले बाहरी देशों के नागरिकों की संख्या में भारत के लोग ब्रिटेन और रूस के बाद तीसरे स्थान पर हैं। इसकी वजह एक खास नियम भी है, जिसके तहत यहां प्रॉपर्टी खरीदने वाला 10 साल तक बिना वीसा भी रह सकता है। कोरोनाकाल के बाद 2022 में दुबई में प्रॉपर्टी की डिमांड तेजी से बढ़ी।

30 हजार रु./वर्ग फीट तक पहुंच रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी की कीमत- रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी की कीमत 30 हजार रु./वर्ग फीट तक पहुंच गई है। दुबई के बड़े डेवलपर डेन्यूब रियल एस्टेट के मालिक रिजवान साजन ने बताया कि पिछले एक साल में रूस, यूक्रेन और ब्रिटेन के अमीरों का रुख दुबई की ओर हुआ है। इसकी एक वजह तो युद्ध हो सकती है, जबकि दूसरी वजह ब्रिटेन में तेजी से बढ़ी प्रॉपर्टी की कीमतें हैं। दुबई में प्रॉपर्टी की कीमतें यूरोप के मुकाबले धीमी गति से बढ़ी हैं।

दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने के मामले में भारतीय वैसे तो टॉप-5 में पिछले 20 साल से बने हुए हैं। लेकिन, लग्जरी प्रॉपर्टी खरीदने के मामले में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। रियल एस्टेट के लग्जरी सेग्मेंट के बड़ी डेवलपर कंपनी दामेक प्रॉपर्टीज की रिलेशनशिप मैनेजर जाइना समाद ने बताया कि यहां वही भारतीय बसना चाहते हैं, जो जरूरत पड़ने पर चंद घंटों में भारत आ-जा सकते हैं।

रियल एस्टेट सेक्टर में निवेशकों की संख्या 53 प्रतिशत बढ़ी- यूरोप-अमेरिका के देशों से ऐसा संभव नहीं है। समाद के अनुसार, दुबई रियल एस्टेट ने 2022 में खरीद वैल्यू में 76.5 प्रतिशत और संख्या में 44.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। ये आश्चर्यजनक आंकड़े हैं। रियल एस्टेट सेक्टर में निवेशकों की संख्या सिर्फ एक साल में ही 53 प्रतिशत तक बढ़ी है, जोकि एक रिकॉर्ड है।

दुबई भूमि विभाग के महानिदेशक सुल्तान भुट्टी बिन मेजरेन ने बताया, 'अमीरात के रियल एस्टेट सेक्टर का पूरा फोकस भविष्य के लिए नए शहर विकसित करने पर है। 2026 तक हम दुबई को दुनिया के सबसे बेहतरीन रेसिडेंशियल हब के रूप में विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। 2022 में अमीरात में प्रॉपर्टी के कुल 1,22,658 सौदे हुए, जो 2021 से 44.7 प्रतिशत अधिक हैं। 2033 तक दुबई की अर्थव्यवस्था का आकार दोगुना करने का लक्ष्य है।'

दुबई प्रशासन के अनुसार, रियल एस्टेट सेक्टर के लिए 2040 का मास्टर प्लान बन चुका है। उसी के तहत योजनाबद्ध तरीके से प्रॉपर्टी विकसित की जा रही है, ताकि भविष्य में रेसिडेंशियल सेक्टर की ग्रोथ तेजी से बढ़ती रहे। प्रॉपर्टी पर सबसे कम टैक्स भी यहां आकर्षण बना रह सकता है।

अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए देरी से चल रहीं परियोजनाओं को मिल सकती है ज्यादा पूंजी

नई दिल्ली, एजेंसी। खपत एवं रोजगार के जरिये अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने के लिए सरकार 2023-24 के बजट में बुनियादी ढांचा क्षेत्र को और मजबूत करने पर जोर दे सकती है। इसके लिए पीएम गति शक्ति मिशन के तहत आने वाली उन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को अधिक वित्तीय समर्थन मिला सकता है, जो देरी से चल रही हैं। इन परियोजनाओं की पहचान हो चुकी है। लेकिन, इन्हें न तो मंजूरी मिली है और न ही फंड आवंटित किया गया है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने विभिन्न मंत्रालयों से ऐसी परियोजनाओं के लिए मंजूरी प्राप्त करने को कहा है। अधिकारी ने कहा, संबंधित विभाग देरी वाली परियोजनाओं की एक सूची बनाएंगे। हालांकि, 2023-24 के बजट में इन्हें कितना वित्तीय समर्थन मिलेगा, इस पर अंतिम फैसला वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लेना है।

200 से अधिक परियोजनाओं की पहचान- गति शक्ति मिशन की घोषणा सितंबर, 2021 में हुई थी। इसके बाद से सरकार देरी से चल रहीं 200 से ज्यादा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की पहचान की है। इनमें पोर्ट कनेक्टिविटी, इस्पात, कोयला, उर्वरक और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण से जुड़ीं परियोजनाएं शामिल हैं। अधिकारी ने कहा, इनमें से कुछ परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है और कई को मंजूरी की जरूरत है।

100 लाख करोड़ की योजना से और मजबूत होगा क्षेत्र- पीएम गति शक्ति मिशन 100 लाख करोड़ की योजना है। इसका मकसद देश के बुनियादी ढांचा क्षेत्र को और मजबूत करना है। यह रेल और सड़क सहित कुल 16 मंत्रालयों को साथ लाने का एक डिजिटल मंच है। इन मंत्रालयों को इस मंच पर लाकर बड़ी परियोजनाओं के लिए समन्वय स्थापित करना है। सभी विभागों के एक ही मंच पर आने से उन्हें दूसरे विभागों की परियोजनाओं के बारे में पता चलेगा। इस मिशन को बेहतर तरीके से चलाने की जिम्मेदारी डीपीआईआईटी के लॉजिस्टिक्स विभाग की है। वित्त मंत्री ने पूंजीगत निवेश बढ़ाने के लिए अप्रैल, 2022 में राज्यों को एक लाख करोड़ की मदद की घोषणा की थी।

कर्मचारियों की संख्या में फिर कटौती करेगी फिलिप्स, 6000 लोगों की छंटनी का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक निर्माता कंपनी फिलिप्स ने अपने कर्मचारियों की संख्या में कटौती की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है कि वह दुनिया भर में 6,000 से ज्यादा नौकरियों को खत्म कर रही है। इस खबर के बाद से कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों के बीच जॉब जाने का खतरा बढ़ गया है। आपको बता दें कि इस घोषणा से तीन महीने पहले फिलिप्स ने 4,000 जॉब की कटौती की थी।

इस वजह से हो रहे जॉब कट

जॉब में कटौती करने के पीछे फिलिप्स से हाल में हुए रिकॉल से हुए कंपनी के नुकसान को वजह बताया है। कंपनी ने बताया कि कुछ समय पहले कंपनी ने दोषपूर्ण स्लीप रेस्पिरेटर्स की वजह से भारी मात्रा में अपने उत्पादों को वापस लिया था। इसे संयुक्त राज्य अमेरिका में कई मुकदमों का सामना भी करना पड़ रहा है। इससे फर्म को 2022 की चौथी तिमाही के लिए 105 मिलियन यूरो (114 मिलियन डॉलर) का नुकसान हुआ, जबकि पिछले वर्ष के लिए कुल 1.605 बिलियन यूरो का नुकसान कंपनी को उठाना पड़ा।

महिला उद्यमियों के लिए सबसे मुफीद बेंगलुरू

विश्व के 55 शहरों की लिस्ट में दिल्ली और मुंबई भी शामिल, टॉप पर न्यूयॉर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली, बेंगलुरू और मुंबई को महिला उद्यमियों के लिए काम करने योग्य शीर्ष 55 वैश्विक शहरों में शामिल किया गया है। ये शहर महिला कारोबारियों को लाभकारी माहौल प्रदान कर रहे हैं।

डेल टेक्नोलॉजीज-2023 वूमन एंटरप्रेन्योर सिटीज (डब्ल्यूई सिटीज) इंडेक्स के मुताबिक, भारत में महिला उद्यमियों के लिए बेंगलुरू काम करने के लिहाज से सबसे अनुकूल शहर है। इस मामले में बेंगलुरू दुनिया में 5वें नंबर पर है।

पेरिस और वॉशिंगटन डीसी से आगे बेंगलुरू - रिपोर्ट में बताया गया कि यह पहली बार है जब पेरिस और वॉशिंगटन डीसी जैसे शहरों से आगे बेंगलुरू इस सूची में है। डेल टेक्नोलॉजीज इंडिया की निदेशक और महाप्रबंधक स्वाति मिश्रा ने कहा, ÷महिला उद्यमी प्रौद्योगिकी कौशल को महत्वपूर्ण मानती हैं, लेकिन डिजिटल युग में नेविगेट करने में सक्षम होने के लिए समझ के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं।

मुंबई पहली बार इस लिस्ट में शामिल- इस बार सूचकांक में दुनियाभर के 5 नए शहरों को शामिल किया गया है। इसमें मुंबई के अलावा मोंटपेलियर, ऑकलैंड, वेलिंगटन और हैम्बर्ग हैं। यह भारत का तीसरा शहर है, जो इस सूचकांक में शामिल किया गया है। इससे पहले दिल्ली को भी इसमें जगह मिली है।

ज़िकित्ज़ा हेल्थकेयर ने आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में खुद को इंडस्ट्री लीडर के रूप में स्थापित किया

एकीकृत आपातकालीन सेवाओं, कॉर्पोरेट स्वास्थ्य सेवाओं और अंतर्राष्ट्रीय सेवाओं के क्षेत्रों में मजबूत उपस्थिति

- **कंपनी ने करीब साढ़े पांच साल में प्रदेश के 1 करोड़ 11 लाख लोगों को दी आपातकालीन चिकित्सा सुविधा**

मुंबई, एजेंसी। वर्ष 2005 में लोगों का जीवन बचाने के लक्ष्य से एवं उनकी मदद करने के लिए 5 युवाओं ने ज़िकित्ज़ा हेल्थकेयर लिमिटेड की स्थापना की और आज खुद को आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा के क्षेत्र में इंडस्ट्री लीडर के रूप में स्थापित किया है।

संस्थापकों ने देश में संगठित और पेशेवर एम्बुलेंस प्रदाताओं की आवश्यकता को पहचाना और इस प्रकार भारत में सर्वश्रेष्ठ आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा बनाने की यात्रा शुरू की।

ज़िकित्ज़ा हेल्थकेयर लिमिटेड द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में एकीकृत आपातकालीन सेवाएँ, कॉर्पोरेट स्वास्थ्य सेवाएँ और अंतर्राष्ट्रीय सेवाएँ शामिल हैं। कंपनी ने वर्षों से सरकारी संगठनों के साथ सार्वजनिक और निजी साझेदारी मोड के माध्यम से और भारत के साथ-साथ विदेशों में कई कॉर्पोरेट ग्राहकों के साथ भागीदारी की है।

कंपनी की अब तक की यात्रा और भविष्य की संभावनाओं के बारे में बात करते हुए ज़िकित्ज़ा हेल्थकेयर लिमिटेड में सरकारी व्यवसाय के प्रमुख श्री जितेंद्र शर्मा ने कहा, जब ज़िकित्ज़ा हेल्थकेयर लिमिटेड ने अपनी यात्रा शुरू की तो किसी के लिए भी एंबुलेंस मिलना मुश्किल था। लेकिन अत्याधुनिक तकनीकों और बड़ी आबादी वाले राज्य जैसे की उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पंजाब और पूर्व में मध्य प्रदेश में

सेवाएं प्रदान करने की क्षमता, हम अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सक्षम हुए हैं और 108 एम्बुलेंस सेवाओं का संचालन और प्रबंधन करके 48 मिलियन से अधिक लोगों की सेवा करने में सक्षम हुए हैं। यह सब राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और संबंधित राज्य सरकारों के माध्यम से हमें प्रदान किए गए समर्थन के माध्यम से ही संभव हो पाया है। हम अपने क्रू मेम्बेर्स को भी धन्यवाद देना चाहते हैं जिनके समर्थन के बिना इस उपलब्धि को हासिल करना असंभव होता।

ज़िकित्ज़ा हेल्थकेयर लिमिटेड अपनी सेवाओं और दायित्वों के प्रति हमेशा ईमानदार और निष्ठावान रहा है। मध्यप्रदेश में इमरजेंसी सेवाओं का संचालन करते हुए हमने सभी नियमों का पालन किया। कॉल आते ही कम से कम समय में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई और अब सेवा अवधि पूरी होने के बाद हम अपने कर्मचारियों के प्रति दायित्व भी निभा रहे हैं।

डोनाल्ड डेनियल - हेड ऑफ ह्यूमन रिसोर्स के अनुसार, गौरतलब है कि कंपनी द्वारा मध्यप्रदेश शासन की टेंडर शर्तों के मुताबिक 20 अक्टूबर 2016 से काम शुरू किया गया था और 30 अप्रैल 2022 तक सेवाएं दी गईं। इस दौरान 1450 एम्बुलेंस वाहनों (800 से ज्यादा जननी एक्सप्रेस एवं 600 से ज्यादा 108 एम्बुलेंस) से 1 करोड़ 11 लाख लोगों को आपातकालीन सेवा दी गई। मप्र में, हमने एक कंपनी के तौर पर उनके पूर्व कर्मचारियों के प्रति अपने सभी दायित्वों को पूरा करना सुनिश्चित किया है। सभी कर्मचारियों के हितों और लाभों को कंपनी द्वारा संरक्षित किया गया था और 80त्न कर्मचारियों को अब तक स्वहस्त संसाधित किया गया है, जिनमें से 50त्न का भुगतान नीति के अनुसार किया गया है।

पंचदिवसीय प्राणप्रतिष्ठा महा महोउत्सव का हुआ समापन

छिंदवाड़ा । बाज़ार चौक में श्री श्री 1008 शिवलिंग नंदी श्री गणेश श्री हनुमान जी के पंचदिवसीय प्राण प्रतिष्ठा के समापन महा महोउत्सव पर विशेष कार्यक्रम पूजन पाठ हवन पूर्णाहुति, विशाल भंडारा, और रात्रि में विशाल देवी जागरण (दुर्गेश्वरी देवी जागरण एवं आर्केस्टा ग्रुप) के द्वारा भव्य जागरण प्रस्तुति किया गया हजारो की संख्या में धर्मप्रेमी बन्धुओं शिवभक्तों ने सहपरिवार सभी कार्यक्रमो में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया और पुण्यलाभ अर्जित किया बाजार चौक सारना समिति सभी का जिन्होंने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से तन मन धन से सहयोग प्रदान किया सभी बंधुओं का आभार साधुवाद प्रेषित करती है।

संयुक्त राज्य कन्वेंशन में शामिल हुए सीटू प्रतिनिधि

परासिया । कारपोरेट की लूट को रोकने और जनता में फूट डालने वाली नीतियों के खिलाफ भोपाल में सुभाष नगर के डॉ.अम्बेडकर सामुदायिक भवन में संयुक्त राज्य कन्वेंशन 29 जनवरी रविवार को आयोजित किया गया।जिसमें सीटू, मध्यप्रदेश किसान सभा, अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन के सभी जिलों से प्रतिनिधि उपस्थित हुए। कन्वेंशन को तीनों संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों ने संबोधित किया। लाल झंडा कोल माईंस मजदूर यूनियन सीटू कन्हान पेंच क्षेत्र से अध्यक्ष अमरनाथ सिंह महासचिव मीरहसन सचिव अशोक भारती,भण्डोल चौधरी, जसवंत सिंह, शंकर लाल उपस्थित रहे।

बकरी पालकों को दिया प्रशिक्षण

छिंदवाड़ा । जिले में निरंतर गरीब परिवारों की आमदनी बढ़ाने पर काम कर रही सृजन संस्था के द्वारा छिंदवाड़ा ब्लॉक के पखड़िया, बिलवा, बोहनाखैरी,रंगीनखापा, उमरियाईसरा के बकरी पालकों को सृजन संस्था द्वारा प्रशिक्षित पशु सखियों एवं सृजन संस्था द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया सृजन संस्था के प्रोजेक्ट लीडर संदीप भुजेल ने हमारे संवाददाता को बताया कि इस एक दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान बकरी पालकों को बकरियों के आवास, आहार, उपचार आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया तथा साथ ही बकरियों के वैक्सीन एवं बकरी दाना मिश्रण बनाने की विधि एवं इसके लाभ तथा बकरियों के आवास हेतु बन रहे मॉडल शेड तथा नस्ल सुधार के बारे में के बारे में जानकारी दी गई, गौरतलब है कि सृजन संस्था द्वारा पशुधन कार्यक्रम अंतर्गत बकरी पालन एवं मुर्गी पालन गतिविधि पर भी कार्य किया जा रहा है, पृशिक्षण के दौरान संगम महिला मंडल से पशु सखी सुमन यादव, ललिता ककोडिया, वंदना यादव, संध्या मरकाम एवं सरला यदुवंशी, शहनाज मंसूरी, नरेशना मसराम, सरस्वती परतेती, इशरत जहाँ, सृजन से रामभजन डेहरिया एवं इशरत जहां, सूरजबाई कुमरे, सरिता यादव सुरेखा बंदेवार, दुर्गाबाई, काशीबाई, आकाश बघेल, गीताबाई उपस्थित रहे।

18 वर्षो से कर रहे नवरात्र पूजन

छिन्दवाड़ा । सिवनी प्राणमोती माता निवासी यमुना गोतमारे,गोपाल गोतमारे, शुभम गोतमारे परिवार में लगातार 18 वर्षो से संत पुजारी संघ के जिलाध्यक्ष पंडित सुनील तिवारी द्वारा नवरात्रि पर्व पर हवन,पूजन,भंडारा और हल्दी कुमकुम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे ग्रामवासी और महिला मंडल उपस्थित रहते हैं

बिछुआ ब्लॉक की क्षेत्रीय कमेटी में हुई नियुक्तियां

छिन्दवाड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार बिछुआ ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी में अध्यक्ष पद पर नियुक्तियां की गई है। कांग्रेस की समस्त क्षेत्रीय कमेटियों को और अधिक सक्रिय करने की दृष्टि से पार्टी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी जमुनियाकला में अध्यक्ष पद पर हरिराम पटेल व उल्हावाड़ी क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी में अध्यक्ष पद पर महेन्द्र सिंग ठाकुर मनोनीत किये गये हैं। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने श्री कमलनाथ व श्री नकुलनाथ, क्षेत्रीय विधायक सुजीत चौधरी सहित संगठन के समस्त वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है। नियुक्ति पर कांग्रेस परिवार के सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित की है।

न्याय के देवता शनि देव की सिंगोड़ी में हुई स्थापना

सिंगोड़ी। नगर के नई आबादी सिद्ध हनुमान मंदिर प्रांगण सिंगोड़ी में श्री शनिदेव एवं शनि शिला की स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हुआ इस अवसर पर दिनांक 29 जनवरी को पंचांग पूजन एवं मंडल पूजन जलाधिवास आरती एवं शयन कार्यक्रम संपन्न हुआ। एवं दिनांक 30 जनवरी दिन सोमवार को मंडल पूजन एवं फलादिवास अन्नाधिवास फूलाधिवास मूर्ति भ्रमण आदि विशाल कलश शोभायात्रा के साथ न्याय के देवता भगवान श्री शनिदेव की प्रतिमा की स्थापना एवं शनि शिला की स्थापना बड़े ही हर्षोल्लास के साथ पूर्ण विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ ।

कागजों में हो गई नहरों की सफाई

पेंच परियोजना की नहरों से किसान सीपेज से परेशान

छिंदवाड़ा । भ्रष्टाचार का गढ़ बनी पेंच परियोजना की नहरें किसानों के लिए मुसीबत का सबब बन रही है नहरों की बिना सफाई किए पानी चलाने के कारण सीपेज से नहर के किनारे स्थित खेत दलदल बन गए हैं घटिया निर्माण के कारण जगह-जगह नहर से बड़ी मात्रा में पानी का रिसाव हो रहा है नहर के किनारे स्थित खेतों मैं किसानों की फसल बर्बाद हो गई है ऐसा ही एक नजारा ग्राम तुमड़ा सहित नहरों से लगे सभी गांव में देखने को मिला सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नहर सफाई के नाम पर करोड़ों रुपए का भुगतान विभाग द्वारा प्रतिवर्ष किया जा रहा है मगर नहरों में उग रही घास सफाई कार्य की पोल खोलती नजर आ रही है नहर में घास और कचरा होने से पानी के बहाव में अवरोध उत्पन्न होता है जिससे सीपेज ज्यादा मात्रा में होता है वही इस संबंध में एल बी सी प्रभारी कार्यपालन यंत्री आर के भलावी का कहना है कि हमारे द्वारा जितना पैसा है उतना कार्य किया गया है घटिया निर्माण हुआ है तो ऐसा तो होगा ही मैं 15 साल से नौकरी कर रहा हूं वहीं दूसरी ओर आरबीसी नहर प्रभारी एस के सिरसाम का कहना है कि हम एस डी ओ ओर इंजीनियर की टीम भेजकर जेसीबी मशीन से सफाई करवा दी जाएगी जहां ज्यादा दिक्कत होगी वहां पॉलिथीन लगवा दी जाएगी वही किसानों का कहना है कि हर साल विभागीय अधिकारी नहर में सुधार का दावा करते हैं मगर धरातल पर कुछ कार्य नहीं किया जाता है चार पांच साल बीत जाने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है बारिश में कई जगह से नहरे ढह गई थी।

क्या कमलनाथ की सरकार आएगी तब चालू होगी मेडीकल कॉलेज की एमआरआई मशीन ?

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। कमलनाथ के परिवार द्वारा मेडीकल कॉलेज को एम.आर.आई. मशीन दिए हुए तीन वर्ष से ज्यादा हो गए किन्तु मेडीकल कॉलेज के प्रबंधन के कारण मशीन अभी तक प्रारंभ नहीं की गई है। जिसके कारण लोगों को नागपुर जाना पड़ रहा है। कमलनाथ की सरकार रहती तो मशीन चालू हो जाती किन्तु सरकार जाने के बाद प्रबंधन लापरवाह हो गया लगातार समाचारों में मशीन प्रारंभ संबंधी समाचार प्रकाशित होते रहे हैं। किन्तु प्रबंधन ने कोई ध्यान नहीं दिया। ऐसा लगता है कि प्रबंधन कांग्रेस की सरकार आने की रास्ता देख रहा है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आ गई तो मशीन तुरंत प्रारंभ हो जावेगी। अभी प्रदेश में भाजपा की सरकार है। लगभग तीन वर्ष पहले मशीन आई है किन्तु प्रबंधन अभी तक मशीन प्रारंभ करने संबंधी कोई प्रक्रिया नहीं की। मेडीकल कॉलेज में कोई डाक्टर नहीं है तो आउट सोर्स से रिपोर्ट बुलवाकर मशीन को प्रारंभ कर सकते थे किन्तु ऐसा लग रहा है कि जिम्मेदार अधिकारी प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आने की रास्ता देख रहे हैं।

डीन ने फोन नहीं उठाया

डीन डाक्टर रामटेक अपनी आदत के अनुसार पत्रकारों के फोन नहीं उठाते जिसके कारण उनसे बातचीत नहीं हो सकी।

जिले की 17 नगरीय निकायों में 6 निकायों में नहीं है सीएमओ

सी.एम.ओ के नहीं होने से प्रभावित होते है विकास कार्य

छिंदवाड़ा । जिले में 17 नगरीय निकाये है जिसमें 6 नगरीय निकायों में सी.एम.ओ नहीं है, इन 6 नगरीय निकायों में राजस्व अधिकारियों को प्रभारी सी.एम.ओ बनाया गया है। प्रभारी सी.एम.ओ निर्णय क्षमता न होने से निर्वाचित जनप्रतिनिधी परेशान है, जिससे विकास के कार्य प्रभावित हो रहे है। नगरीय निकायों के जन प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वे स्थायी सीएमओ की पोस्टिंग करें, जिससे विकास कार्य तेजी से हो सके, क्योकि विधानसभा के चुनाव आने वाले है, विकास नहीं होने से इनकम्बेन्सी के कारण पार्टी को नुकसान होगा। बताया जाता है कि नगर पालिका जुन्नारदेव लक्ष्मी प्रसाद सक्सेना, परासिया नगर पालिका में अजय ठाकरे, अमरवाड़ा में डी.पी.खण्डेलकार, चांदामेटा में अजय ठाकरे, बड़कुही में गजेन्द्र पाण्डे, एवं बिछुआ में अभयराजसिंह अतिरिक्त प्रभार में है, इसमें कुछ तो सी.एम.ओ है और कुछ राजस्व अधिकारी हैं।

प्रदेश में सी.एम.ओ की कमी है: भरत यादव

नगरीय निकाय के संचालक भरत यादव ने स्वीकार किया कि प्रदेश में सी.एम.ओ की कमी है, इसीलिए कुछ सी.एम.ओ एवं आर.एस.आई को प्रभार दिया गया है, उनकी पूर्ति पी.एस.सी के माध्यम से होगी, प्रक्रिया प्रारम्भ है।

पं. रमेश दुबे के नेतृत्व में निकलेगी स्वाभिमान यात्रा

कुंडा से चौरई तक हजारों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में निकलेगी पद यात्रा

चौरई। भाजपा की छिंदवाड़ा स्वाभिमान यात्रा का आयोजन आज कुंडा से चौरई तक किया जाना हैं। यात्रा में हजारों कार्यकर्ता पद यात्रा के साथ कुंडा से चौरई तक भाजपा के झंडे लेकर पैदल चलेंगे। भाजपा के पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे के नेतृत्व में निकाली जा रही यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू समेत जिला भर के भाजपा नेता की मौजूदगी में हजारों कार्यकर्ता शामिल होंगे। भाजपा ने हजारो कार्यकताओं को रैली में आमंत्रित किया हैं।इस दौरान यात्रा का कुंडा से चौरई तक जगह जगह स्वागत किया जाएगा चौरई के बस स्टैंड में आम जनसभा के साथ ही समापन किया जाना हैं।

घर घर जाकर दिया आमंत्रण

भाजपा ने यात्रा के लिए घर घर जाकर आमंत्रण दिया हैं। चौरई विधानसभा में भाजपा के 5 मंडल हैं। सभी मंडल द्वारा कार्यकताओं को लाया जा रहा हैं। बताया जाता हैं की सौसर विधानसभा में आयोजित यात्रा के तर्ज पर ही इसे भव्य रूप दिया जा रहा हैं।

पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे ने यात्रा में सभी लोगो को आने और सफल बनाने को अपील की है गौरतलब है की जिला भाजपा के निर्देशन में छिंदवाड़ा स्वाभिमान यात्रा निकाली जा रही है इसमें कांग्रेस सरकार के झूठे वादे और 15 महीने की नाकामियों को सामने लाया जा रहा है

विकास यात्रा के लिए रूट चार्ट एवं तिथिवार कार्यक्रम तैयार कर भेजने के निर्देश

कलेक्टर श्रीमती पटले ने की आयुष्मान कार्ड में मासिक प्रगति की समीक्षा

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड निर्माण में मासिक प्रगति की सेक्टरवाईज समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विगत बैठक में जनवरी माह में एक लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य दिया था, जिसकी उन्होंने विस्तार से सेक्टरवाईज समीक्षा की और अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि जिले में अभी तक 12 लाख 63 हजार 553 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। शेष कार्ड भी गति के साथ बनाएं। सेक्टर अधिकारी फील्ड में जाकर इस कार्य की मॉनिटरिंग करें, एसडीएम भी स्वयं रुचि लेकर अपने अमले की मदद से कार्य में गति लाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले की लक्ष्य पूर्ति 90 प्रतिशत तक ले जाएं। जिले की ग्राम पंचायतवार लक्ष्य पूर्ति की सूची तैयार करें और जिन ग्राम पंचायतों में 80 प्रतिशत से कम लक्ष्य पूर्ति हुई है, सेक्टर अधिकारी उन पर विशेष फोकस एवं विशेष प्रयास करते हुए ग्रामीणों को प्रोत्साहित करें और अधिक से अधिक कार्ड बनवायें। इस कार्य में पंचायत के जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी लें। अच्छा कार्य करने वाली पंचायतों को सम्मानित भी किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर श्रीमती पटले द्वारा 5 फरवरी से जिले में आयोजित विकास यात्रा की अनुविभागवार व तिथिवार कार्ययोजना एवं रूट चार्ट तैयार कर जिला स्तर पर भेजने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही विकास यात्रा के संबंध में शासन के नवीन दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया। उन्होंने विकास यात्रा के सफल आयोजन के लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने के साथ ही विकासखंड स्तर पर भी सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करने और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के भी निर्देश दिए।

पंजीयन/काउंसलिंग शिविर आज

छिन्दवाड़ा। म.प्र.डे ग्रामीण आजीविका मिशन की जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती अहिरवार ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हरेन्द्र नारायण के मार्गदर्शन में जिले के शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से एस.आई.एस.इंडिया लि.अनूपपुर और भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद नई दिल्ली के परस्पर सहयोग से 550 पदों पर सुरक्षा सैनिकों की भर्ती के लिये जिले में 18 से 31 जनवरी तक पंजीयन/काउंसलिंग शिविर का आयोजन किया गया है ।

नर्मदा माई मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह शामिल हुए विधायक कमलेश शाह

अमरवाड़ा । नगर के वार्ड नंबर 9 में नवनिर्मित मंदिर में मां नर्मदा मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक राजा कमलेश प्रताप शाह अपनी धर्मपत्नी रानी माधवी शाह के साथ शामिल होकर हवन पूजन करने के उपरांत जीवनदायिनी मां नर्मदा की आरती की तथा भंडारा प्रसाद ग्रहण किया प्राण प्रतिष्ठा समारोह पंडित भोला प्रसाद मिश्रा तथा अन्य विद्वान आचार्य द्वारा संपन्न कराया गया प्राण प्रतिष्ठा के समापन के अवसर पर हवन पूजन के साथ भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में नगर वासियों ने महा प्रसाद ग्रहण किया इस अवसर पर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष नवीन जैन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चंपालाल कुचे विधायक प्रतिनिधि दीपक नेमा पार्षद श्रीमती सुरक्षा जैन एवं राजकुमार वरकडे हर्रई ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राम जी उइके देवकीनंदन मिश्रा दुर्गेश ठाकुर, सुनील इरपाची, युवक कांग्रेस के अध्यक्ष अनुभव परिहार ,अंशु सोनी, अंकुर साहू, अरुण वर्मा, संतोष चौरसिया, कैलाश चौरसिया, सुनील जैन, मंडल सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित रहे

गंदगी करने पर 5 हजार का जुर्माना

उपायुक्त ने किया निरीक्षण

छिंदवाड़ा । स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की तैयारियों के सिलसिले में की जा रही गतिविधियों और कामों में किसी तरह की कमी न रहे और शहर में सफाई एवं कचरा प्रबंधन का स्तर निरंतर उन्नत होता रहे ऐसे आदेश नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह ने सभी अधिकारियों कर्मचारियों को दिए हैं। इसी तारतम्य में निगम कार्यपालन यंत्री व उपायुक्त ईश्वर सिंह चंदेली ने दिनांक 30 जनवरी दिन सोमवार को शहर के विभिन्न वार्डों में भ्रमण कर सफाई कार्य व कचरा संग्रहण व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त गुलाबरा पहुंचे यहां सफाई कार्य में लापरवाही पाए जाने पर उन्होंने 2 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस देने तथा चार कर्मचारियों का 1 दिन का वेतन काटने का आदेश प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी को दिया। यहां उन्होंने घर में गीला, सूखा, सेनेटरी वेस्ट तथा घरेलू खतरनाक कचरा अलग-अलग एकत्र करके कचरा गाड़ी के अलग-अलग कंपार्टमेंट में डालने की समझाइए रहवासियों को दी। उपायुक्त चंदेली वार्ड नंबर 26 एवं 28 में भी सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने पहुंचे, कर्बला चौक पर एक कबाड़ी की दुकान में गंदगी तथा प्लास्टिक पाए जाने पर संचालक पर ?5000/- का जुर्माना किया, दुकान पर रबर तथा प्लास्टिक भी पाया गया ,इस पर उपायुक्त ने दुकान संचालक से वहां फायर सेफ्टी की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली, फायर सेफ्टी की उचित व्यवस्था वहाँ न पाए जाने पर उन्होंने दुकान संचालक को फायर उपकरण लगवाने तथा इस संबंध में नगर निगम से एनओसी लेने की हिदायत दी। उपायुक्त ने इस क्षेत्र की नालियों की सफाई का भी निरीक्षण किया। हुसैन नगर में भी एक दुकान पर गंदगी पाए जाने पर दुकान संचालक पर ?1000/- का जुर्माना किया गया। कार्य में लापरवाही पाए जाने पर उपायुक्त ने वार्ड नंबर 26 के तीन कर्मचारियों तथा वार्ड नंबर 28 के 8 कर्मचारियों का 1 दिन का वेतन काटे जाने का निर्देश वार्ड दरोगा को दिया। इसी दौरान उपायुक्त बस स्टैंड भी पहुंचे जहां सफाई व्यवस्था ठीक पाए जाने पर उन्होंने वार्ड दरोगा की प्रशंसा की। छोटा तालाब क्षेत्र में सड़क पर कपड़े धोने पर उपायुक्त ने संबंधित व्यक्ति पर ?200/- का जुर्माना किया तथा एक दुकान पर अव्यवस्थित रूप से कचरा संधारण करना पाए जाने पर भी दुकान संचालक पर ?500/- का जुर्माना किया गया। निरीक्षण के दौरान लालबाग क्षेत्र में एक कॉम्पलेक्स नाली के ऊपर बना पाए जाने पर उपायुक्त ने संबंधित इंजीनियर को इस काम्प्लेक्स का सीमांकन कराए जाने के आदेश दिये। वार्ड नंबर 26 की सफाई व्यवस्था असंतोषजनक पाए जाने पर उपायुक्त ने संबंधित वार्ड दरोगा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश देने के लिए प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मालवी को निर्देशित किया।

राष्ट्रीयकरण की गोल्डन जुबली पर की गेट मीटिंग

परासिया । कोयला खदानों का लम्बा इतिहास रहा है, हमारे क्षेत्र में भी कोयला खनन दो सौ वर्षों से अधिक समय से किया जा रहा है। कोयला की आवश्यकता विशेष कर रेल चलाने और कारखानों को और बाद में उर्जा के लिए देश में अंग्रेजी हुकूमत अपने जरूरत के लिए करती थी। छोटे बड़े मालिकों के द्वारा कोयला खनन खदानें चलाकर पूर्ति प्रायवेट माईंसों से हो रहा था। देश में कोयला खदानों कि राष्ट्रीयकरण का आंदोलन कि शुरुआत इसी क्षेत्र से हुई। कोयला खदानों को राष्ट्रीयकरण एनसीडीसी से शुरू हुआ और 1971-72 में कोकिंग कोल और 1973 में नॉन कोकिंग कोल खदानों का राष्ट्रीयकरण हुआ जिसके पचास वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीयकरण का गोल्डन जुबली के अवसर पर संयुक्त रूप से गेट मीटिंग लेकर राष्ट्रीयकरण दिवस मनाने शारदा प्रोजेक्ट में गेट मीटिंग लेकर कामगारों को संबोधित किया, गेट मीटिंग करने सीटू युनियन के अध्यक्ष अमरनाथ सिंह, वरिष्ठ सचिव मार्कंडेय मिश्रा, सचिव अशोक भारती,एचएमएस युनियन के महामंत्री मनोज ढग, मनोज राय, रघुवीर काठियावाड़,इंटक युनियन के महामंत्री भगवानदीन यादव,रवि पवार, सहित असलम, जगदीश राय, अमरसिंह आदि कई पदाधिकारी, ठेकेदारी कामगार उपस्थित रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चरणों में नतमस्तक हुये कांग्रेसजन

पुष्पांजलि अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

छिन्दवाड़ा । भारतवर्ष से अंग्रेजों को खदेडने और स्वतंत्र राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का महत्वपूर्ण योगदान है, उनके नेतृत्व में अंग्रेजों भारत छोडो, स्वतंत्रता संग्राम, नमक कानून से लेकर वर्ण भेद और जाति भेद के खिलाफ आंदोलन चलाये गये। बापू के अथक प्रत्यनों से देश को अंग्रेजों की सालों पुरानी गुलामी से आजादी प्राप्त हुई और देश ने नये आयामों को छुआ। जातिवाद और धर्मवाद की देश में भड़ाई हुई आग को बुझाने के लिये बापू ने ईश्वर अल्ला तेरो नाम सबको सन्मति दे भगवान का संदेश दिया। देश के हर वर्ग, जाति और धर्म के लोगों को प्रेम पूर्वक भाईचारे के साथ रहने का संदेश देने वाले राष्ट्रपिता की आज पुण्यतिथि मनाई गई। कांग्रेसजन ने स्थानीय गांधी चौक (फव्वारा चौक) पर स्थित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा एवं गांधी गंज में स्थित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके प्रिय भजन रघुपति राघव राजाराम का सामूहिक रूप से गायन किया जिसके उपरांत मौन धारण कर बापू को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।बापू ने देश को आजाद कराने के लिये संघर्ष किया और आजादी के पश्चात आमजन के बीच फैली विभिन्न कुरीतियों को मिटाने के लिये उन्होंने अपनी यात्राओं के माध्यम से जन-जन तक आपसी प्रेम का संदेश पहुंचाया, किन्तु बापू के राष्ट्र में आज लोग धर्म और जाति को लेकर आपस में लड़ रहे हैं। जिस देश से भाईचारे और कौमी एकता की मिसाल विश्व के अन्य देशों को दी जाती थी, आज उसी भारत देश में राजनीतिक लाभ के लिये भाजपा ने धर्म और जाति की दीवार लोगों के बीच में खड़ी कर दी है। लोग अब धर्म, जाति, संस्कृति और भाषा के विवाद में फंसकर रह गये हैं। भाजपा के द्वारा खोदी गई इस खाई को पाटने हेतु कांग्रेस प्रतिबद्ध है। आयोजित पुण्यतिथि के कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजन ने पुष्पांजलि अर्पित कर नारे लगाये कि बापू हम शर्मिंदा है आपका कातिल अभी जिंदा है। स्थानीय गांधी चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के उपरांत समस्त कांग्रेस परिवार के सदस्य गांधी गंज पहुंचे, यहां गांधी जी की प्रतिमा का दूध से स्नान कराया गया और प्रतिमा के समक्ष नतमस्तक होकर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि प्रस्तुत की।

गाँधी अतीत नहीं भविष्य है: कांग्रेस सेवादल

छिंदवाड़ा । जिला कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारी द्वारा महात्मा गांधी जी कि पुण्यतिथि के अवसर एवं राहुल गांधी जी द्वारा भारत जोडों यात्रा के समापन के अवसर के 29 जनवरी 2023 को शहीद स्मारक पर ध्वजारोहण किया गया था। और आज 30 जनवरी सोमवार को कांग्रेस सेवादल द्वारा गांधी प्रतिमा पर फूल माला अर्पण कर दो मिनिट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित

परासिया । कोयलांचल क्षेत्र परासिया में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर ब्लॉक कांग्रेस परासिया के समस्त कांग्रेजन के द्वारा बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की गई साथ ही राष्ट्रध्वज फहराया गया और राष्ट्रगान के उपरांत श्रद्धाजंलि अर्पित की गई और श्रधांजलि सभा मे ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नरेन्द्र विश्वकर्मा, बसन्त मालवी,वीर बहादुर सिंह, गोविंद चौबे, गोपाल राव संभारे,दर्शन अरोरा, मंजू सोनी, अशोक डेहरिया, सुरेंद्र झाड़े, यमुना दुबे, चन्द्रभूषण डेहरिया, सागर बाबरिया, रुकमा बंसोड़, सैफ खान, सोनू खंडूजा, खान, रामनारायण तिवारी, पूर्णिमा बेलवंशी,नितेश मदान, ब्रह्मानन्द नागवंशी, कांग्रेस परिवार के सभी साथी उपस्तिथ रहे।

सचिव ने निर्माण कार्य के लाखों रुपये कागजों में निकाले

रंगीनखापा के आदिवासियों ने जनपद पंचायत सीईओं को सौपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा । ग्राम पंचायत रंगीनखापा से सैकड़ों की संख्या में जनपद पंचायत पहुंचे ग्राम वासियों ने सचिव केवल यदुवंशी के द्वारा बिना निर्माण कार्य का नाम पर लाखों रूपये निकाल लिए है। जिसमें सीपीटी डेराय,बोल्डर बाउन्ड्रीबाल झिरिया पहाड़ी रंगीनखापा भाग 2 निर्माण कार्य के लिए राशि 4.88 लाख, शैलपट बिछिया पहाड़ी नवेगांव भाग 2 निर्माण कार्य के लिए राशि 13.17 लाख, वृक्षारोपण कार्य जीएसबी रोड नवेगांव से बूढी दाई निर्माण कार्य के लिए राशि 3.40 लाख, सीपीटी डेराय बोल्डर बांउड्री बाल बोदल पहाड़ी नवेगांव निर्माण कार्य के लिए राशि 6.27 लाख इस प्रकार से सचिव, सरपंच के द्वारा अनेक बिना निर्माण कार्य के कागजों में लाखों रूपये की राशि निकाल लिये गये है। इसकी जांच की जाती है तो और भी राशि का पता चलेगा।

आज कलेक्टर को ज्ञापन देंगे

आदिवासी ग्राम पंचायत में हुए फर्जीवाड़ा को लेकर आदिवासी ग्रामीणों में गुस्सा है और वे आज बड़ी संख्या में पहुंचकर कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपकर जांच की मांग करेंगे। ग्रामीणों ने बताया कि सचिव केवल यदुवंशी का रंगीनखापा पंचायत से दो बार स्थानांतरण हो चुका था लेकिन सचिव ने सेटिंग फिर पंचायत में अपना स्थानांतरण करवा लिया।

आदि शंकराचार्य की प्रतिमा अगस्त 2023 तक स्थापित की जाएः चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ओंकारेश्वर में आदि शंकराचार्य की प्रतिमा स्थापना का कार्य अगस्त 2023 तक पूर्ण कर लिया जाए। अद्वैतधाम के निर्माण का कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए सभी विभाग तथा एजेंसियों से परस्पर समन्वय बनाए रखने और अनुमतियाँ प्राप्त करने में विलम्ब को टालने के लिए साप्ताहिक आधार पर समीक्षा बैठकें की जाएँ।

अद्वैतधाम के निर्माण के साथ ही ओंकारेश्वर का सिटी मास्टर प्लान, नगर की स्वच्छता, इंदौर से ओंकारेश्वर की फोर लेन कनेक्टिविटी, नर्मदा नदी की साफ-सफाई, तटों का सौन्दर्यीकरण और यात्री निवास की कार्य-योजना बना कर समय-सीमा में क्रियान्वित किया जाए।

श्री चौहान मंत्रालय में स्टेच्यू ऑफ वननेस प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री अजीत केसरी, प्रमुख सचिव संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री सुखवीर सिंह सहित संस्कृति विभाग और निर्माण एजेंसी के अधिकारी उपस्थित थे।

जानकारी दी गई कि देश की उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम की स्थापत्य कलाओं को समाहित कर विकसित किए गए डिजाइन पर आधुनिकतम निर्माण तकनीक से अद्वैतधाम का निर्माण किया जा रहा है। आदि शंकराचार्य की 108 फिट ऊँची प्रतिमा और पेडस्टल की स्थापना की दिशा में हुई प्रगति, आचार्य शंकर संग्रहालय परिसर, आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान, अद्वैत वन आदि के निर्माण की दिशा में हुई प्रगति की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

अप्रैल से 9 लाख वाहन कबाड़ होंगे, केंद्रीय मंत्री ने की घोषणा

नई दिल्ली। पंद्रह साल से पुराने 9 लाख सरकारी वाहनों को एक अप्रैल के बाद सड़कों पर से हटा दिया

जाएगा। इनके स्थान पर नए वाहन लगाए जाएंगे। ये वाहन केंद्रीय और राज्य सरकारों, परिवहन निगमों और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में लगे हुए हैं। यह घोषणा केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री मंत्री नितिन गडकरी ने की।

उद्योग मंडल 'फिक्की' के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार एथनॉल, मेथनॉल, बायो-सीएनजी, बायो-एलएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए कई कदम उठा रही है। हमने अब 15 साल से ज्यादा पुराने 9 लाख से अधिक वाहनों को कबाड़ में बदलने की मंजूरी दी है। इसके साथ ही प्रदूषण फैला रहीं बसों और कारों को भी सड़क पर चलने से रोक दिया गया। उनके स्थान पर नए वाहन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गडकरी ने कहा कि इससे वायु प्रदूषण काफी हद तक कम होगा।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार 15 साल पुराने केंद्र और राज्य सरकार के सभी वाहनों का रजिस्ट्रेशन एक अप्रैल से रद्द कर दिया जाएगा और उन्हें कबाड़ में भड़क दिया जाएगा। इनमें परिवहन निगमों और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में लगे वाहन भी शामिल हैं।

सेना के वाहन इस नियम से बाहर – यह नियम देश की रक्षा के लिए अभियान में, कानून व्यवस्था लागू करने और आंतरिक सुरक्षा के लिए उपयोग किए जाने वाले विशेष उद्देश्य के वाहनों (बख्तरबंद और अन्य विशेष वाहन) पर लागू नहीं होगा। इसमें रजिस्टर्ड वाहन कबाड़ इकाई द्वारा ऐसे वाहनों को उनके पंजीकरण के दिन से 15 साल बाद मोटर वाहन (वाहनों के पंजीकरण और क्रियान्वयन कबाड़ इकाई) नियम, 2021 के अंतर्गत डिस्पोज किया जाएगा।

बजट में नीति घोषित की – केंद्रीय बजट 2021-22 में घोषित नीति में निजी वाहनों के लिए 20 साल बाद और कमर्शियल वाहनों के लिए 15 साल बाद फिटनेस टेस्ट का प्रावधान है। 1 अप्रैल, 2022 से प्रभावी नई नीति के तहत, केंद्र ने कहा है कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पुराने वाहनों को स्क्रैप करने के बाद खरीदे जाने वाले वाहनों के लिए रोड टैक्स पर 25 प्रतिशत तक की छूट देंगे। पिछले साल गडकरी ने कहा था कि वे हर शहर में 150 किमी के भीतर कम से कम एक ऑटोमोबाइल स्क्रैपिंग सुविधा विकसित करना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया था कि देश में पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र का वाहन स्क्रैपिंग हब बनने की क्षमता है।

आईएएस अधिकारी के वायरल ट्वीटः इस चिड़िया को क्या कहते हैं

जवाब ऐसे कि पढ़ने के बाद हंसी नहीं रुकेगी

ट्विटर एक मुफ्त सोशल नेटवर्किंग साइट है जहां उपयोगकर्ता छोटे पोस्ट प्रसारित करते हैं जिन्हें ट्वीट कहा जाता है। इन ट्वीट्स में टेक्स्ट, वीडियो, फोटो या लिंक हो सकते हैं। आंकड़ों के मुताबिक भारत में ट्विटर यूजर्स की संख्या 23.6 मिलियन(2.36 करोड़) है.यहां आपको जिंदगी के हर ज्ञान थोक में मिल जाएगा! जबकि यहां कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें यूजर्स के मस्तिष्क की परीक्षा लेने में मजा आता है। यही वजह है कि आए दिन सोशल मीडिया पर दिमाग हिलाने वाले क्वीज और तस्वीरें वायरल होती हैं, जिन्हें देखकर पब्लिक कंफ्यूजिया भी जाती है। लेकिन भैया, इस बार एक आईएएस अधिकारी ने जनता से एक ऐसा सवाल पूछ लिया कि पब्लिक ने उन्हें एक से बढ़कर एक जवाब दिए हैं। और हां, यकीन मानिएज् इन जवाबों को पढ़ने के बाद आप अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे। वैसे ढ्ढस् ने सोचा भी नहीं होगा कि पब्लिक उनके गंभीर सवाल का मजाक ही बना देगी।

चिड़िया की यह तस्वीर आईएएस अधिकारी जीपी उपाध्याय ने 24 जनवरी को पोस्ट की, और लिखा- इस पक्षी को क्या कहते हैं? उनके इस ट्वीट को साढ़े पांच हजार से अधिक लाइक्स, लगभग दो सौ रीट्वीट्स और सैकड़ों प्रतिक्रियाएं मिल चुके हैं। इन कॉमेंट्स को पढ़ने के बाद आप कहेंगे कि इन लोगों का सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का है। वैसे इस पूरे मामले पर आपका क्या मानना है। कॉमेंट में बताइए। बता दें, जीपी उपाध्याय सिक्किम के कैबिनेट सचिव हैं।

साधारण व्यक्ति की समझ से परे है

ब्यूरोक्रेट को यही काम रह गया है

इसका नाम शुतुरमुर्ग है

देखने में तो घोड़ा लग रहा है

ये मोर है, बर्फीले जंगल में पानी के नीचे रहता है

मगरमच्छ है ना...

जब भी ट्विटर पर बकवास प्रश्न देखा हूं तो...

मैना पक्षी अपने गायन और बोलने की क्षमता के लिए पिंजरे में बंद पक्षियों के रूप में लोकप्रिय हैं। कुछ को कैद में इंसान के जैसी भाषा सहित ध्वनियों को पुनः उत्पन्न करने की क्षमता के कारण बात करने वाला पक्षी माना जाता है।

नई आबकारी नीति को लेकर उमा भारती ने लिखी मुख्यमंत्री को चिट्ठी

भोपाल। प्रदेश में नई आबकारी नीति में बदलाव के लिए भोपाल में अयोध्या बाई पास की शराब दुकान के पास मंदिर में डटी पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती द्वारा सात जनवरी को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लिखी चिट्ठी आज सोशल मीडिया पर वाइरल हो गई। इसके साथ ही उमा भारती ने ट्वीट कर कहा कि अयोध्या बायपास के मेरे तीन दिन के प्रवास को प्लीज धरना मत कहिए। 31 जनवरी को नई शराब नीति घोषित हो सकती है। इसको लेकर उनके द्वारा सीएम शिवराज सिंह चौहान को इसी माह पत्र लिखकर सुझाव दिए गए थे। उस पर अमल होने की उम्मीद है।

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने सोमवार को फिर शराब को लेकर ट्वीट किए हैं। इसमें उन्होंने कहा है कि गांधी जयंती के मौके पर मेरे ही आग्रह पर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चौहान ने देश के गणमान्य संतों के सामने मध्यप्रदेश की शराबनीति में जनहितकारी बदलाव की घोषणा की है, तो मै अविश्वास क्यों करूं?

पत्र में सीएम को ये सुझाव दिए उमा ने– उमा भारती ने शराब नीति को लेकर सीएम को सात जनवरी को सीएम को जो पत्र लिखा था वह सोशल मीडिया पर वाइरल हो गया है। इसमें उन्होंने सीएम चौहान को खुले अहाते में शराब पीने की व्यवस्था तुरंत बंद करने का सुझाव दिया है। उनका कहना है कि इसके कारण लोग शराब पीकर वाहन चलाते है और यातायात नियमों का उल्लंघन होता है।अहातों के बाहर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होता है और महिलाएं भयभीत होती है।

उन्होंने सभी प्रकार के शिक्षण संस्थानों से कम से कम एक किमी और धार्मिक स्थलों से कम से कम आधा किमी रेडियस की दूरी तक शराब की दुकान नहीं रखने का सुझाव दिया है। बस स्टैंड, मजदूरों की बस्ती, अस्पताल से आधा किलोमीटर तक शराब की दुकान नहीं होना चाहिए।

जिस प्रकार सिनेमा हाल और अन्य जगहों में शराब सिगरेट के दोष बताए जाते है। ऐसे बड़े होडिंग शराब की दुकानों के बाहर लगाकर शराब की बुराईयों की जानकारी दी जाना चाहिए। जहां शराब की दुकान हो वहां पुलिस स्टेशन को सख्त निर्देश होना चाहिए कि दुकान के बाहर कोई भी व्यक्ति बैठकर शराब पीता मिले तो उस पर थानेदार सख्त कार्यवाही करे।

भाजपा ने निकाली स्वाभिमान पदयात्रा रैली

छिंदवाड़ा /चौरई। चौरई के पूर्व विधायक रमेश दुबे के नेतृत्व में भाजपा द्वारा जिले के स्वाभिमान को लेकर ग्राम कुंडा से स्वाभिमान पद यात्रा निकाली गई जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया यात्रा कुंडा से चौरई तक निकाली गई पदयात्रा में जिले भर के प्रमुख भाजपा नेता उपस्थित थे।

सर्द हवाओं की चपेट में आधे से ज्यादा मप्र, ग्वालियर-चंबल में बारिश, कई जगह ओले गिरे

भोपाल। ठंड ने मध्यप्रदेश को फिर कंपकंपा दिया है। प्रदेश के 30 से ज्यादा जिलों में कोल्ड वेव यानी सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। भोपाल के अलावा ग्वालियर-चंबल अंचल के ज्यादातर हिस्सों में बारिश हुई। रतलाम, शिवपुरी, श्योपुर, मंदसौर, नीमच के ग्रामीण इलाकों में बारिश के साथ ओले भी गिरे। शिवपुरी के बैराड़ में एक घंटे तेज, तो मुरैना में 8 मिमी बारिश हुई। दतिया में भी बूंदाबांदी हुई। डबरा के भितरवार, भिंड में भी हल्की बारिश हुई है।

मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक का कहना है कि फरवरी में भी ठंड के दो छोटे-छोटे दौर आ सकते हैं। इससे दिन-रात और ठंडे होंगे। आज भी कोल्ड वेव का असर रहेगा। 28 से ज्यादा जिलों में बारिश होने के आसार है। ग्वालियर-चंबल संभाग पूरा भीगेगा। इंदौर, उज्जैन, रतलाम, मालवा-निमाड़ के ज्यादातर शहरों में हल्की बारिश हो सकती है।

मध्यप्रदेश के सभी जिलों में सोमवार रात का पारा 10 डिग्री से ऊपर रहा। नर्मदापुरम में यह सबसे ज्यादा 16.0 डिग्री रहा। प्रदेश में गुना और ग्वालियर में सबसे कम 10.6 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा।

यहां अगले 24 घंटे में बारिश के आसार

मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो मंगलवार को ग्वालियर-चंबल के सभी जिलों में हल्की बारिश होगी। ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया, शिवपुरी, मुरैना और भिंड भीग जाएंगे। विदिशा, रायसेन, राजगढ़, बैतूल, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, नीमच, मंदसौर, उमरिया, डिंडौरी, कटनी, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में भी बारिश की संभावना है।

किसान मजदूर महासंघ का अधिवेशन फरवरी में

भोपाल। किसान मजदूर महासंघ मध्यप्रदेश का तीन दिवसीय तृतीय प्रादेशिक अधिवेशन 3, 4 एवं 5 फरवरी 2023 को परमार समाज

धर्मशाला, दुर्गा मंदिर साकेत नगर, एम्स अस्पताल के पास भोपाल में किया जा रहा है। इस आयोजन के अंतिम दिन रविवार 5 फरवरी 2023 सभी पदाधिकारियों के लिए ज्ञापन सहभोज रखा गया है जिसमें पभो पदाधिकारियों को इस तीन दिवसीय कार्य कारण को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिए किसान मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव क....

सुब्रत सहारा समेत आठ कंपनी के पदाधिकारियों पर धोखाधड़ी की प्राथमिकी

भोपाल। एमपीनगर थाना पुलिस ने सहारा कंपनी के चेयरमैन सुब्रत सहारा उनकी कंपनी के मप्र के क्षेत्रीय प्रबंधक ,जोनल प्रबंधक समेत कंपनी के निदेशक मिलाकर करीब आठ लोगों पर धोखाधड़ी की धाराओं में प्राथमिकी कर ली है।ऐसे करीब 83 निवेशकों ने पुलिस को शिकायत की थी कि कंपनी ने अपनी कई योजनाओं के नाम पर निवेश कराया कराया,लेकिन समय अवधि पूरी होने के बाद भी निवेशकों के करीब 91 करोड़ राशि लौटना थी,लेकिन कंपनी ने ऐसा न करके उनकी राशि हड़प ली। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि इस मामले में गिरफ्तारी की शुरुआत जल्द से जल्द की जाएगी।

बता दें कि एमपीनगर जोन 1 में सहारा कंपनी का कार्यालय संचालित है। इंद्रपुरी भोपाल निवासी जगदीश मुलचंदानी समेत करीब 83 लोगों ने एमपीनगर थाने में शिकायत डेढ़ साल पहले शिकायत करना शुरू कर दी थी कि वह लंबे समय से लंबित थी। जांच अधिकारी एसआइ आरके मिश्रा ने बताया कि इन सभी पीड़ितों ने सहारा इंडिया की कंपनी की अलग- अलग योजनाओं और फिक्स डिपॉजिट में करीब 80 लाख रुपये निवेश किए थे और उनको 91 करोड 61 लाख 36 हजार 510 रुपये की राशि लाभ के रूप में मिलनी थी। थे।यह सभी 2012 से रुपये निवेश कर रहे थे,लेकिन निवेश की गई राशि और समय दोनों पूर्ण हो चुकी है,लेकिन किसी भी निवेशक के रुपये उसे नहीं मिल रहे हैं। कंपनी उनको बार - बार कोई न कोई बहाना बनाकर टरका रही थी। इस परेशान होकर पीड़िता ने एमपीनगर थाने में शिकायत की थी।इस पर धोखाधड़ी की धाराओं में प्राथमिकी कर ली है। बता दें कि सहारा इंडिया ओर से संचालित चिट फंड कंपनी अनेक प्रकार की बचत योजनाएं पूरे उत्तर भारत में चला रही है। यह कंपनी लोगों से पैसा अवश्य ले रही है, लेकिन मैच्योरिटी होने के बावजूद निवेशकों को उनका पैसा नहीं लौटाया जा रहा। इसके कारण कई शहरों में उन पर प्राथमिकी हो चुकी है।

इन लोगों पर दर्ज हुई प्राथमिकी– एमपीनगर थाना पुलिस ने कंपनी के चेयरमैन व संस्थापक सुब्रत राय, जोनल प्रबंधक शिवाजी सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ,निदेशक बीके श्रीवास्तव , अलख सिंह, करणेश अवस्थी और दिनेश कुमार श्रीवास्तव को धोखाधड़ी की धारा 420,409 और 120 बी में प्राथमिकी कर ली है।

सांध्यप्रकाश विशेष का शेष

सीएम शिवराज मेरे जीजा, उनके चरण पखारूंगा....

विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारीः संजय सिंह विदिशा लोकसभा सीट की उदयपुरा विधानसभा सीट के मंदिर में लगातार पहुंच रहे हैं. मसानी ने अपनी नाम के आगे धाकड़ लगाना शुरू कर दिया है. क्योंकि इस विधानसभा में किरार मतदाता खासी संख्या में हैं. इसके ठीक बगल में बुधनी विधानसभा सीट भी है. इसी विधानसभा सीट की बरेली शहर में मसानी की ससुराल भी है. जब पूछा कि सीएम अब हर दिन कमलनाथ से सवाल पूछेंगे तो उन्होंने कहा कि जवाब तो सीएम को जनता को देना पड़ेगा. क्योंकि 18 साल से तो वे सत्ता में हैं. हमें तो काम ही नहीं करने दिया. कांग्रेस के समय अनुसार हिन्दुत्व का चोला ओढ़ने पर बोले कि सबसे बड़े हनुमान भक्त तो कमलनाथ हैं. उनका संकल्प है कि 2023 में सरकार बनेगी तो 23 हजार पंचायतों में खेड़ापति मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा लगवाएंगे. संजय सिंह बोले कि राम के बंधन भी सबसे पहले 1987 में राजीव गांधी ने ही खुलवाए थे. जब पूछा कि सत्ता में आने के बाद अपने विधायकों को भाजपा जाने से कैसे रोकेंगे तो बोले कि किसी की निष्ठा धन के ऊपर है तो हम क्या करें?

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सगे साले हैं मसानी – कौन हैं संजय मसानी ? मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की धर्मपत्नी साधना सिंह के सगे भाई हैं संजय सिंह मसानी. 2018 में विधानसभा चुनाव से पहले संजय सिंह कांग्रेस में शामिल हुए थे. उन्होंने शिवराज सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए थे. पैडमैन फिल्म में संजय ने अक्षय कुमार के साले का किरदार निभाया था. अब तक करीब 15 फिल्मों में काम कर चुके हैं. मसानी को कांग्रेस ने प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है. कांग्रेस की ओर से मसानी को प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव प्रचार-प्रसार के लिए प्रादेशिक समन्वयक और प्रभारी भी बनाया गया है. उन्हें बालाघाट जिले की वारासिवनी विधानसभा सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया था. कांग्रेस में शामिल होते वक्त उन्होंने कहा था कि मध्यप्रदेश को शिवराज सिंह चौहान की नहीं, बल्कि कमलनाथ की जरूरत है. चुनाव में संजय तीसरे नंबर पर रहे थे। **पहले कांग्रेस ने संजय पर लगाए थे आरोपः** कांग्रेस में शामिल होने से पहले तक शिवराज के साले संजय मसानी के खिलाफ कांग्रेस ने साल 2012 में आयकर विभाग में आय से अधिक संपत्ति की शिकायत की थी और कार्रवाई की मांग की थी. शिवराज सिंह डंपर विवाद में फंसे थे तो उसमें भी संजय मसानी का नाम आया था. व्यापमं मामले में भी उनका नाम आरोपों के घेरे में आया था. उस वक्त व्यापमं के व्हिसल ब्लोअर डॉ. आनंद राय ने ट्वीट करके उन पर गंभीर आरोप लगाए थे. संजय सिंह ने बदले में मानहानि का केस करने की चेतावनी दी थी।